दैनिक **नवप्रदेश** WWW.NAVPRADESH.COM

प्रदेश के साथ पूरा देश...

आज धनतेरस

बिलासपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 | कृष्ण पक्ष- द्वादशी, | विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 | अंक- 181 | पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कुछ खबरिया चैनलों पर डिबेट के नाम पर जो चकल्लस कराई जाती है। उससे दर्शकों का बीपी बढऩे लगता है। कुछ पार्टी प्रवक्ताओं का थोबड़ा देखते ही लोग चैनल बदल देते हैं क्योंकि वे बहस के दौरान बद्तमीजी की हद पार कर देते हैं। नौबत गाली गुफ्तार और जूतम पैजार की आ जाती है। एक खबरिया चैनल पर एक पार्टी के प्रवक्ता ने दूसरी पार्टी के प्रवक्ता के चेहरे पर पानी ही फेंक दिया। कल को वे तेजाब फेंक दे तो भी ताज्जुब नहीं होगा। समझ में नहीं आता कि ऐसे बददिमाग प्रवक्ताओं को चैनल वाले बुलाते ही क्यों है?

छोटा पैकेट-बड़ा धमाका करूंगा बोलकर बुजुर्ग ने पिया जहर

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में शुक्रवार को एक बुजुर्ग ने महिला थाना के सामने जहर पीकर आत्महत्या की कोशिश की। बुजुर्ग जहर पीने से पहले घर पर बोलकर निकला था कि आज छोटा पैकेट बड़ा धमाका करूंगा। फिलहाल, बुजुर्ग को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया है।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली टीम के अंतिम जीवित सदस्य कांचा शेरपा का निधन

काठमांड (आईएएनएस)। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर पहली बार पहुंचने वाली पर्वतारोहण टीम के अंतिम जीवित सदस्य कांचा शेरपा का 92 वर्ष की आयु में नेपाल में निधन हो गया। नेपाल पर्वतारोहण संघ के अध्यक्ष फुर गेलजे शेरपा ने कहा कि कांचा शेरपा शेरपा काफी समय से अस्वस्थ थे और उनका निधन होना अपूरणीय क्षति है। उन्होंने आईएएनएस को बताया, उनके निधन के साथ पर्वतारोहियों की उस महान टीम का कोई भी जीवित सदस्य नहीं है, यह पूरे पर्वतारोहण समुदाय के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनका अंतिम संस्कार 20 अक्टूबर को शेरपा परंपरा के अनुसार किया जाना है। शेरपा के परिवार में दो बेटे, दो बेटियां और उनके बच्चे हैं। वह 35 सदस्यीय टीम में शामिल थे, जिसने 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे को 8,848.86 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचाया था।

मिट्टी खदान धंसने से दो लोगों की मौत, एक लापता

बलरामपुर /नवप्रदेश । दिवाली से पहले जहां एक ओर लोग अपने घरों की सजावट और लीपापोती की तैयारी में जुटे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से दुखद घटना सामने आई है। यहां मिट्टी खदान धंसने से दो अलग-अलग हादसों में एक महिला और एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के मलबे में फंसे होने की आशंका है। लापता व्यक्ति की तलाश के लिए ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान जारी है। त्योहार से पहले हुए इन दर्दनाक हादसों से इलाके में मातम पसर गया है।

सरेंडर्ड नक्सलियों को मकान-जमीन और 3 साल तक सरकार से मिलेगी आर्थिक मदद

संविधान ग्रहण कर 210 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

कार से आया सेंट्रल कमेटी मेंबर रूपेश, संविधान की किताब-गुलाब से स्वागत

■ **पूना मारगेम -पुनर्वास से पुनर्जीवन: 210 माओवादी लौटे समाज की मुख्यधारा में**

जगदलपुर/नवप्रदेश। देश के इतिहास में पहली बार 210 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। 153 हथियार भी सौंपे गए हैं। इनमें गुरुवार को बस्तर में सरेंडर करने वाले 140 और कांकेर में पहले आत्मसमर्पण कर चुके 60 से ज्यादा नक्सली शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि सरेंडर करने वालों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत मकान, जमीन और तीन साल तक आर्थिक सहायता दी जाएगी। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभी नक्सलियों को भारतीय संविधान की किताब और एक गुलाब भेंट कर उनका स्वागत किया गया। सरेंडर कार्यक्रम स्थल पर नक्सलियों को 3 बसों के जरिए लाया गया, जिनमें महिला नक्सलियों की संख्या पुरुषों से अधिक रही।

सेंट्रल कमेटी मेंबर सतीश उर्फ टी. वासुदेव राव उर्फ रूपेश को अलग ■ शेष पृष्ठ 6 पर

- जनवरी से अब तक 1785 नक्सली अरेस्ट
- कंपनी-1, 10 पूरी तरह सरेंडर कर चुके हैं
- कंपनी-5 में 1-2 को छोड़कर सभी आत्मसमर्पण कर चुके हैं
- कम्युनिकेशन टीम और जोनल डॉक्टर टीम पूरी तरह सरेंडर कर चुकी है
- उत्तर-पश्चिम ज़ोन पूरी तरह खाली हो चुका है

सरेंडर नक्सलियों को 3 साल आर्थिक मदद- सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को सरकार तीन साल तक आर्थिक सहायता देगी। उन्हें पुनर्वास नीति का पूरा लाभ मिलेगा। रहने के लिए मकान और आजीविका के लिए जमीन भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे सम्मानजनक जीवन की ओर बढ़ सकें। सीएम साय ने कहा, हमारे भाई-बहन अब ■ शेष पृष्ठ 6 पर

माता-पिता के सुख से वंचित लोगों का ट्रीटमेंट होगा- शर्मा

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने लक्ष्य तय किया है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'यह मान लिया जाए कि तय समय में यह लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। पुनर्वास नीति के तहत उन्होंने कहा कि कोई नक्सली ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भाजपा सरकार में 2100 नक्सलियों ने किया सरेंडर

अमित शाह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। 1785 को गिरफ्तार किया गया है और 477 को न्यूट्रलाइज किया गया है। यह 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रतिबिम्ब है।

गुजरात की नई केबीनेट ने ली शपथ

गांधीनगर (वार्ता)। मंत्रिपरिषद में कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्यमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी शामिल किया गया है।

हर्ष सांघवी राज्य के नए डिप्टी सीएम; रिवाबा जडेजा को भी मंत्रीपद

गुजरात में नए मंत्रिपरिषद का आज शपथ ग्रहण समारोह हुआ। हर्ष सांघवी को राज्य का नया डिप्टी सीएम बनाया गया है। हर्ष सांघवी तीन बार के विधायक हैं और फिलहाल मजुरा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 25 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई, जिसके बाद सीएम भूपेंद्र पटेल को मिलाकर मंत्रीपरिषद में 26 मंत्री हो गए हैं। पिछले साल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए विधायक अर्जुन मोढवाडिया को भी मंत्री बनाया गया है। विसनगर विधायक रुशीकेश पटेल, प्रफुल पनशेरिया, कुंवरजी बावलिया को फिर से मंत्रीपरिषद में शामिल किया गया है। **इन विधायकों को मिली मंत्रिपरिषद में जगह:** कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

न्यायाधीशों और अधिकारियों की सराहनीय पहल

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष में 26,40,506 दान

बिलासपुर /नवप्रदेश । बस्तर संभाग में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक सराहनीय मानवीय पहल की है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के मार्गदर्शन और संवेदनशील नेतृत्व में, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, रजिस्ट्री के अधिकारियों, जिला न्याय पालिका के न्यायिक अधिकारियों और प्रतिनियुक्ति में पदस्थ अन्य न्यायिक अधिकारियों ने स्वेच्छा से एक दिन का वेतन- कुल 26,40,506/- मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराया है। इस पहल का उद्देश्य बस्तर में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करना और उन्हें कठिन परिस्थितियों में राहत पहुँचाना है। न्यायपालिका ने इस योगदान को केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति, मानवता और एकजुटता का प्रतीक बताया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि न्यायपालिका हमेशा अपने संवैधानिक दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने में भी अग्रणी रही है। इस पहल में न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों ने अपनी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए यह संदेश दिया कि विपदा की स्थिति में सहयोग और सहानुभूति ही समाज की असली ताकत है। गौरतलब है कि इस तरह की पहल न केवल प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल राहत का माध्यम बनेगी, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ग्रामीण बैंक कृषि के लिए लोन बढ़ाएं: सीतारमन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों को कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र में बढ़ती क्रेडिट की मांग को पूरे करने के लिए अधिक लोन देने को कहा है। गुरुवार को बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री ने लोन वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और सरकार प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। वित्त मंत्री सीतारमण ने सभी पक्षकारों को क्षेत्र में कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और उससे जुड़े क्षेत्रों को लोन वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया।

सोना पहली बार 1.30 लाख पार चांदी 1,147 महंगी

इस साल सोना 53,422 और चांदी 83,213 महंगी हुई

नई दिल्ली/ए.। सोने ने आज (17 अक्टूबर) फिर नया ऑलटाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज (17 अक्टूबर) 2,113 रुपए बढ़कर 1,29,584 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान इसने 1,30,874 का ऑलटाइम हाई बनाया था। कल ये 1,27,471 रुपए पर था।

वहीं चांदी की कीमत में भी आज तेजी रही। यह 1,147 रुपए बढ़कर 1,69,230 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। कल चांदी 1,68,083 रुपए प्रति किलो थी। इससे पहले मंगलवार, 14 अक्टूबर को चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर थी।

इस साल अब तक सोने की कीमत 53,422 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,29,584 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 83,213 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैच की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

नये शिखर पर सेंसेक्स, निफ्टी

मुंबई, (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन बढ़त रही और प्रमुख सूचकांक नये रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 484.53 अंक (0.58 प्रतिशत) की तेजी के साथ 83,952.19 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद भाव है। बीच कारोबार में एक समय यह 84,172.24 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स पहली बार 84,100 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जमीन की खरीदी-बिक्री में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता की खत्म

रायपुर /नवप्रदेश । जमीन से जुड़ी अगर रत्ती भर की भी कभी आपने कोई कार्रवाई की होगी, या कभी किसी किसान या जमीन के कारोबारी से पाला पड़ा हो तो आपको ऋण पुस्तिका की अहमियत अच्छे से पता है। इसको लेकर अच्छी यादें कम, बुरी यादें ज्यादा होंगी. अब साय सरकार ने ऐतिहासिक और दूरगामी फैसला लेते हुए जमीन की खरीदी-बिक्री में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा प्रदेश के तमाम जिला पंजीयकों को ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त करने के संबंध में पत्र जारी किया है. इसमें पंजीयकों से अधीनस्थों को जमीन की खरीदी-बिक्री में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यकता समाप्त किए जाने के संबंध में निर्देशित करते हुए इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा गया है। किसानों-जमीन मालिकों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

समय पर नहीं मिल पाती ऋण पुस्तिकाएं

प्रायः यह देखने में आया है कि भौतिक ऋण पुस्तिका की कमी अथवा अन्य कारणों से क्रेता किसानों को जमीन खरीदी-बिक्री के बाद नई ऋण पुस्तिकाएं समय पर नहीं मिल पाती हैं। इससे पक्षकारों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा शासन की छवि भी खराब होती हैं। प्रदेश में दस्तावेजों का ऑनलाईन पंजीयन वर्ष 2017 से किया ■ शेष पृष्ठ 6 पर

राज्य निर्माण के 25 साल : सभी 14 नगर निगम आर्थिक रुप से खस्ताहाल

रेवेन्यू कलेक्शन में रायपुर नगर निगम सबसे फिसड्डी : चिरमिरी, भिलाई-चरौदा, जगदलपुर और दुर्ग भी राजस्व वसूली में कमजोर

हनीफ निजामी

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य निर्माण के 25 साल बीतने के बावजूद 14 नगर निगमों की आर्थिक स्थिति सुधर नहीं पाई है। सभी नगर निगमों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। एक भी नगर निगम अपने संसाधनों से नगर का विकास करा पाने में सफल नहीं है। हालत इतनी बदतर है कि सरकार से मदद न मिले तो नगर निगमों के पास हर माह वेतन देने के लिए भी रकम का जुगाड़ नहीं पो पाता है। बीते 25 साल के दौरान नगर निगमों की आर्थिक स्थिति सुधारने और स्वावलंबी नगर निगम बनाने संसाधन विकसित करने कई बार कहा गया, लेकिन हालत जस की तस है। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अफसरों की कार्यशैली इतनी कमजोर हो चुकी है कि नगर निगम का खजाना खाली ही रहता है। राजस्व वसूली कर पाने में भी अधिकांश नगर निगम नाकाम हैं।

बीते 6 माह के दौरान सभी 14 नगर निगमों के राजस्व वसूली पर गौर करें। लगातार कड़े निर्देशों के बावजूद चालू वित्तीय वर्ष के 6 माह में प्रदेश के 14 में से 13 नगर निगमों की हालत राजस्व वसूली के मामले में बदतर है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■ **अंबिकापुर नगर निगम ने 6 माह में 50 फीसदी से ज्यादा राजस्व वसूला**

■ **रिसाली और रायगढ़ नगर निगम में भी वसूली की स्थिति बेहतर**

कर्मचारियों को समय पर नहीं मिलता वेतन

नगर निगमों की आर्थिक स्थिति इतनी बदतर है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है। वेतन भुगतान के लिए नगर निगम प्रशासन को शासन का मुंह ताकना पड़ता है। बीते वर्षों में कई निगमों में वेतन भुगतान के लिये दूसरे मद की राशि का उपयोग किये जाने की शिकायतें भी मिली हैं। इस पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश जारी किये गए, लेकिन अभी भी दूसरे मदों का उपयोग वेतन भुगतान में किया जा रहा है।

नगर निगम - 6 माह में राजस्व वसूली का प्रतिशत

नगर निगम	प्रतिशत	नगर निगम	प्रतिशत
रायपुर	- 16.28%	भिलाई	- 33.34%
चिरमिरी	- 17.64%	राजनांदगांव	- 34.90%
भिलाई चरौदा	- 20.18%	कोरबा	- 36.55%
जगदलपुर	- 20.68%	बीरगांव	- 39.73%
दुर्ग	- 24.39%	रिसाली	- 42.88%
बिलासपुर	- 31.35%	रायगढ़	- 46.04%
धमतरी	- 31.65%	अंबिकापुर	- 51.43%

बीजेपी के चुनाव प्रचार में छाया हिंदुत्व का मुद्दा, महागठबंधन सीटों में उलझा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है। एक तरफ एनडीए टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर प्रचार में जुट गया हो तो दूसरी तरफ महागठबंधन अभी भी सीटों के बंटवारा और समायोजन में ही उलझा हुआ है। स्थिति ये है कि मुकेश सहनी की सीट (गौरा बौड़ाम) गुरुवार देर रात फाइनल हुई जिसकी वजह से उन्हें बेहद हड़बड़ी में आखिरी दिन नामांकन करना पड़ा। मुकेश सहनी की पार्टी को 15 सीट मिली है। राजद, कांग्रेस और वाम दल अंत अंत सीटों की पेच सुलझाने में लगे हैं। इनके लिए फिलहाल सिम्बल बांटना ही आसान लग रहा है। इस आपाधापी में झगडें की नौबत आ गयी है। जैसे बछ्वाड़ा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई दोनों ने उम्मीदवार खड़ा कर दिया है।

भाजपा के 3 मुख्यमंत्रियों ने संभाला मोर्चा

टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर भाजपा ने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। भाजपा के चार बड़े नेता अलग अलग प्रत्याशियों के नामांकन में आये और चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भाजपा प्रत्याशियों के जनसमर्थन के लिए पटना पहुंचे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी पहली चुनावी सभा में ही हिंदुत्व की भावना उभारने की कोशिश की। यानी इस चुनाव में भाजपा के लिए हिंदुत्व भी एक चुनावी मुद्दा होगा।

छठी मईया की जय: रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता लखीसराय के भाजपा उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा में शामिल हुईं। रेखा गुप्ता ने लखीसराय के प्रसिद्ध शिव मंदिर, अशोक धाम के जयकारे से अपने भाषण की शुरुआत की। फिर उन्होंने 10 दिन बाद से शुरू हो रही छठ पूजा को ध्यान में रख कर छठी मईया की जय, का भी उद्घोष किया।

एक राजनीतिक सभा में उन्होंने आध्यात्मिक रंग घोल दिया। रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार से लगाव का जक्र करते हुए कहे, 11 साल में वे 58 बार बिहार आ चुके हैं। इससे उनके बिहार के विकास की फिक्र को समझा जा सकता है। विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा को केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और जीतन राम मांझी ने भी संबोधित किया।

‘विकास बनाम बुर्का’ पर बहस

योगी आदित्यनाथ दानापुर के भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव और सहरसा के भाजपा प्रत्याशी आलोक रंजन झा के नामांकन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, उन्हें बुर्का चाहिए ताकि फर्जी वोट डाल कर गरीबों और दलितों के हक पर डकैती डाल सकें। लालू यादव ने केवल अपने परिवार का विकास किया जब कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों के विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं। अब ये लोग विकास बनाम बुर्का की नयी बहस खड़ी कर रहे हैं। लेकिन जनता इनकी असलियत समझती है।

लालू यादव ने सिर्फ अपने परिवार का विकास किया : अनुराग ठाकुर

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर अररिया के सिकटी से चुनाव लड़ रहे विजय कुमार मंडल के नामांकन में शामिल हुए। नामांकन के बाद आयोजित सभा में उन्होंने लालू यादव को निशाने पर लिया। अनुराग ठाकुर ने कहा, लालू यादव ने चारा खाया, नौकरी के बदले जमीन लिखा ली। आज कोर्ट, पूरे परिवार पर सम्मन भेज रहा है। लालू यादव के जंगल राज में 118 नरसंहार हुए। आज भी लोग उस जंगल राज को भूले नहीं हैं।

अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी : मोहन यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव दानापुर के भाजपा प्रत्याशी राम कृपाल यादव, कुम्हरार के भाजपा प्रत्याशी संजय गुप्ता और विक्रम के भाजपा प्रत्याशी सिद्धार्थ सौरव की नामांकन सभा में शामिल हुए। मोहन यादव का भाषण भी हिंदुत्व की लाइन पर रहा। उन्होंने कहा, अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी है। यमुना किनारे अब कन्हैया जी मुसकुराएंगे। यहां ध्यान देने की बात है कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामकृपाल यादव पहली बार दानापुर से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला राजद के मौजूदा बाहुबली विधायक रीतलाल यादव से हैं। इस कठिन मुकाबले में शायद हिंदुत्व ही रामकृपाल यादव की नैया पार लगा सके। सिद्धार्थ सौरव पहले कांग्रेस के विधायक थे। अब भाजपा से लड़ रहे हैं। जब कि संजय गुप्ता पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इन प्रत्याशियों के लिए भी अयोध्या-मथुरा का नारा, शायद काम आ जाए।

जंगलराज की वापसी का प्रतीक है लालू-राहुल की जोड़ी : अमित शाह

❑ ‘आप लोगों को जाति और भावनाओं के जाल में नहीं फंसना हैं’

सारण। "बिहार विधानसभा चुनाव के बाद सूबे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बनेगी। बिहार में तमाम कयासों पर विराम लगाते हुए यह तय कर लिया गया है कि नीतीश कुमार ही अगले मुख्यमंत्री होंगे।" उक्त बातें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजग गठबंधन की ओर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि बिहार की जनता को इस बार ÷चार- चार दीपावली÷ मनाने का अवसर मिल रहा है। 14 नवंबर को जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे और सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी, तब वह दिन बिहार की एक ÷बड़ी दीपावली÷ होगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज सारण जिले के तरैया प्रखंड अंतर्गत मंझोपुर गांव में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए समर्थन मांगा है। अमित शाह ने एनडीए के अंदर नेतृत्व को लेकर चल रहे सवालों को समाप्त करने की कोशिश की है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि आप लोगों को जाति और भावनाओं के जाल में नहीं फंसना हैं। बल्कि विकास और सुशासन को ध्यान में रखकर मतदान करने की जरूरत है। सभा के अंत में उन्होंने एनडीए के सभी प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल सीट जीतने का नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य को सुरक्षित करने का चुनाव है। उन्होंने भरोसा जताया कि सारण की सभी सीटों पर एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिलेगी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य फिर से विकास की राह पर अग्रसर होगा। सभा में भाजपा और जदयू के स्थानीय नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आसपास के हजारों लोग मौजूद थे। इस अवसर पर राजग गठबंधन की ओर अधिकृत प्रत्याशी और हज़ारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनडीए का मिशन ‘रिकॉर्ड तोड़’ बहुमत

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बिहार में नेतृत्व को लेकर स्पष्टता देते हुए कहा कि एनडीए राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है, जबकि देशभर में वे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। शाह ने कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि वे पिछले 20 सालों के बहुमत का रिकॉर्ड तोड़कर सबसे बड़ी मेजोरिटी से एनडीए की सरकार बनाने का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को एनडीए की रिकॉर्ड तोड़ जीत होगी और लालू-राहुल का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

बिहार को फिर से अंधकार में नहीं जाने देना है

गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष खास कर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव की जोड़ी को ÷जंगलराज की वापसी÷ का प्रतीक है। क्योंकि यह दोनों नेता बिहार को फिर से अराजकता की ओर धकेलने की कोशिश में लगे हुए हैं। बिहार में जब लालू यादव की सरकार थी, तब बिहार में अपहरण, हत्या और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था, लेकिन एनडीए की सरकार ने विकास, कानून व्यवस्था और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

महागठबंधन टूटने से बचा दीपांकर भट्टाचार्य की पहल पर, राहुल गांधी बने संकटमोचक

पटना/ए.। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर कई दिन की बातचीत के बाद मुकेश सहनी की अगुवाई वाली विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) गुरुवार को ‘महागठबंधन’ से लगभग अलग हो गई थी, लेकिन शीर्ष नेताओं के हस्तक्षेप के बाद उसे रोक लिया गया।

सहनी ने महागठबंधन तोड़ लिया था नाता

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुकेश सहनी ‘महागठबंधन’ में उचित स्थान न दिए जाने से नाराज थे और उन्होंने लगभग नाता तोड़ लिया था। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिन में वीआईपी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। सूत्र ने बताया कि सहनी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य से संपर्क किया।

निषाद समुदाय की आबादी करीब 2.5प्रतिशत

पत्र में वीआईपी प्रमुख ने कहा कि उन्हें निश्चित संख्या में सीट दिए जाने का आश्वासन दिया गया था, जो पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि संख्या मायने नहीं रखती, क्योंकि वे विचारधारा के कारण गठबंधन का हिस्सा हैं और सांप्रदायिक तथा विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ लड़ना चाहते हैं। मुकेश सहनी बिहार में निषाद समुदाय के नेता हैं, जो राज्य की आबादी का लगभग 2.5 प्रतिशत है।

राहुल गांधी के हस्तक्षेप से मामला सुलझा

दीपांकर भट्टाचार्य ने इसके बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से इस मुद्दे पर संपर्क किया और इस बात पर जोर दिया कि वीआईपी को समायोजित किया जाना चाहिए। जिसके बाद राहुल गांधी ने इस मामले पर राजद के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा की और मुकेश सहनी से भी बात की। उन्होंने कहा कि इस हस्तक्षेप के बाद वीआईपी प्रमुख ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर ‘महागठबंधन’ में बने रहने की प्रतिबद्धता जताई।

‘चाहे गंगाजी में डूब जाएंगे, लेकिन वोट तो...

राघोपुर/ए.। पटना से राघोपुर जाने के लिए अब छह लेन वाला पुल है। गंगा नदी से घिरे राघोपुर जाने के लिए पहले पीपा पुल हुआ करता था। इसी साल जून में इस छह लेन वाले पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। इस पुल से गुजरते हुए लगता है कि पटना से चंद किलोमीटर की दूरी पर बसा राघोपुर विकास के मामले में पटना के आसपास ही होगा, लेकिन यहां पहुंचने पर तस्वीर एकदम उलट है। हालांकि थोड़े कच्चे रास्ते को छोड़ दें तो गांवों तक पक्की सड़क है लेकिन लोगों के जीवन स्तर में सुधार नहीं दिखता। मल्लीपुर गांव पहुंचे और लोगों से बात की तो शुरू में एक बुजुर्ग ने कहा यहां तो सब तेजस्वी वाले हैं। कितना काम हुआ है, ये पूछने पर उन्होंने फिर दिक्कतें बतानी शुरू की। कहा नेता किसी की नहीं सुनते हैं। उनकी पत्नी को 10 हजार रुपये भी नहीं मिले हैं। उनकी पत्नी इसे लेकर नाराज हैं, वो बोली कि मेरे समूह में कुछ को पैसा मिला, मुझे नहीं मिला। पैसा मिला होता तो वोट देती, अब नहीं दूंगी। उन्हें ये भी साफ नहीं है कि पैसा कौन दे रहा है, सरकार या फिर तेजस्वी यादव। पड़ोस में ही गया देवी को 10 हजार रुपये मिला है और वे इससे खुश भी हैं। यहां लोगों ने बताया कि हमने मोबाइल में सुना है कि सबको 5 किलो राशन मिलता है लेकिन हमें चार किलो ही मिलता है। डीलर कहता है कि मैं ट्रैक्टर में लादकर लाऊंगा तो अपना खर्चा भी तो निकालूंगा। जब यहां लोग ये बता रहे थे कि यादवों के परिवार ज्यादा हैं और सब लालूजी के साथ हैं तभी धनजंय आए, पेंट-शर्ट पहने और हाथ की घड़ी ठीक करते हुए। बोले मैं भी यादव हूं लेकिन मेरी तरह पढ़े लिखे यादव जानते हैं कि एनडीए ही विकास कर सकती है, हम जात पर वोट नहीं देते। वे बोले कि जंगलराज सुना है, राघोपुर को लालू परिवार ने वही बना रखा है।

‘राजनीति में सेवा सबसे बड़ी चुनौती’, : मनोज तिवारी

पटना (आईएएनएस)। भोजपुरी गायक और अभिनेता खेसारी लाल यादव के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि राजनीति में आने के बाद सेवा सबसे बड़ी चुनौती होती है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने खेसारी लाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ÷मैं हमेशा कहता हूं कि युवाओं और कलाकारों को राजनीति में आना चाहिए। खेसारी लाल मेरे भाई हैं, लेकिन राजनीति में आने के बाद सेवा की चुनौती का सामना करना होगा। मैं उनके लिए शुभकामनाएं देता हूं।÷ मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि जब किसी पार्टी के दिल में राज्य का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, तो गठबंधन में समझौते हो जाते हैं।

उपेंद्र कुशवाहा ने पत्नी को दिया टिकट

पटना/ए.। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

एनडीए गठबंधन में आरएलएम को मिली छह विधानसभा सीटों में से सभी पर उम्मीदवार घोषित कर दिए गए हैं। यह घोषणा, एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान और कुशवाहा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात के तुरंत बाद हुई है। आरएलएम के प्रदेश महासचिव सुभाष चन्द्रवंशी द्वारा जारी सूची के अनुसार, पार्टी ने पहले दिन चार विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे।

उन चार उम्मीदवारों में सासाराम से स्नेहलता (उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी), मधुबनी से माधव आनंद। उजियारपुर से प्रशांत कुमार पंकज और दिनारा से आलोक कुमार सिंह का नाम शामिल था।

इसके अलावा, उपेंद्र कुशवाहा ने गुरुवार को दो और सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की: पारू से प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी और बाजपट्टी से पूर्व एमएलसी रामेश्वर महतो चुनाव लड़ेंगे।

सीट शेयरिंग का पूरा फार्मूला

एनडीए में सीटों का बंटवारा अंतिम सहमति के साथ पूरा हुआ है। भाजपा और जदयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। चिराग पासवान की लोजपा (रालोद) को 29 सीटें मिली हैं, जबकि जीतन राम मांझी की हम (एस) और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम को छह-छह विधानसभा सीटें मिली हैं। सूत्रों के अनुसार, कुशवाहा की नाराजगी को दूर करने के लिए उन्हें छह विधानसभा सीटों के साथ-साथ एक विधान परिषद सीट का अतिरिक्त ऑफर भी दिया गया है।

जनसुराज या तो अर्श पर या तो फर्श पर, छोटी पार्टियां सिर्फ ‘इस्तेमाल’ होती हैं

❑ राजनीतिक विकल्प के अभाव में लोग लालू-नीतीश को वोट करने के लिए थे मजबूर

पटना/ए.। बिहार विधानसभा चुनाव नज़दीक आने के साथ ही, चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी जन सुराज को एक विकल्प के रूप में स्थापित कर दिया है। प्रशांत किशोर ने स्वयं चुनाव मैदान से बाहर रहने का फैसला किया है। वहीं उनकी पार्टी राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और बिहार की ‘बदलाव की चाहत’ पर बड़ा दांव लगा रही है।

प्रशांत किशोर के अनुसार, जन सुराज कार्यालय परिसर में उमड़ रही भीड़ का कारण उनकी व्यक्तिगत शक्ति नहीं, बल्कि बिहार के लोगों की बदलाव की चाहत है। उनका मानना है कि 30-35 सालों से लोग राजनीतिक विकल्प के अभाव में लालू यादव या नीतीश कुमार को वोट देने के लिए मजबूर थे। अब उन्हें जन सुराज में उम्मीद और एक रास्ता दिखाई दिया है, जिससे वे पुराने राजनीतिक बंधनों से बाहर निकल सकें।

छोटी पार्टियों का सिर्फ इस्तेमाल किया जाता

प्रशांत का दावा है कि नीतीश कुमार की बड़ी राजनीतिक विरासत की उपयोगिता ‘पूरी तरह से कम हो गई है’। उन्होंने एनडीए के भीतर मतभेद का हवाला देते हुए कहा कि नीतीश कुमार अब शारीरिक और मानसिक रूप से सरकार या राजनीतिक व्यवस्था चलाने में असमर्थ हैं। पीके ने एनडीए और महागठबंधन में शामिल छोटी पार्टियों लोजपा-आर, हम, रालोएम, वीआईपी, सीपीआई और सीपीएम के प्रभाव को नगण्य बताया। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों का केवल ‘इस्तेमाल किया जाता है’। उन्होंने 2015 के चुनाव का उदाहरण दिया, जहां भाजपा के साथ लड़ी इन छोटी पार्टियों को विधानसभा स्तर पर कोई सफलता नहीं मिली थी। प्रशांत किशोर का मानना है कि लोग इन छोटी पार्टियों को वोट देकर अपनी राजनीतिक शक्ति बर्बाद नहीं करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि इनमें स्थिरता या कोई सोच नहीं है।

एनडीए की चुनाव संभावना को बिगाडेंगे

प्रशांत किशोर ने दोहराया कि जनसुराज या तो अर्श पर या तो फर्श पर। उन्होंने कहा कि पार्टी या तो 10 से कम सीटें मिलेंगी, या 150 से ज़्यादा सीटें। इनके बीच का अंतर नहीं होगा। उन्होंने कहा- अगर मैं 10 से नीचे रहा, तो त्रिशंकु सरकार बनेगी, जिसे जनता चुनेगी। अब कोई पूछ सकता है कि त्रिशंकु विधानसभा क्यों होगी? वजह यह है कि पिछली बार भी एनडीए और महागठबंधन दोनों बराबर थे। लेकिन इस बार हम उनकी चुनावी संभावनाओं को बिगाड़ देंगे।

शारीरिक सीमा के कारण चुनाव न लड़ने का फैसला

प्रशांत किशोर ने बताया कि उनका चुनाव न लड़ने का फैसला पूरी तरह से एक शारीरिक सीमा है। चूंकि जन सुराज एक नई पार्टी है और उसे एक व्यवस्थित ढांचा देने के लिए एक ही व्यक्ति को बहुत सारे काम करने पड़ते हैं। उन्होंने बताया कि कई दिन तो दो सुबह 5-6 बजे ही सो पाते हैं। इसलिए पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों ने यह फैसला लिया। उनका मानना है कि अगर वह एक सीट पर चुनाव लड़ने चले जाते, तो पूरी पार्टी की व्यवस्था खतरे में पड़ सकती थी।

गठबंधन धर्म के लिए कांग्रेस कितनी कुर्बानी देगी: पप्पू यादव

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पूर्णिया लोकसभा सीट से सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर असंतोष जताया है। उन्होंने कहा कि वे टिकट बंटवारे से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं।

पप्पू यादव ने कहा कि गठबंधन धर्म निभाने के लिए आखिर कब तक कांग्रेस ही कुर्बानी देती रहेगी?

आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि गुलामी से आजादी कांग्रेस ने दिलाई, लेकिन हमेशा कांग्रेस से ही परीक्षा ली जाती है। गुलामी करने का वक्त चला गया। उन्होंने कहा कि गठबंधन में किसी भी निर्णय प्रक्रिया में बीच का रास्ता निकाला जाता है, लेकिन पूर्ण संतुष्टि संभव नहीं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता थोड़े नाराज तो होंगे ही, खासकर जब हमारी सीटिंग सीटों पर हमला किया जाता है।

उन्होंने कहा कि टिकट बंटवारे से जहां जदयू-भाजपा में मारपीट हो रही है, वहीं कांग्रेस में कोई विरोध नहीं है। उन्होंने महागठबंधन को एकजुट बताया, लेकिन सीट बंटवारे पर असंतोष प्रकट किया। महागठबंधन में बछ्वाड़ा सीट को लेकर कोहराम मचा हुआ है।

समर्पण, अनुशासन और समय प्रबंधन से मिलती है सफलता: राज्यपाल डेका

सीवी रमन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल, 195 को पीएचडी व 189 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका कोटा स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने 195 विद्यार्थियों को पीएचडी को उपाधि और 189 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित दीक्षांत स्मारिका सहित अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि भाषा ज्ञान का माध्यम है, बाधा नहीं। केवल अंग्रेजी जानने से कोई ज्ञानी नहीं बन जाता। भाषा ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम हो सकती है, लेकिन यह बाधा कभी नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा में सच्चा ज्ञान तभी प्राप्त होता है जब हम उसमें मन, मस्तिष्क और व्यवहार से जुड़ते हैं। राज्यपाल ने दीक्षांत को सिर्फ एक समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत करार दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, डॉ. सीव्ही रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार घोष, कुलसचिव डॉ. अरविन्द कुमार तिवारी, आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश, आइसेक्ट समूह के सचिव डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री डेका ने सफलता के तीन मुख्य स्तंभों दृढ़ता, कड़ी मेहनत और अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि यही वे गुण हैं जो किसी भी व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और समाज के प्रति आभार प्रकट करने की सीख दी। जितनी भी सफलता आप जीवन में प्राप्त करें, अपने माता-पिता और मूल्यों को कभी न भूलें। समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है अब हमें सोचना है कि हमने समाज को क्या दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का प्रभावी प्रबंधन करने का सुझाव देते हुए कहा कि आपके पास आज समय और स्थान दोनों हैं। इनका सदुपयोग करें, क्योंकि यही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच आपसी संवाद, विश्वास और प्रेरणा का रिश्ता होना चाहिए। शिक्षा समावेशी होनी चाहिए और सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अपने संबोधन के समापन में राज्यपाल ने सीवी रमन विश्वविद्यालय को भविष्य में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बनने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा जताई कि यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित करेगा। कुलाधिपति संतोष चौबे ने विश्विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा अब तक किये गये नवाचारों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां कौशल विकास के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है।

बदलती तकनीक के साथ अपडेट रहना बड़ी जरूरत: तोखन साहू

केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास एवं राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि सपनों को हकीकत में बदलने के लिए समर्पण, अनुशासन और समय का सही उपयोग अनिवार्य है। उन्होंने युवाओं से निरंतर सीखते रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ अपडेट रहना आज की सबसे बड़ी जरूरत है, लेकिन मानवीय मूल्यों का विकास भी उतना ही जरूरी है। यह अमृतकाल है, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, जिसमें युवाओं की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हें नहीं मिलती जो अवसर की प्रतीक्षा करते हैं, बल्कि उन्हें मिलती है जो अवसर खुद बनाते हैं। श्री साहू ने युवाओं से समय का सदुपयोग करने, आत्मनिर्भर बनने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि दीक्षांत केवल शिक्षा की पूर्णता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपके सक्रिय शुरूआत का योगदान है।

न्यूज गैलरी

50 हजार से अधिक की शराब सहित दो स्कूटी जब्त, आरोपी फरार

एमसीबी/नवप्रदेश। सिटी कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर की दो अलग-अलग मामलों में अंग्रेजी शराब की अवैध तस्करी करते हुए दो स्कूटी जब्त की हैं। पुलिस ने कुल 58 हजार 620 रुपए मूल्य की शराब बरामद की है, दोनों मामलों में आरोपी मौके से फरार हो गए। एक मामले में पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान स्कूटी क्रमांक सीजी 16 सीएस 2037 में डोला की ओर से अंग्रेजी शराब परिवहन करने की सूचना मिलने पर दबिश दी गई जहाँ पुलिस को देखते ही आरोपी वाहन छोड़कर भाग गया। तलाशी में लगभग 28 हजार 160 रुपए मूल्य की शराब जब्त की गई। वाहन को जब्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इसी प्रकार दूसरे मामले में स्कूटी क्रमांक सीजी 16 सीटी 4408 में अंग्रेजी शराब रखकर रेलवे स्टेशन मनेंद्रगढ़ की ओर लाने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। आरोपी पुलिस को देकर पैराडाइज होटल के पीछे पार्किंग स्थल पर स्कूटी छोड़कर फरार हो गया। जांच में 30 हजार 460 रुपए मूल्य की शराब बरामद की गई। दोनों मामलों में वाहनों को जब्त कर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जाँच कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है स्कूटी (वाहन) मालिक को बुलवाकर शराब तस्करों की पहचान कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

मनोरोग विभाग सिम्स में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरुकता पखवाड़े का आयोजन

तनाव व अवसाद के लक्षण व दुष्प्रभाव के बारे में बच्चों को दी गई जानकारी

बिलासपुर/नवप्रदेश। आज 17 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के जागरूकता पखवाड़े एवम छत्तीसगढ़ रजत जयंती समारोह के अवसर में विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देश अनुशार आज पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर में मनोरोग विभाग सिम्स द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस के रूप में मनाया गया।

डब्ल्यूएचओ द्वारा विषय- सेवाओं तक पहुँच आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य निर्धारित किया गया है। इस वर्ष 10 ऑक्टूबर से 10 नवम्बर तक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पखवाड़ा घोषित किया गया है जिसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी कड़ी में आज केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुजित नायक विभागाध्यक्ष मनोरोग विभाग सिम्स बिलासपुर, डॉ राकेश कुमार जाँगड़े मनोरोग विशेषज्ञ डॉ सत्य स्मिता जेना मनोरोग चिकित्सक डॉ सुधांशु भट्ट मनरोग विभाग थे । डॉ. सुजित नायक ने कार्यक्रम के प्रथम चरण में बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान कर तनाव तथा अवसाद के लक्षणों एवम दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी साझा की तथा तनाव प्रबंधन के उपाए बताये। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में डॉ राकेश जांगड़े ने बच्चों को नशे से संबंधित मादक पदार्थो के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी और उन्हें कभी भी जीवन में नशे को ना अपनाने जागरूक किया। डॉ. सत्यस्मिता जेना ने बच्चों को परीक्षा जनित तनाव को दूर करने के लिए विभिन्न उपाय बताए तथा एक संयमित व्यवहार और जीवन शैली अपनाने हेतु जागरूक किया।

बेहतर शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए किया गया प्रोत्साहित

केंद्रीय विद्यालय से प्राचार्य शरद कुमार कैवर्त, जूही चक्रवर्ती टी जी टी साइंस, डॉ किरण राठौर टी जी टी हिंदी ने कार्यक्रम को आयोजित करने हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा एवम उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सिम्स के अधिष्ठाता डॉ रमणेश मूर्ति एवम चिकित्सा अधीक्षक डॉ लखन सिंह, नोडल अधिकारी (सिम्स) डॉ भूपेंद्र कश्यप ने छात्रो सभी के बेहतर मानसिक स्वास्थ्य की कामना की तथा समस्त बच्चों के लिए मनोरोग विभाग की सेवाये सतत् उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया।

बिजली कर्मियों को दीपावली पूर्व वेतन का अग्रिम भुगतान

■ राज्य शासन के निर्णय का पॉवर कंपनी में परिपालन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा सरकार के दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान जैसे कर्मचारी हितैषी निर्णय का परिपालन करते हुए अपने कर्मचारियों एवं ठेका कर्मियों को भी निर्धारित समय-सीमा में त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। दीपावली (20 अक्टूबर) के उपलक्ष्य में तीनों छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनियों द्वारा अपने-अपने कर्मचारियों एवं अधिकारियों को माह अक्टूबर के वेतन का अग्रिम भुगतान तथा तीनों कंपनियों के संबंधित ठेकेदार द्वारा संबंधितों को मजदूरी/मानदेय/पारिश्रमिक आदि का भी अग्रिम भुगतान 17 एवं 18 अक्टूबर तक करने के आदेश जारी किये गये हैं। प्रबंधन ने दीवाली पर अपने कर्मियों को अग्रिम भुगतान की सौगात दी है, इससे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

बच्चों की रचनात्मकता ही देश का उज्ज्वल भविष्य: वंशकार

■ विरानी स्कूल में दीपावली मेले ने बिखेरी चमक

सीपत/नवप्रदेश। दीपों के त्योहार दीपावली के शुभ अवसर पर विरानी पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल सीपत में शुक्रवार को दीपावली मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीपत सरपंच मनीषा योगेश वंशकार द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सरपंच मनीषा योगेश वंशकार ने कहा कि बच्चों की रचनात्मकता और मेहनत देखकर गर्व होता है। दीपावली जैसे पावन पर्व पर जब नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी स्वयं अपने हाथों से सजावट, मिठाइयाँ और आकर्षक स्टॉल तैयार करते हैं, तो यह न केवल उनकी प्रतिभा का परिचय है बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर कदम भी है। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनशीलता और सामूहिकता की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में बच्चों ने दीपावली थीम पर आधारित विविध प्रकार की कलात्मक सजावट, हस्तनिर्मित दीप, रंगोली, घरेलू सजावट सामग्री और मिठाइयों के आकर्षक स्टॉल लगाए। स्कूल परिसर रंग-बिरंगे दीपों और सजावट से जगमगा उठा।

बच्चों में टीमवर्क व जिम्मेदारी की समझ विकसित करते हैं

विद्यालय की प्राचार्या तारा गिरी ने बताया कि इस तरह के आयोजन बच्चों को अपनी कला, कौशल और आत्म-प्रदर्शन का अवसर देते हैं। यह मेले बच्चों में टीमवर्क, जिम्मेदारी और सांस्कृतिक मूल्यों की समझ विकसित करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। मेले में विद्यालय परिवार, अभिभावकगण और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की और दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

राज्य स्थापना दिवस पर जगमाएंगे शासकीय व निजी भवन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर शासकीय भवनों के साथ निजी संस्थाओं में 1 नवम्बर से 5 नवम्बर तक आकर्षक रोशनी की जाएगी। 25 वर्षों की विकास यात्रा की थीम के अनुरूप भवनों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाएगा, जिससे प्रदेश की प्रगति एवं उपलब्धियों का संदेश जन-जन तक पहुंचे। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने शासकीय भवनों के साथ-साथ निजी संस्थाओं को भी अपने कार्यालय भवनों में रोशनी करने के लिए अनुरोध किया है।

कोटा विस में 215 लोगों ने ली आजाद युवा संगठन की सदस्यता

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोटा विधानसभा क्षेत्र में आज़ाद युवा संगठन द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत ग्राम पंचायत नवागांव सलका में पुनः अभियान चलाते हुए 30 लोंगो को संगठन की सदस्यता ग्रहण करवाई गई। संगठन प्रमुख इशहाक कुरैशी द्वारा बताया गया की ग्राम पंचायत नवागांव सलका कोटा ब्लाक का सबसे बड़ा पंचयात है संगठन में लोंगो को जोड़ने के लिए पुरे ग्राम में अभियान चलाया जा रहा और धीरे-धीरे लोग संगठन में जुड़ रहे है और आज दिनांक तक 215 लोंगों ने संगठन में विश्वास जताते हुए संगठन का दामन थाम चुके है और यह संख्या और भी बढ़ने वाली है।

इस अभियान में मुख्य रूप से संगठन प्रमुख इशहाक कुरैशी के अलावा राधा बिंझवार, तीजमत बाई बिंझवार, सारदा बाई, संगीता मरावी, हर बाई धुर्वे, भागमती बिंझवार, कलावती राजपूत, रमन बाई निषाद, पर्मिला देवी, रूपाली मरावी, सीखा मरावी, पंच बाई मरावी, रेवती बाई धुर्वे, कोशिल्या धुरू, आदि लोंगो ने सदस्यता ग्रहण की।

जिले में 16 नए कृषि साख सहकारी समितियों का गठन

बिलासपुर/नवप्रदेश। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना सहकार से समृद्धि के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा बिलासपुर जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की पुनर्गठन योजना 2025 के अंतर्गत 114 विद्यमान समितियों में से 15 समितियों का पुनर्गठन कर 16 नवीन सहकारी समितियों का गठन किया गया है। जिसमें बिल्हा विकासखण्ड के अंतर्गत 3 समितियॉ-अकलतरी, बेलतरा, चुमकवा, तखतपुर विकासखण्ड के अंतर्गत 3 समितियॉ-लमेर, कोडापुरी, पडरिया, मस्तुरी विकासखण्ड के अंतर्गत 5 समितियॉ-सरसेनी, शिव टिकारी, सुकुलकारी, जलसो, धनगवॉ तथा कोटा विकासखण्ड के अंतर्गत 5-समितियॉ अमाली, कोडापुर, पोडी, पचरा, दारसागर शामिल है। इन समितियों के गठन का उद्देश्य किसानों को निवासरत ग्राम से कम से कम दूरी में केसीसी ऋण अंतर्गत नकद, खाद, बीज, उपभोक्ता सामाग्री वितरण, की सुविधा उपलब्ध कराना है।

उक्त समितियों का पंजीयन कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता जिला बिलासपुर द्वारा किया गया है। सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का कम्प्यूटराइजेशन किया गया है जिससे की समस्त समितियां तकनीकी रूप से सक्षम होकर अपने सदस्यो को त्वरित रूप से सुविधाएं उपलब्ध करा सकें जैसे- केसीसी ऋण, प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र अंतर्गत जैविक दवाओ का वितरण, कामन सर्विस सेंटर के माध्यम से बिजली बिल, रेल टिकट बुकिंग, आधार पंजीयन, बीमा का भुगतान, जाति, निवास प्रमाण पत्र आदि एवं माइक्रो एटीएम, उपभोक्ता सामाग्री वितरण, इत्यादि।

सहकार से समृद्धि योजना से किसानों को मिल रहा लाभ

प्रेस क्लब के वरिष्ठ पत्रकारों के दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि

बिलासपुर/नवप्रदेश। शुक्रवार को बिलासपुर प्रेस क्लब परिवार के द्वारा ईदगाह ट्रस्ट भवन में वरिष्ठ पत्रकारों के परिजनों के निधन पर श्रद्धांजलि शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष गोपीनाथ डे के बड़े भाई स्व. सत्यजीत डे तथा दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार सुनील शर्मा के पिता स्व. गिरिजानंद शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यगणों ने शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की। जहाँ बड़ी संख्या में प्रेसक्लब सदस्य गण उपस्थित रहे।

योजना

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव: तकनीक और परिश्रम से तरक्की की लहर

मत्स्य पालन बना ग्रामीणों की आजीविका, आत्मनिर्भरता व आर्थिक स्थिरता का आधार

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी।

वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यतः पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था। विगत 25 वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है कि जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है। यह केवल आँकड़ों की प्रगति नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मछुआ परिवारों की समृद्धि का सूचक है, जिनके जीवन में इन योजनाओं ने स्थायित्व और सम्मान जोड़ा।

हाईटेक फिश मार्केट एक आधुनिक उपलब्धि

वर्ष 2016 में तोरवा क्षेत्र में राष्ट्रीय मत्स्यकी विकास बोर्ड की सहायता से 1 करोड़ रूपए की लागत से छत्तीसगढ़ का पहला हाइटेक फिश मार्केट विकसित किया गया। इसमें 15 थोक दुकानें, 27 फुटकर दुकानें, आइस प्लांट और सजीव मछली विक्रय जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह बाजार न केवल व्यवसायिक केंद्र बना, बल्कि मछली विक्रेताओं को सम्मानजनक मंच भी प्रदान करता है। परंपरागत जल स्रोतों के साथ-साथ नदी आधारित मत्स्य पालन को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया है। शिवनाथ नदी के ग्राम जोंधरा स्थित एनीकट में 300 हेक्टेयर जल क्षेत्र को मछुआ सहकारी समिति को 10 वर्षों के लिए पट्टे पर आबंटित किया गया है, जिससे संगठित मत्स्य उत्पादन को गति मिली है।

सुविचार

इंसान घर बदलता है, दोस्त बदलता है, रिश्ते बदलता है फिर भी परेशान रहता है क्योंकि वह खुद को नहीं बदलता - अज्ञात

एन्टी इनकंबेंसी के भरोसे विपक्ष

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि गुजर जाने के बाद अब बिहार में चुनावी सरगर्मियां परवान चढ़ने लगी हैं। सभी राजनीतिक पार्टियां मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के लिए प्रभावी मुद्दों की तलाश कर रही हैं जो उनके चुनावी घोषणा पत्रों में सामने आएगा। फिलहाल तो बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए विकास के मुद्दे को लेकर ही मतदाताओं के सामने जाने का फैसला ले चुकी है। वैसे भी चुनाव चाहे कहीं का भी हो वहां सत्ता में रहने वाली पार्टी विकास को ही अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाती है और अपनी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का बखान करती है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने बिहार में विकास कार्यो को गति दी है और हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई लोक लुभावन घोषणाओं को क्रियान्वित भी किया है जिसमें मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शामिल है जिसके तहत प्रत्येक महिला के खाते में 10-10 हजार रूपये हस्तांतरित भी कर दिये गये हैं ताकि वे अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें। यह योजना एनडीए के लिए गेमचेंजर बताई जा रही है। दूसरी ओर महागठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस सहित अन्य क्षेत्रीय पार्टियों ने नीतीश कुमार की सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में बढ़ते अपराधों तथा बेरोजगारी और पलायन को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी कर ली है। वैसे महागठबंधन एन्टी इनकंबेंसी के भरोसे ही है। उन्हें उम्मीद है कि इस बार बिहार की जनता सत्ता परिवर्तन जरूर करेगी। जहां तक विपक्ष के मुद्दे का प्रश्न है तो बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान होने से पहले ही कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने वोट चोरी को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास किया था। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने 16 दिनों तक वोटर अधिकार यात्रा निकाली थी और वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा उछाला था किन्तु उनका यह मुद्दा प्रभावी नहीं रहा है। नतीजतन राष्ट्रीय जनता दल ने वोट चोरी के मुद्दे से किनारा कर लिया और तेजस्वी यादव ने अलग से यात्रा निकाली जिसमें उन्होंने एसआईआर के मुद्दे पर कोई बात नहीं कि बल्कि बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे को प्राथमिकता दी। यही नहीं बल्कि तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की सरकार बनने के बाद बिहार के हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का भी वादा कर दिया। यह बात अलग है कि उनके इस वादे का बिहार के लोग मजाक उड़ा रहे हैं। बिहार के हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का मतलब है कि कम से कम 2 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी जो असंभव काम है। बहरहाल तेजस्वी यादव बेरोजगारी को ही प्रमुख मुद्दा बना रहे हैं वहीं चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशान्त किशोर की नवगठित पार्टी जनसुराज पार्टी ने भी बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और बिहार के लोगों के अन्यत्र पलायन को ही अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना रखा है। इसमें कोई दो राय नहीं की बिहार में बेरोजगारी, पलायन और बढ़ता अपराध एक बड़ा मुद्दा पहले भी रहा है और इस बार भी है। किन्तु एनडीए ने विपक्ष के इन मुद्दों का भी तोड़ निकालना शुरू कर दिया है। बिहार में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए एनडीए के नेता राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकाल के दौरान बिहार में स्थापित जंगलराज की याद दिलाने लगे हैं और यह भी कहने लगे हैं कि यदि फिर से राजद के नेतृत्व में सरकार बनी तो यहां गुंडे माफियाओं का बोलबाला हो जाएगा और बिहार में जगलराज लौट आएगा। वहीं बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर एनडीए के नेता पहले तो तेजस्वी यादव के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के वादे का मखौल उड़ाते हैं और फिर बेरोजगारी हटाने के लिए बिहार में कौशल विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने का दावा करते हैं जिससे लोग अपना खुद का रोजगार खड़ा करें और अपने साथ कुछ और लोगों को भी रोजगार मुहैया कराएं। कुल मिलाकर बिहार विधानसभा चुनाव समर में उतरे राजनीतिक दल अपने अपने मुद्दों के साथ जनता के सामने जाने की तैयारी कर चुके हैं अब देखना होगा कि इनमें से किसका और कौन सा असरकारक सिद्ध होता है।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ अपने मित्र स्वयं तुम हो।

दुनिया असफलता और सफलता इसी रुप में देखती है कि किसके साथ कौन है? किसके साथ कितने लोग खड़े हैं?

नॉनसेंस लोग सेंस को शब्दों में ही समझते हैं और उनके शब्द भी सब उधार के हैं।

❖ मुस्कुराहट भीतर होनी चाहिए और भीतर हो तो बाहर लाने में और दिखाने में कोई दिक्कत नहीं होगी लेकिन भीतर नहीं है तो बाहर कब तक लिप बाम और वैसलिन की तरह लगाते रहोगे, एक दिन तो खत्म हो ही जाएगी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। 1564 इंग्लैंड के नौसैनिक कमांडर जॉन हॉकिन्स ने दूसरी बार अमेरिका यात्रा शुरू की। 1648 उत्तर अमेरिकी उपनिवेशों में 'बोस्टन शूमेकर्स' पहला श्रम संगठन बना। 1748 ऐक्स-ला-चैपल की संधि ने ऑस्ट्रियाई उत्तराधिकार के युद्ध समाप्त होने पर हस्ताक्षर किए। 1748 ऑस्ट्रियाई उत्तराधिकार का युद्ध॰द्व×-द्यड्ड-ष्द्धड्डश्चद्दद्यद्द के संधि संधि के साथ समाप्त हुआ। 1752 रूसो के ओपेरा हाउस में ÷ले देविन डु ग्राम÷ का प्रकाशन किया गया। 1767 मेसन डिक्सन लाइन, मैरीलैंड और पेंसिल्वेनिया के बीच सीमा पर सहमति हुई। 1775 अफ्रीकी अमेरिकी कवि फिलिस व्हीटले गुलामी से मुक्त किये गए। 1851 लंदन में एक महान प्रदर्शनी को बंद किया गया। 1878 थॉमस एल्वा एडीसन ने घरेलू उपयोग के लिए बिजली उपलब्ध करायी। 1954 टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स कंपनी ने पहले ट्रांजिस्टर रेडियो का निर्माण किया। 1961 ट्यूरिन में यूरोपीय सामाजिक चार्टर पर हस्ताक्षर किए गया। 1963 लॉर्ड होम को कंजरवेटिव पार्टी में नेतृत्व के लिए चली उठापटक के बाद ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री के रूप में चुन लिया गया था।

गोवर्धन पर्व विशेष

गाय की हाय लेने से गौपालक बाज आएं

विजय मिश्रा

पांच दिवसीय महापर्व दीपावाली की छुट्टियों में गांव गया हुआ था। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पर्व पर गायों की पूजा करने के उपरांत खिचड़ी संग पारम्परिक सब्जी कद्दू और सुरन का स्वाद उंगलियों को चाट चाट कर लिया। खा पीकर टहलने निकल गया। तभी मेरी नजर थोड़ी दूरी पर चमकती हुई कोई चीज़ पर पड़ी।क्या हो सकता की जिज्ञासा में दबे पांव आगे बढ़ा तो देखा कि अनेक गायें वहां एकत्रित हैं,और उन सबकी आंखें अश्रुपुरित थीं। उनके करीब जा पहुंचा और एक गऊ माता से पूछा -गऊ माता, आज तो गोवर्धन त्योहार है। लोगों ने तुम्हें सजा धजा करके पूजा पाठ किया है। हलूवा पूरी, खिचड़ी का भोग लगाया है। ऐसे गोवंश हितैषी पर्व पर तुम्हें कौन सा दुःख चुभ रहा है? मेरी बात को सुनकर एक मोटा काला भयानक सिंगधारी बैल मुझे मारने की मंशा लिए आगे बढ़ा। फिर बोला-काहे का गोवर्धन पर्व ,काहे की पूजा? बस एक ही दिन का दिखावा है। मनुष्य के तो दो दांत होते हैं। खाने के अलग और दिखाने के अलग। सही में हमारा मान सम्मान करना होता तो कम से कम आज तो घर में रखते। अपने स्वार्थ को पूरा करने मनुष्य हमारी पूजा करता है। स्वार्थ सधने के बाद दूध में गिरे मक्खी की तरह बाहर खदेड़ देता है। उसकी बातें सुनकर एक लाल गाय अपनी पूंछ खड़े करके बोली-जितना खिलाते नहीं उससे ज्यादा तो पके आम की तरह हमें चूस लेते हो। आज सुबह की ही बात है। मेरा नवजात बछड़ा मेरा दूध पी रहा था। तब कसाई की तरह रुप धारण करके मेरा मालिक बछड़े के कोमल कान को खींचते मुझसे दूर ले गया। हां हां दीदी, सही कह रही हो। कहते हुए एक चितकबरी गाय बोली- तुम्हारी तरह मेरा भी मालिक महाकसाई है। बड़ी बाल्टी भर भर रोज सुबह शाम दूध देती हूं, फिर भी ओ लालची और ज्यादा दूध की चाहत में न जाने कौन सी दवाई सूई में डालकर मेरे शरीर में घुसा देता है। मैं पीड़ा से बिलबिला जाती हूं। उसकी पीड़ा सुनकर एक पढ़ा-लिखा सा बछड़ा बोला- बड़ी माई उसे "डाइक्लोफेनिक इंजेक्शन" कहते हैं। वो दवा गायों के साथ ही मनुष्यों के लिए ख़तरनाक है। और तो और जिस गाय भैंस को रोज ए दवा इंजेक्शन लगता है उसका शरीर भी जहर से भर जाता है। ऐसे गाय भैंस की मृत्यु उपरांत उसके शरीर को खाने वाले जीव जन्तु गिद्ध,कौवा,कुत्ते,सियार भी काल के गाल में समा जाते हैं। उनकी गंभीर बातें सुनकर मैं भी चिंता में डुब गया। मैं उन्हें ढांढस देते हुए बोला -गऊ माता धीर में खीर है,अतः धीरज रखें। उनके साथ बातचीत समाप्त करके मैं घर लौटते लौटते सोचने लगा कि वेद पुराण में गायों को चलते फिरते देवालयों का नाम दिया गया है। ऐसी देवभूमि गाय की दुर्दशा और मत होने देना ईश्वर। स्वान पालने में लीन मनुष्य को सद्बुद्धि देना।

धन्वंतरि की महिमा और आयुर्वेद का अमृत पर्व धनतेरस

योगेश गोयल

प्रतिवर्ष दीवाली से दो दिन पूर्व 'धनतेरस' पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 18 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। धनतेरस के प्रचलन का इतिहास बहुत पुराना माना जाता है। यह त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है तथा इस दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि एवं धन व समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता और देवताओं का चिकित्सक माना गया है, इसलिए धनतेरस को चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय इसी दिन धन्वंतरि आयुर्वेद और अमृत लेकर प्रकट हुए थे।

धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। धन्वंतरि ऋषि ने समुद्र से निकलकर देवताओं को अमृतपान कराया और उन्हें अमर कर दिया। यही वजह है कि धन्वंतरि को 'आरोग्य का देवता' माना जाता है और आरोग्य तथा दीर्घायु प्राप्त करने के लिए ही लोग इस दिन उनकी पूजा करते हैं।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज के पूजन का भी विधान है और उनके लिए भी एक दीपक जलाया जाता है, जो 'यम दीपक' कहलाता है। धार्मिक ग्रथों में यमराज के पूजन के संबंध में एक कथा प्रचलित है। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया कि क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी किसी प्राणी पर दया भी आई? यह प्रश्न सुनकर सभी यमदूतों ने कहा, ''महाराज, हम सब तो आपके सेवक हैं और आपकी आज्ञा का पालन करना ही हमारा धर्म है। अतः दया और मोह-माया से हमारा कुछ लेना-देना नहीं है।'' यमराज ने उनसे जब निर्भय होकर सच-सच बताने को कहा, तब यमदूतों ने बताया कि उनके साथ एक बार वास्तव में ऐसी एक घटना घट चुकी है। यमराज ने विस्तार से उस घटना के बारे में बताने को कहा तो यमदूतों ने बताया कि एक दिन हंस नाम का एक राजा शिकार के लिए निकला और घने जंगलों में अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने राजा हंस का राजकीय सत्कार किया और उसी दिन हेमा की पत्नी ने एक अति सुन्दर पुत्र को जन्म दिया लेकिन ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि विवाह के मात्र चार दिन बाद ही इस बालक की मृत्यु हो जाएगी। यह दुःखद रहस्य जानकर हेमा ने अपने नवजात पुत्र को यमुना के तट पर एक गुफा में भिजवा दिया और वहीं पर उसके लालन-पालन की शाही व्यवस्था कर दी गई और बालक पर किसी युवती की छाया भी नहीं पड़ने दी लेकिन विधि का विधान तो अडिग था। एक दिन राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर निकल आई और राजकुमार की उस पर नजर पड़ गई। उसे देखते ही राजकुमार उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी की भी यही दशा थी। अतः दोनों ने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया लेकिन विधि के विधान के अनुसार 4 दिन बाद राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने ऐसी सुन्दर जोड़ी अपने जीवन में इससे पहले कभी नहीं देखी थी। वे दोनों कामदेव और रति के समान सुन्दर थे। इसीलिए राजकुमार के प्राण हरने के बाद नवविवाहिता राजकुमारी का करूण विलाप सुनकर उनका कलेजा कांप उठा। घटना का पूर्ण वृतांत सुनने के बाद यमराज ने यमदूतों से कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि ऋषि का पूजन करने तथा यमराज के लिए दीप दान करने से इस प्रकार की अकाल मृत्यु से बचा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद से ही इस दिन धन्वंतरि ऋषि और यमराज का पूजन किए जाने की प्रथा आरंभ हुई। धनतेरस के दिन घर के टूटे-फूटे बर्तनों के बदले तांबे, पीतल अथवा चांदी के नए बर्तन तथा आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। कुछ लोग नई झाड़ू खरीदकर उसका पूजन करना भी इस दिन शुभ मानते हैं।

दैत्य नरकासुर के संहार के उपलक्ष्य में नरक-चतुर्दशी

मुकेष ऋषि

शश नरक चतुर्दषी 19 अक्टूबर रविवार को है। इसे रूप चतुर्दषी के साथ-साथ नरक चतुर्दषी भी कहा जाता है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दषी की रात्रि के अंत में जिस दिन चंद्रोदय के समय चतुर्दषी हो, उस दिन सुबह दातुन आदि करके निम्नलिखित ष्लोक का जाप करें- 'यमलोकदर्षनाभवकामो अहमभ्यंकस्नानं करिष्ये'-कह कर संकल्प करें। षरीर में तिल के तेल आदि का उबटन लगा लें। हल से उखाड़ी मिट्टी का ढेला, अपामार्ग आदि को मस्तक के ऊपर बार-बार घुमाकर षुद्ध स्नान करें। वैसे तो कार्तिक स्नान करने वालों के लिए-'तैलाभ्यंग तथा षययां परत्रे कांस्यंभोजनम्। कार्तिक वर्जयेद् यस्तु परिपूर्णव्रती भवेत' के अनुसार वर्जित है, निषेध है, लेकिन-'नरकस्य चतुर्दष्यां तैलाभ्यगं च कारयेत। अन्यत्र कार्तिक स्नायी तैलाभ्यगं विवर्जयंत।।' के अनुसार नरक चतुर्दषी में तेल लगाना अति आवष्यक है। सूर्योदय से पूर्व नहाना अयुर्वेद की दृष्टि से अति उतम है। जो ऐसा हर दिन नहीं कर पाते, उन्हें कम से कम आज के दिन तो सूर्योदय के पूर्ण अवष्य डालना चाहिए। नहाने के जल में हल्दी और कुमकुम अवष्य डालना चाहिए। संभव हो तो नए वस्त्र पहनने चाहिए। फिर यम तर्पण करना चाहिए। षाम को यमराज के लिए दीपक अवष्य जलाना चाहिए। इस दिन कृष्ण भगवान के राक्षस नरकासुर का वध किया था। साथ ही, राजा बलि को भगवान विष्णु ने वामनअवतार में हर साल उनके यहां पहुंचने का आषीर्वाद दिया था। कार्तिक कृष्ण चतुर्दषी का दिन नरक चतुर्दषी का पर्व माना जाता है। इस दिन नरक से मुक्ति पाने के लिए प्रातः काल तेल लगाकर अपामार्ग (चिड़चड़ी) पौधा के सहित जल से स्नान करना चाहिए। इस दिन षाम को यमराज के लिए दीपदान करना चाहिए। कहा जाता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण जी ने नरकासुर नामक दैत्य का संहार किया था। कथाः प्राचीन समय में 'रन्तिदेव' नामक राजा थे। वे पहले जन्म में धर्मात्मा, दानी थे। उसी पूर्वकृत कर्मों से, इस जन्म में भी राजा ने अपार दानादि देकर सत्य कार्य किए। जब उनका अन्त समय आया तब यमराज के दूत उन्हें लेने आये। बार-बार राजा को लाल-लाल ऑखें निकाल कर वे कह रहे थे-राजन्! नरक में चलो, तुम्हें वहीं चलना पड़ेगा। इस पर राजा घबराया और नरक में चलने का कारण पूछा। यम के दूतों ने कहा-राजन्! आपने जो कुछ दान-पुण्य किया है, उसे तो अखिल विष्व जानता है किन्तु पाप को केवल भगवान और धर्मराज ही जानते हैं। राजा बोले-उस पाप को मुझे भी बताओ जिससे उसका निवारण कर सकॅूं। यमदूत बोले-एक बार तुम्हारे द्वार से भूख से व्याकुल एक ब्राह्मण लौट गया था, इससे तुझे नरक में जाना पड़ेगा। यह सुन राजा ने यमदूतों से विनती की कि मेरी मृत्यु के बाद सद्यः ही मेरी आयु एक वर्ष बढ़ा दी जाय। इस विषय को दूतों ने बिना सोच-विचार किये ही स्वीकार कर लिया और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा दी गई। यमदूत चले गये। राजा ने ऋषियों के पास जाकर इस पाप से मुक्ति का उपाय पूछा। ऋषियों ने बतलाया-हे राजन्! आप कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दषी को व्रत रहकर भगवान कृष्ण का पूजन करें, ब्राह्मण-भोजन करावें तथा दान देकर सब अपराध सुनाकर क्षमा मॉगें, तब आप पापमुक्त हो जाएंगे। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दषी आने पर राजा ने नियमपूर्वक व्रत किया और अन्त में विष्णुलोक को प्राप्त किया।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मंहगाई से सभ

मँहगाई से सभ जूझत बा। कतना खइला बिना मुअत बा।। दुनिया में ओकर बा बम-बम। जे - जे डूब के घीव पियत बा।। चेहरा पर चेहरा बा सटले। ऊ शान से जग में जीअत बा।। फूल गुलाब देला पर अबहीं। कहवाँ केहू आज रिझत बा।। मर गइले कतना इहाँ किसान। कहवाँ ई सरकार सुनत बा।। बा सपना बुनत गरीब सभे। आशा पर अबहीं जीअत बा।। भूख से पेट बाटे अँइठाइल। घावन के आपन सीअत बा।। आज गरीबन खातिर 'ऐनुल'। कहाँ मदद के हाथ बढ़त बा।। - **'ऐनुल' बरौलवी**

मेरे अश्क़ों का

मेरे अश्क़ों का बस इतना सबब है किसी बुत से मुहब्बत हो गई थी मरासिम तोड़ ही पाई नहीं मैं मुझे उसकी यूँ आदत हो गई थी मेरी आहों से भी पिघला नहीं वो किसी बुत सी तबीयत हो गई थी बहुत सोचा कि तुमसे दूर जाऊँ ख़यालो में ही रुख़सत हो गई थी महज़ इक खेल था पर कब न जाने हक़ीक़त में मुहब्बत हो गई थी मेरे अश्क़ों का बस इतना सबब है किसी बुत से

- ममता लड़ीवाल

कभी ना कभी हर कोई साथ छोड़ जाता

कभी ना कभी हर कोई साथ छोड़ जाता है एक वक्त होता है जब अपना साया भी साथ छोड़ जाता है पर ये तन्हाई इन सबके जाते ही आ गले लगा लेती है और अपना फ़र्ज बखूबी निभाती है मैं और मेरी तन्हाई हरदम रहेंगे साथ साथ जब तक है सांसों में सांस.. - **डेज़ी जयसवाल**

ज़माने की नजर से आ,छुपाकर

ज़माने की नजर से आ,छुपाकर मैं तुझे रख लूँ। मन मंदिर में अपने,बसाकर मैं तुझे रख लूँ।। तेरे ही गीत गाऊं मैं सदा,तू ही संसार है मेरा , तुझे देखूं चाहूं,पलकों में बसाके मैं तुझे रख लूँ ।। - **सविता वर्मा 'ग़ज़ल'**

ना बड़े दफ़्तर से ना बड़ी गाड़ी से

ना बड़े दफ़्तर से ना बड़ी गाड़ी से। वो लौटता है रोज़ जदोजहद बड़ी भारी से।। राह ताकती है बीवी बच्चे बूढ़ी माँ। वो उलझा है घर किताबें बीमारी से।। कमल थकता है मगर कभी लगता नहीं है। वो पटकता है रोज़, रोजमर्रा को होशियारी से।। आपका दिन शुभ और मंगलमय हो। - **कमलकांत डोंगरे**

झतुम बोलो तो दौड़ के आऊँ

झतुम बोलो तो दौड़ के आऊँ घरवालों को छोड़ के आऊँ फिक्र करूँ न अब मैं ज्यादा रिश्ते-नाते तोड़ के आऊँ एक बार बस हाँ करदो तो सबसे मुख मैं मोड़ के आऊँ तुम्हें समर्पित कर दूँ जीवन इच्छाओं को छोड़ के आऊँ नवजीवन मुझको देदो बस पुरानी गगरी फोड़ के आऊँ । - **जे डी कुदाल**

तेजप्रताप यादव बिहार मे एक ऐसा

तेजप्रताप यादव बिहार मे एक ऐसा नेता जिसपर किसी प्रकार का आरोप नही जैसे चोरी ,बलात्कार, छिनरई, धोखा ,लूट ,अपहरण ना तो बेल पर है मतलब जांचअधिकारी और कोर्ट कचहरी से दूर। लालू प्रसाद यादव जी ने प्रापर्टी और राजनिति मे उत्तराधिकारी न बनाकर तेजप्रताप पर उपकार ही किया है । - **एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

वृषः आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आपका बिजनेस वैसे तो बढ़िया चलेगा, लेकिन फिर भी आप थोड़ी सावधानी बरतें।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको किसी कानूनी मामले में सफलता हासिल होगी, जिसके लिए आपको काफी मेहनत मशक्कत करनी होगी।

कर्कः आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन के मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

सिंहः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपका कोई परिजन आपसे मेल मिला करने आ सकता है।

कन्याः आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे।

तुलाः आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। मित्रों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से कामों को निपटाने के लिए रहेगा।

धनुः आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रहेगा।

मकरः आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपको कामों से एक नई पहचान मिलेगी।

कुंभः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने कामों को प्लानिंग करके चलेंगे, जिससे आप अपने कामों में आसानी से आगे बढ़ेंगे।

मीनः आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक-ठाक नहीं रहेगा, इसलिए आपको अपने पेट का खास ख्याल रखें।

सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त : 18:01, चन्द्रोदय : 27:36, चन्द्रास्त : 15:45, अयन : दक्षिणायन, ऋतु : शरद, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), युगाब्द (कलि संवत) :5127, मास : कार्तिक, पक्ष : कृष्ण, तिथि : द्वादशी, नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, योग : ब्रह्मा, प्रथम करण : बालव (11:12 तक), द्वितीय करण : कौलव (23:42 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः॥

सूर्य : तुला, चंद्र : सिंह, मंगल : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), गुरु : मिथुन (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पूर्व, मार्गी), शनि : मीन (उदित, पश्चिम, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) दुनिया की सबसे लंबी एक्सप्रेसवे सुरंग, तियानशेन शेंगिल सुरंग, किस देश में स्थित है?

2) इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस किस प्रकार की बीमारी है?

3) हर साल विश्व आयोडीन अल्पता दिवस किस दिन मनाया जाता है?

4) साहित्य में नोबेल पुरस्कार 2024 किसे दिया गया है?

5) 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार 2025 के विजेता कौन थे?

उत्तरमाला- (1) चीन (2) फेफड़ों की बीमारी (3) 21 अक्टूबर (4) हान कांग (5) गुलज़ार और जगद्गुरु रामभद्राचार्य

शब्द सागर

न्यूज गैलरी

घर-घर में लगाएं आकाशदीप, महाराष्ट्र मंडल का अभियान जारी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी महाराष्ट्र मंडल दिवाली पर दीयों की लड़ी के साथ आकाशदीप लगाने के लिए आमजनों को प्रेरित कर रहा है। मंडल के सभासद बड़ी संख्या में अपने घरों पर आकाशदीप लगाते हैं।

मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने बताया कि घरों में आकाशदीप लगाने की परंपरा हम कई पीढियों से देखते आ रहे हैं। हिंदू मान्यता के अनुसार कार्तिक मास में आकाशदीप या फिर कहें आकाश कंदील को दीपावली में की जाने वाली सजावट का अहम हिस्सा माना जाता है। उसे कोई पितरों की याद में जलाता है, तो कोई अपने घर की शोभा को बढ़ाने के लिए अपने घर पर लगता है। वहीं कुछ लोग धन की देवी मां लक्ष्मी और शुभ-लाभ के देवता भगवान श्री गणेश को अपने घर में आमंत्रित करने के लिए विशेष रूप से जलाते हैं। सांस्कृतिक समिति के समन्वयक प्रेम उपवंशी ने बताया कि हिंदू मान्यता के अनुसार आकाशदीप का इतिहास रामायण काल से जुड़ा हुआ है। जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद वापस अपने नगर लौटे, तो वहां के लोगों ने उनके स्वागत के लिए दीये जलाए थे। प्रभु श्रीराम के वापस आने में मनाए गये दीपोत्सव को दूर तक दिखाने के लिए लोगों ने बांस में खूंटा बनाकर उसमें दीये के जरिए रोशनी की थी। तब से आज तक यह परंपरा चली आ रही है।

तहसील का वाई-फाई खराब, ऑनलाइन वाले काम नहीं हो रहे, भुइयां एप भी बंद

रायपुर/नवप्रदेश। तहसील में लगा वाई-फाई सिस्टम पिछले दो दिनों से काम नहीं कर रहा है। गुरुवार को भी इसे सुधारने की कोशिश की गई, लेकिन खराबी पूरी तरह से दूर नहीं हो पाई। कंपनी वालों ने शुक्रवार की सुबह तक सिस्टम सामान्य होने की बात कही है। वाई-फाई खराब होने की वजह से तहसील के ऑनलाइन काम नहीं हो पा रहे थे। इस वजह से तीन कोर्ट रूम का काम भी प्रभावित हुआ। खराब सिस्टम को नहीं सुधारने की वजह से एसडीएम और तहसीलदार कंपनी वालों से खासे नाराज भी हुए। इंटरनेट के ठीक तरीके से काम नहीं करने की वजह से भुइयां एप भी नहीं चल रहा था। इस वजह से लोगों को जमीन संबंधित जानकारी भी नहीं मिल पा रही थी। सिस्टम के काम नहीं करने की वजह से लोग नाराज भी हुए। उनका कहना था कि अभी दिवाली की वजह से दफ्तर बंद होने वाले हैं। ऐसे में जो वर्किंग डे है उसमें भी काम नहीं किया जा रहा है। तहसील में कुछ अफसरों ने अपने मोबाइल के इंटरनेट से सिस्टम को चलाया। लेकिन इससे ज्यादा राहत नहीं मिली। अफसरों और लोगों की नाराजगी के बाद अब इसे सुधारने का दावा किया जा रहा है।

गैंग्स आफ रायपुर का गीत 'करते हैं जो नशा' रिलीज

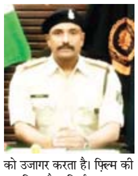

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बढ़ते नशे के कारोबार और हो रहे अपराध को लेकर दर्शाती फिल्म गैंग्स आफ रायपुर का गाना 'करते हैं जो नशा' रिलीज किया गया। फिल्म के गीत आसिफ खान ने लिखे हैं। वहीं परवेज खान के शानदार म्यूजिक और राकेश शर्मा की आवाज ने इस गीत को नई ऊंचाई दी है। लोकप्रिय होते गानों के चलते फिल्म को लेकर अभी से माहौल बनने लगा है। खास बात यह है कि इसमें महाराष्ट्र मंडल के युवा सभासद अभिषेक बक्षी ने पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। फिल्म नवंबर के आखिरी सप्ताह में प्रदर्शित की जाएगी।

फिल्म के संबंध में अभिषेक बताते हैं कि 'करते हैं जो नशा' गाना सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि समाज के आईने में झांकने का सशक्त प्रयास है। हिंदी और छत्तीसगढ़ी फ़िल्म 'गैंग्स आफ रायपुर' का यह सामाजिक गीत नशे की लत और उसके विनाशकारी प्रभावों को उजागर करता है। फ़िल्म की प्रस्तुति और निर्माण ट्राइबल वारियर प्रोडक्शन द्वारा किया गया है।

मंडल में मराठी नाटकों के अदाकार अभिषेक ने कहा कि फिल्म के निर्देशक शिव कुमार ने इस गीत के संवेदनशील फिल्मांकन के साथ एक गहरा सामाजिक संदेश देने की कोशिश की है। नशा सिर्फ शरीर को नहीं, पूरी जिंदगी को तबाह कर देता है संदेश के साथ यह गीत युवाओं और समाज के हर वर्ग को जागरूक करने का आह्वान भी है। गाने की तरह ही फिल्म भी शहर और समाज की कड़वी सच्चाइयों को उजागर करता है।

स्टेशन नहीं, 28 सेवा केंद्रों से भी मिलेंगे ट्रेन टिकट

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी वासियों को आरक्षण टिकट लेने स्टेशन नहीं जाना पड़ेगा। क्योंकि रेलवे में 28 जगहों पर यात्री टिकट सेवा केंद्र (वाईटीएसके) शुरू कर रहा है। इसका टेंडर

निकल गया है। वही रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत यह 16वां यात्री टिकट सेवा केंद्र है।वहीं रायपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर 10 यात्री टिकट सेवा केंद्र उपलब्ध हैं। गुरुवार को रायपुर में अग्रसेन चौक, समता कालोनी में यात्री टिकट सेवा केंद्र शुरू किया गया। यहां यात्रियों को आरक्षित और अनारक्षित दोनों प्रकार के टिकट मिल सकेंगे। इसका शुभारंभ रायपुर मंडल के वाणिज्य प्रबंधक राकेश सिंह की उपस्थिति में हुआ। यात्रियों को टिकट के लिए स्टेशन तक जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। अभी इन जगहों पर हैं केंद्र समता कॉलोनी, रावाभांठा, गोलबाजार, पुलिस लाइन, कचहरी चौक, पंडरी, फाफाडीह, कटोरा तालाब, अमलीडीह जैसे इलाके शामिल हैं। इन सुविधा केंद्रों से टिकट लेने वालों को एसी का 40 अतिरिक्त देने पड़ सकते हैं। स्लीपर क्लास के लिए प्रति यात्री 30 रुपए लिए जाएंगे।

पीएम-शाह रहेंगे मौजूद, डीजीपी-आईजीपी के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की तैयारियां शुरू

■ **28 से 30 नवंबर तक होगा आयोजन**

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 28 से 30 नवंबर तक तीन दिवसीय डी.जी.पी. और आई.जी.पी. का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) और पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.पी.) शामिल होंगे। सम्मेलन का आयोजन आई.आई.एम., नवा रायपुर में किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महादनी भवन) में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को सम्मेलन की सभी तैयारियों को समय पर पूर्ण करने और उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आयोजन की सुचारु व्यवस्था के लिए विभिन्न नोडल अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव ने सम्मेलन स्थल पर आने वाले डेलीगेट्स के आवागमन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा एवं आवास व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने रायपुर के सर्किट हाउस, प्रशासन अकादमी और अन्य स्थानों पर अतिथियों के लिए उच्च स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, प्रमुख पुलिस अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, एन.आर.डी.ए., संस्कृति विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर में नक्सलवाद सिमट रहा तो यह कांग्रेस की नीति का परिणाम : बैज

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज सरकार ने फिर समर्पण इवेंट किया है। आज बस्तर में नक्सलवाद पीछे जा रहा है तो इसके पीछे कांग्रेस की नीतियां है। बस्तर में हमने विश्वास, विकास, सुरक्षा के मंत्र को लेकर पांच सालों तक जो काम किया उसी का परिणाम है आज सफलता मिल रही है ।

हमारी सरकार ने दूरस्थ एरिया में सड़के बनवाई, 15 सालों की भाजपा सरकार में जहां राशन नहीं पहुंच पाता था, लोगों को और फोर्स को महीनों राशन का इंतजार करना पड़ता था वहां तक सड़के बनवाई।रिमोट एरिया में सुरक्षाबलों के कैंप बनाए।सुरक्षा बलों और स्थानीय निवासियों के बीच बेहतर समझ का माहौल तैयार किया, लोगों का भरोसा सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ा।

बस्तर में बंद सैकड़ों स्कूलों को फिर से चालू किया। 65 से अधिक वनोपजो को खरीदने की व्यवस्था की, उनका वैल्यू एडिशन किया, बस्तर में डेनक्स जैसे संस्थानों की स्थापना की, अबूझमाड़ में पुल बनाया। रोजगार के साधन बनाए। हमारे प्रयासों का नतीजा था कि 2021 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अधिकृत तौर पर कहा कि बस्तर से नक्सलवाद 65 प्रतिशत कम हो गया है।

कांग्रेस की सरकार के प्रयासों से बस्तर में नक्सलवाद 40 किमी के दायरे में सिमट गया था।

यह सरकार तो केवल इवेंट कर रही, मुख्यमंत्री यह बताए कि 2024 के बाद उन्होंने कितने कैंप बनाए। बस्तर के लिया ऐसा क्या किया जिसे वे उपलब्धि बता सकते है। आज के पहले जितने नक्सली सरेंडर किए उनका डिटेल तो यह दे नहीं पाए। सरकार के दावे के अनुसार अभी तक दो हजार से ज्यादा नक्सली सरेंडर कर चुके है, सरकार बताए उनके द्वारा हथियार कितना जमा कराया गया?

शांति की स्थापना सभी चाहते है, यह सरकार तो केवल प्रोपोगंडा कर रही। यदि आपके प्रयासों से नक्सली सरेंडर कर रहे फिर ये रोज-रोज हत्याएं कौन कर रहा?

भाजपा कार्यकर्ता की चार दिन पहले हत्या हुई, सुकमा में ग्रामीण की हत्या मुखबिर बता के कर दी गई, विद्या दूत रोज मारे जा रहे। सरकार सिर्फ आत्ममुग्ध है।शराब बंदी की बात करने वाले शराब की काली कमाई बढ़ाने में लगे है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि शराब की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार के आबकारी सचिव के द्वारा बार संचालको, बॉटलिंग प्लांट संचालको, शराब निर्माताओं से बैठक लेकर सुझाव मांगा गया है। भाजपा विपक्ष में थी तब शराब बंदी के लिए बड़ी-बड़ी बात करती थी। अब शराब की बिक्री बढ़ाने में लगी है।

सरकार में आने के बाद शराब की खपत बढ़ाने नीति बना रही 67 नई दुकानें खोल दिए, 700 दुकानें जो पहले से चल रही थी उनको कंपोजिट कर दिया देशी में अंग्रेजी, अंग्रेजी में देशी बेचना शुरू कर दिया, मतलब 1400 काउंटर हो गया। भाजपा की सरकार बनने के बाद अवैध शराब की बिक्री बढ़ गई, दूसरे प्रांतों से शराब तस्करी कर के आ रही, बिना होलोग्राम, नकली होलोग्राम के शराब सरकारी दुकानों से बेची जा रही। पूरी सरकार शराब की काली कमाई में डूबी हुई है।

महापौर मीनल चौबे ने दी दीपावली सहित अन्य पर्वों की शुभकामनाएं

स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम रैंकिंग के लिए अपील

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्यों और वार्ड पार्षदों ने शहरवासियों को धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, अन्नकूट और भाईदूज के पावन पर्वों की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने मां महालक्ष्मी से रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की प्रार्थना की है।

महापौर और अन्य पदाधिकारियों ने वैदिक मान्यताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि धनतेरस भगवान धन्वंतरि को समर्पित है, जो स्वास्थ्य के प्रतीक हैं। इस दिन उनकी पूजा से उत्तम स्वास्थ्य की कामना की जाती है। रूप चौदस भगवान श्रीकृष्ण के नरकासुर वध और समय प्रबंधन के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। दीपावली मां महालक्ष्मी के पूजन का पर्व है, जब उनकी कृपा से भक्तों को समृद्धि प्राप्त होती है। गोवर्धन पूजा पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति संकल्प का प्रतीक है, जबकि भाईदूज भाई-बहन के पवित्र स्नेह का पर्व है। ये सभी त्योहार सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण में सहभागिता की अपील

महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़ और संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत रायपुरवासियों से राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर को देश में प्रथम रैंकिंग दिलाने के लिए अधिक से अधिक स्वच्छता फीडबैक देने की अपील की है। उन्होंने सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता के साथ इस अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया।

महापौर चौबे ने जापान में इंटरनेशनल मेयर्स फोरम में लिया हिस्सा

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने जापान में आयोजित इंटरनेशनल मेयर्स फोरम के समापन सत्र में सक्रिय भागीदारी की। वैश्विक मंच पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर का प्रतिनिधित्व करने के बाद वे 18 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1:30 बजे स्वामी विवेकानंद विमानतल, माना लौटेंगी, जहां उनका आत्मीय स्वागत होगा।

तीन दिवसीय फोरम में महापौर ने पीपीपी मॉडल, आरआरआर (रिड्यूस, रिसाइकल, रियूज), कचरा पृथककरण, जन जागरूकता, शहरी वित्तीय प्रबंधन और सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ जापान के सांसद ओनिशी योहेई से मुलाकात कर शहरी विकास के अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

समापन के अवसर पर श्रीमती चौबे ने जापान में बसे हिंदू स्वयंसेवकों से भेंट कर रायपुर के विकास, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग पर सकारात्मक संवाद किया। उन्होंने कहा कि जापान से प्राप्त अनुभवों को रायपुर में स्वच्छता, शहरी विकास और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में लागू किया जाएगा।

कालीबाड़ी गांधी नगर में सट्टा संचालित करते आधा दर्जन सटोरिए गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई करते हुए कोतवाली क्षेत्र के कालीबाड़ी, गांधी नगर में सट्टा संचालित करने वाले पांच सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 6,000 रुपये नकद, सट्टा-पट्टी और डाट पेन जप्त किया है।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर रायपुर पुलिस जुआ और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय है। सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) को सट्टेबाजों की पहचान और कार्रवाई के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत मुखबीरों के जरिए सूचना संकलन और पेट्रोलिंग तेज की गई है।

इसी क्रम में 15 अक्टूबर 2025 को थाना कोतवाली पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कालीबाड़ी चौक, गांधी नगर के शिव बजरंग मंदिर के पास छापेमारी की। यहां संतोष शर्मा, किशनदास बजाज, सुरीत भोई, उमेश साहू और शिव जाल अंकों में दांव लगाकर सट्टा संचालित करते पकड़े गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लिया और उनके पास से सट्टे से संबंधित सामग्री व नकदी बरामद की। आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 221/25 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष शर्मा (48 वर्ष, लक्ष्मी नगर), किशनदास बजाज (55 वर्ष, राधा स्वामी नगर), सुरीत भोई (52 वर्ष, कृष्णा नगर), उमेश साहू (39 वर्ष, सुदामा नगर) और शिव जाल (30 वर्ष, गांधी नगर) शामिल हैं।

सीएसईईटी: आवेदन शुरू, आखिरी तारीख 15 दिसंबर

रायपुर/नवप्रदेश। इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया ने सीएस एग्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट की आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन 15 दिसंबर तक किए जा सकते हैं। परीक्षा का आयोजन 10 जनवरी को होगा। उम्मीदवारों को दो हजार रुपए आवेदन शुल्क देना होगा। आईसीएसआई द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार, कक्षा 12वीं की परीक्षा पास कर चुके या वर्तमान में परीक्षा दे रहे उम्मीदवार, साथ ही स्नातक छात्र भी सीएसईईटी के लिए आवेदन कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन के बाद उम्मीदवारों की तैयारी में सहायता के लिए वर्चुअल कक्षाओं और आधिकारिक सीएसईईटी स्टडी मेटेरियल फ्री दिया जाए?गा। आईसीएसआई साल में चार बार - जनवरी, मई, जुलाई और नवंबर में यह परीक्षा आयोजित करता है। परीक्षा चार विषयों की होगी। प्रत्येक विषय 50 नंबरों का होगा।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जो विश्वास, विकास, सुरक्षा का मूल मंत्र दिया उसी से नक्सलवाद पीछे हो रहा

■ **आत्मसमर्पण केवल सरकार का इवेंट : कांग्रेस**

रायपुर/नवप्रदेश। नक्सलवाद पीछे हटने के पीछे तथा नक्सलियों के समर्पण के लिए कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार की नीतियां है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जो विश्वास, विकास, सुरक्षा का मूलमंत्र लेकर नक्सलवाद पर काम किया था तथा सुदूर बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़कें बनवाई तथा सुरक्षाबलों के कैंप स्थापित किया, बस्तर में शिक्षा और रोजगार के साधन जुटाये उससे बस्तर की जनता का भरोसा सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ा और सुरक्षा बल बस्तर में कांग्रेस सरकार के समय ही नक्सलवाद पर 65 प्रतिशत तक काबू पा चुके थे। यह बात 2021 में समर्पण केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद 65 प्रतिशत तक कम हो गया है। नक्सलवाद बस्तर संभाग में केवल 40 किमी तक सिमट गया था। वर्तमान सरकार तो नक्सलवाद नियंत्रण पर केवल बयानबाजी करती है।

सरकारी विभागों में फंसी रकम लेने आवेदन शुरू

रायपुर/ नवप्रदेश। केंद्रीय वित्त विभाग की ओर से आपकी पूंजी, आपका अधिकार जनजागरण अभियान के तहत गुरुवार को जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष (डीईए फंड) विषय पर शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टरेट परिसर में स्थित रेडक्रॉस के सभाकक्ष में अफसरों की मौजूदगी में शिविर में काम किया गया। इसका शुभारंभ कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के उपमहाप्रबंधक राकेश कुमार सिन्हा ने किया। शिविर में पहुंचे लोगों ने सरकारी विभागों के साथ ही बैंकों में जमा अनक्लेम्ड अमाउंट, बीमा दावे, डिविडेंड, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन संबंधी मामलों में अटकी रकम वापस दिलाने के लिए आवेदन किया। अफसरों ने भी उन्हें बताया कि बरसों पुरानी रकम वे कैसे प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में यह भी बताया गया कि कैसे विभिन्न सरकारी विभाग जिनके खाते डीईएफमें अंतरित हो गए हैं।

नशीली सिरप के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, ऑपरेशन निश्चय के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत दो आरोपियों को प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। थाना आमानाका क्षेत्र के जी.ई. रोड, टाटीबंध, एम्स अस्पताल के पास से दोनों आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा गया। उनके कब्जे से 40 शीशी प्रतिबंधित नशीली सिरप 'तद्यड्डुठ्ठद्मश्चद्ध-ञ्ज' बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 5,000 रुपये है।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए रायपुर पुलिस सक्रिय है। मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध खरीद-बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए सूचना संकलन और मुखबीरों के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है। इसी क्रम में 15 अक्टूबर 2025 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) को सूचना मिली कि टाटीबंध के पास कुछ लोग नशीली सिरप बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर एसीसीयू और थाना आमानाका की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उनकी पहचान युवराज सिंह चौहान (24 वर्ष) और वाजिद खान (29 वर्ष), दोनों निवासी कृष्णा नगर, सरस्वती नगर, रायपुर के रूप में हुई।

न्यूज गैलरी

बीजापुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते 25 मेडल

बीजापुर/ नवप्रदेश। कोरबा जिले में आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में बीजापुर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 25 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने स्विमिंग, सहित विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य पदक हासिल कर ओवरऑल द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बालिका वर्ग में सदना पोरतेटी ने 3 स्वर्ण और 1 रजत, जबकि अक्षिता तोड़ेम ने 3 स्वर्ण और 1 रजत पदक अपने नाम किए। अंडर-17 बालक वर्ग में बबलु ऐंजा ने 3 रजत, और सरैया पालदेव ने 1 कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-14 बालिका वर्ग में रीता पोरतेटी ने 2 स्वर्ण और 1 रजत, गुंजन कोरसा ने 2 स्वर्ण और 1 रजत, सपना कोरसा ने 2 रजत और 1 कांस्य, जबकि तमन्ना ने 1 कांस्य पदक जीता। अंडर-14 बालक वर्ग के खिलाड़ियों ने भी 1 रजत और 2 कांस्य पदक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया।बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से यह उपलब्धि हासिल की। खिलाड़ियों की सफ्लता में उनकी कोच दीप्ति वर्मा की भूमिका महत्वपूर्ण रही, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से बच्चों को नई दिशा दी। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर श्री संबित मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी, खेल अधिकारी एवं संबंधित प्रशिक्षकों ने सभी खिलाड़ियों और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।बीजापुर के इन उभरते खिलाड़ियों की इस सफ्लता से पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। स्थानीय खेल प्रेमियों एवं अभिभावकों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

पीएम आवास में प्रगति की प्रतिदिन होगी समीक्षा, नहीं बख्शें जाएंगे लापरवाह : कलेक्टर

बीजापुर / नवप्रदेश। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने इंद्रावती सभागार में ग्रामीण विकास की योजनाओं की गहन समीक्षा की। केन्द्र शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण में धीमी प्रगति को देखते हुए कलेक्टर ने विडियो कॉन्फेसिंग के माध्यम से जनपदवार प्रतिदिन स्वयं समीक्षा करने की बात कही। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता चैबे को प्रत्येक आवास निर्माण की प्रगति की समय सीमा तय करते हुए ग्राम पंचायत में हितग्राही वार स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास की वास्तविक प्रगति को संकलन जनपद पंचायतों से कराये जाने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि प्रतिदिन समीक्षा में आवास निर्माण नहीं होने का कारण भी बताना होगा, पी एम आवास योजना में लापरवाही की स्थिति में कार्रवाई की जावेगी। बैठक में कलेक्टर ने मनरेगा योजनान्तर्गत पूर्व के अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से लेते हुए सब डिविजनल आफिसर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को समय सीमा तय कर पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया। मनरेगा में जॉबकार्डधारी परिवारों के आधार और बैंक खाता में प्रगति लाने एवं ई-केवासी किये जाने निर्देशित किया। आंगनबाड़ी भवन, उचित मूल्य की दुकान और पंचायत भवन निर्माण को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।एनआरएलएम योजनांतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं को आजीविका मूलक गतिविधि से जोड़ने निर्देशित किया। महिलाओं को सब्जी उत्पादन, वनोंपज जैसे महुआ, ईमली, आम, टोरा का वन विभाग से समन्वय कर कार्ययोजना बनाये जाने निर्देशित किया।स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत निर्माण कार्यों के साथ कचरा कलेक्शन को प्राथमिकता के साथ करने निर्देशित किया।

कच्चापाल में विदेशी मेहमानों का आगमन, बस्तर के दिल तक पहुंची दुनिया

कम्युनिटी बेस्ड टूरिज्म से अबूझमाड़ को मिली नई पहचान, ग्रामीण आजीविका को मिला वैश्विक मंच

नारायणपुर/ नवप्रदेश। बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र के कच्चापाल गांव में जिला प्रशासन नारायणपुर द्वारा संचालित कम्युनिटी बेस्ड टूरिज्म (सामुदायिक आधारित पर्यटन) पहल ने एक नया इतिहास रच दिया है। इस मॉडल के तहत जर्मनी से आए 70 वर्षीय दंपत्ति श्री ब्रेनहार्ड एवं श्रीमती फ्रांज़िस्का गांव का दौरा करने वाले पहले विदेशी पर्यटक बने।

कच्चापाल में अपने प्रवास के दौरान दंपत्ति ने गांव की पारंपरिक घोटुल व्यवस्था को नज़दीक से देखा और स्थानीय युवाओं की सामाजिक व्यवस्था, सामुदायिक सहयोग और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह परंपरा बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा को जीवंत रखती है।

पद्मश्री पंडीराम मंडावी से सीखी काष्ठ कला

जर्मन दंपत्ति ने नारायणपुर प्रवास के दौरान प्रख्यात काष्ठ कलाकार पद्मश्री पंडीराम मंडावी के घर जाकर पारंपरिक लकड़ी शिल्प कला को सीखा। उन्होंने इस कला की बारीकियों को समझा और कहा कि यह कला न केवल बस्तर की धरोहर है बल्कि विश्व स्तर पर पहचान पाने योग्य है। उन्होंने यह भी कहा कि इतने सुदूर क्षेत्र में इस स्तर की कला और रचनात्मकता वास्तव में प्रेरणादायक है।

गांव में पारंपरिक स्वागत और विलेज वॉक

कम्युनिटी बेस्ड टूरिज्म मॉडल के अंतर्गत कच्चापाल समिति, कल्चर देवी और अनएक्सप्लोर्ड बस्तर द्वारा श्री अनिरुद्र सरकार के साथ उनका विलेज वॉक आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया – तिलक, फूल और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की ध्वनि के साथ पूरा वातावरण उत्साहपूर्ण हो उठा।गांव के लोगों से मिलते हुए दंपत्ति ने ग्राम्य जीवन की सादगी, आत्मनिर्भरता और सहयोग की भावना को जीवन का सबसे वास्तविक अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़िया जनजाति की सादगी, सामुदायिक जीवन और सांस्कृतिक अनुशासन ने उन्हें गहराई तक प्रभावित किया है।

‘सादगी में सौंदर्य’ जर्मन दंपत्ति ने दी प्रशंसा की मिसाल

ब्रेनहार्ड और फ्रांज़िस्का ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें यहां न केवल प्रकृति की सुंदरता बल्कि लोगों के आत्मीय व्यवहार ने भी गहराई से छू लिया। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की समझदारी और शिक्षा सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि फ्इस क्षेत्र का भविष्य उज्जवल है, क्योंकि यहां की नई पीढ़ी जागरूक और जिज्ञासु है। वैश्विक मंच पर पहुंचा अबूझमाड़ के कच्चापाल गांव नाम-कच्चापाल में पहली बार किसी विदेशी पर्यटक का आगमन होना इस बात का प्रतीक है कि जिला प्रशासन नारायणपुर द्वारा शुरू किया गया सामुदायिक पर्यटन मॉडल न केवल ग्रामीण आजीविका को सशक्त कर रहा है, बल्कि अबूझमाड़ जैसे दुर्गम अंचल को वैश्विक पहचान भी दिला रहा है।

एक साल के भीतर नारायणपुर के अबूझमाड़ में खुला 12वां ‘सुरक्षा एवं जन सुविधा कैम्प’

- अबूझमाड़ के भीतर इन्द्रावती एरिया कमेटी के सेफ़्ज़ोन ‘‘कुड़मेल’’ में नारायणपुर पुलिस ने स्थापित किया नवीन सुरक्षा कैंप
- एक साल के भीतर नारायणपुर के अबूझमाड़ में खुला 12वां ‘‘सुरक्षा एवं जन सुविधा कैम्प’’।

नारायणपुर / नवप्रदेश। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने हेतु क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी ‘‘माड़ बचाओ’’ अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही अबूझमाड़ में लगातार नवीन कैम्प स्थापित करते हुए सड़क पुल-पुलिया निर्माण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को अंदरूनी गांव तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र में माओवादियों के आश्रय स्थल थाना ओरछा अंतर्गत ग्राम कुड़मेल में नक्सल विरोधी अभियानों एवं ओरछा -आदेर-लंका एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यो में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से दिनांक 15-10-2025 को नारायणपुर पुलिस डीआरजी, बस्तर फॉईटर एवं आईटीबीपी 44वीं, 29वीं, 38वीं, 45वीं वाहिनी के द्वारा नवीन कैम्प स्थापित किया गया है। ग्राम कुड़मेल में नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ग्राम कुड़मेल ओरछा ब्लॉक, ओरछा तहसील व थाना ओरछा क्षेत्रान्तर्गत स्थित है। नवीन कैम्प कुड़मेल थाना ओरछा से 21किलोमीटर, एडजूम से 16किलोमीटर और ईदवाया से 10किलोमीटर और आदेर से 4 किलोमीटर की दुरी पर स्थित है।

कैम्प ओपनिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक नारायणपुर श्री रॉबिनसन गुड़िया (भा.पु.से.) ने अन्य अधिकारियों के साथ ग्राम कुड़मेल, एपररोपर, इत्तपरा, जाटलूर और ढ़ोढ़रबेडा एवं आसपास गांव से आये ग्रामीणों से कुशलक्षेम जानकर उनके समस्याओं को सुना गया। ग्रामीणों द्वारा मुख्य रूप से बिजली, नल-जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोड इत्यादि मूलभूत सुविधाओं के साथ पुलिस कैम्प की मांग किया गया जिसे जल्द पूर्ण कराये जाने का आश्वासन दिया गया साथ ही ‘‘नियद नेल्लानार’’ के अंतर्गत ‘‘जन समस्या निवारण शिविर’’ का आयोजन कराये जाने के संबंध में बताया गया।

ग्रामीणों ने नक्सलियों द्वारा मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए नक्सलवाद की प्रताड़ना को व्यक्त किया और इस बात के लिए खुशी जाहिर किये कि पुलिस कैम्प खुलने से अब भय मुक्त जीवन जी सकेंगे। आसपास के नक्सल समर्थक ग्रामीण स्वयं को सुरक्षित महसुस कर माड़ क्षेत्र में कैम्प स्थापना के प्रभाव से आत्मसमर्पण हेतु नारायणपुर पुलिस के पास पहुंच रहे है। कुडमेल में नवीन कैम्प स्थापित होने से आसपास क्षेत्र में सड़क, पुल-पुलिया, शिक्षा, चिकित्सा, मोबाईल नेटवर्क कनेक्टिविटी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार होगा। अब क्षेत्र में सुरक्षा के निगरानी में सड़क निर्माण सहित अन्य सुविधाओं को आम जनता तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जायेगा।

दीपावली के दूसरे दिन भाई दूज को अवकाश घोषित

बीजापुर/ नवप्रदेश। कलेक्टर संबित मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला बीजापुर में वर्ष 2025 के लिए घोषित स्थानीय अवकाश सूची में आंशिक संशोधन किया गया है। पूर्व में जारी आदेश के तहत दीपावली का दूसरा दिन अर्थात 21 अक्टूबर 2025 (गोवर्धन पूजा) स्थानीय अवकाश के रूप में घोषित था। किंतु छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के तहत उक्त दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के कारण अब जिला बीजापुर में इस तिथि को स्थानीय अवकाश के रूप में नहीं माना जाएगा।कलेक्टर द्वारा किए गए संशोधन के अनुसार अब भाई दूज (23 अक्टूबर 2025, गुरुवार) को संपूर्ण बीजापुर जिले के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि उक्त स्थानीय अवकाश के दिन बैंक एवं कोषालय यथावत खुले रहेंगे, जबकि शेष पूर्व घोषित अवकाशों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

छात्रों ने मशरूम बीज उत्पादन, प्रसंस्करण तथा गुणवत्ता नियंत्रण की जानकारी प्राप्त की

नारायणपुर / नवप्रदेश। लिंगो मुदियाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, केरलापाल, नारायणपुर (इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़) के चतुर्थ वर्ष के छात्रों द्वारा चल रहे ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत मशरूम बीज उत्पादन, प्रसंस्करण तथा गुणवत्ता नियंत्रण की जानकारी प्राप्त की गई। यह गतिविधि ग्राम बिंजली में किसानों, स्व-सहायता समूहों, महिलाओं एवं ग्रामीण आजीविका समूहों के विकास हेतु संचालन किया जा रहा है । कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. रत्ना नशीने, कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख वैज्ञानिक तथा महाविद्यालय के सहायक अध्यापकों के दिशा-निर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसानों को कम लागत में मशरूम उत्पादन तकनीक सिखाना तथा उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ डॉ. विवेक विश्वकर्मा (पादप रोग विज्ञान), डॉ. पुष्पेंद्र सिंह पैकरा (कार्यक्रम अधिकारी) ,एवं श्री इन्द्र कुमार प्रोग्राम असिस्टेंट (पादप रोग विज्ञान)ने छात्रों और किसानों को मशरूम बीज उत्पादन की उन्नत विधियों की जानकारी दी।

डॉ. पैकरा ने बताया कि वैज्ञानिक पद्धति से मशरूम बीज उत्पादन अपनाने पर किसान एवं ग्रामीण महिलाएँ कम लागत में अधिक लाभ अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकती है।

इसमें कुल 13 छात्रों एवं अन्य सहयोगी ने ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों के मार्गदर्शन में मशरूम बीज निर्माण की प्रक्रिया सीखी एवं छात्रों द्वारा अपने चयनित किसानों के यहाँ जाकर मशरूम उत्पादन की विधि एवं इसकी आर्थिक महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

रेबीज उन्मूलन हेतु जिला प्रशासन बीजापुर में की जा रही ठोस पहल

बीजापुर / नवप्रदेश। रेबीज एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या है, जो 100 प्रतिशत जानलेवा है, किन्तु समय पर उपचार से पूर्णतः रोकी जा सकती है। भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक रेबीज मुक्त भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला बीजापुर में विभिन्न गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है।

एंटी रेबीज वैक्सीन एवं सीरम की उपलब्धता- जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (क्काष्ट) स्तर तक एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, गंभीर (कैटेगरी- ढ्ढढ्ढ) मामलों में एंटी रेबीज सीरम देने हेतु मरीजों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों में संदर्भित करने की व्यवस्था की गई है। जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्टाष्ट) स्तर तक वैक्सीन एवं सीरम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मरीजों को सुरक्षित रूप से रेफर करने हेतु 108 एम्बुलेंस सेवा का उपयोग किया जाएगा।

घाव धुलाई की सुविधा- सभी स्वास्थ्य संस्थानों में साबुन एवं बहते पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। एंटी रेबीज क्लीनिक (ह्रष्ट) में घाव धोने हेतु निरंतर साफ चलने वाले नल के पानी की व्यवस्था की जा रही है। वाशिंग एरिया में मानक संचालन प्रक्रिया स्ह्रक्क के पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम- चिकित्सकों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं मितानिनों को रेबीज प्रबंधन और पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (क्क्क्षक्क) प्रोटोकॉल पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण उपरांत मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

जन-जागरूकता अभियान- जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से स्कूलों में तथा पंचायत एवं नगरीय प्रशासन विभाग के सहयोग से अस्पताल, बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

अन्तर्विभागीय सहयोग- रेबीज नियंत्रण में पशुपालन, नगर निकाय, ग्रामीण विकास एवं शिक्षा विभागों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि सामूहिक रूप से लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

पेज 1 का शेष

संविधान ग्रहण कर 210...

से कार से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। रूपेश माड़ डिवीजन में सक्रिय था और उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था, जबकि अन्य नक्सलियों पर 5 लाख से 25 लाख तक के इनाम थे।

डीआजर को लेकर उन्होंने कहा कि इसमें जो शामिल होना चाहें, उन्हें शामिल किया जाएगा। डीआरजी की मौजूदा टीम में 10’ ही सरेंडर्ड नक्सली हैं, बाकी सभी नए भर्ती हुए लोग हैं।

सभी मिलकर योगदान करेंगे तो बस्तर आगे बढ़ेगा- डीजीपी अरुण देव गौतम

छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने बताया कि जो युवा इस तरह से भटक रहे थे, वे बस्तर की जनता के लिए लड़ रहे थे लेकिन उन्हें पता चला कि वे वास्तव में बस्तर की जनता के लिए नहीं लड़ रहे, बल्कि उनका नुकसान कर रहे थे। बस्तर का विकास इतने साल में जो रुका था, अब अगर वे सभी मिलकर योगदान करेंगे तो बस्तर आगे बढ़ेगा।

अब देश में 3 जिले ही नक्सलियों से सबसे ज्यादा प्रभावित

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया साइट ‘एक्स’ पर बताया कि देश में अब नक्सली प्रभावित जिलों की संख्या 18 से घटकर 11 रह गई है। इसमें भी जो सबसे ज्यादा प्रभावित जिले थे। उनकी संख्या 6 से 3 रह गई है। अब केवल छत्तीसगढ़ का बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर ही 3 ऐसे जिले रह गए हैं। जो नक्सलियों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

सरेंडर नक्सलियों को ...

विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। उन्हें संविधान की प्रति भी दी गई है, ताकि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझें और अपनाएं। उन्होंने कहा कि बस्तर में अब बदलाव दिख रहा है- सड़कें बन रही हैं, बिजली और राशन लोगों तक पहुंच रहा है। राज्य सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए वचनबद्ध है।

माता-पिता के सुख से ...

माता-पिता के सुख से वंचित है, तो सरकार मेडिकल ट्रीटमेंट तक की सुविधा देगी। उन्होंने बताया कि इस सरेंडर में माड़ डिवीजन की पूरी कमेटी आई है। गढ़चिरौली वाले वापस गढ़चिरौली लौट गए हैं। केशकाल यूनिट शेष है।

गुजरात की नई ...

मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और भावनगर से विधायक जीतू वाघाणी, अमरेली से विधायक और भाजपा के डिप्टी चीफ व्हिप कौशिक वेकारिया, स्वरूपजी ठाकोर, टीकाराम छंगा, जयराम गमित, जामनगर उत्तर विधायक रिवाबा जडेजा, पीसी बारांदा, दाहोद विधायक रमेश कटारा, अंकलेशअवर विधायक इश्वरसिहं पटेल, दीसा विधायक प्रवीण माली, बारसोड विधायक रमनभाई सोलंकी, पेटलाद विधायक कमलेश पटेल, महुधा विधायक संजय सिंह महिदा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के...

बल्कि अन्य संस्थानों और नागरिकों को भी प्राकृतिक आपदा पीड़ितों की सहायता में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

जमीन की खरीदी-बिक्री में ...

की समस्या को इंगित करते हुए पत्र में लिखा गया है कि कृषि भूमि के राजस्व अभिलेख की प्रविष्टियों का इंद्राज कर किसानों को ऋण पुस्तिका जारी की जाती है। इसके अलावा किसानों को समय समय पर दिए जाने वाले ऋण, बंधक आदि का रिकार्ड भी ऋण पुस्तिका में दर्ज किया जाता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में राजस्व अभिलेख ऑनलाइन कर दिए गए हैं, तथा भूमि पर भारित ऋण की प्रविष्टि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाती है। राजस्व अभिलेखों के गिरदावरी संबंधी रिकार्ड ऑनलाईन अद्यतन होते हैं जो ऋण पुस्तिका में अद्यतन नहीं हो पाते हैं। पंजीयन अधिकारियों के द्वारा रजिस्ट्री के समय ऑनलाइन प्रविष्टियों से डाटा मिलान किया जाता है, दस्तावेज में शुल्क अवधारण के या पंजीयन के उद्देश्य से ऋण पुस्तिका की कोई विशेष प्रासंगिता नहीं होती हैं. पंजीयन अधिकारियों के लिए ऋण पुस्तिका के तथ्यों की सत्यता जांचने का कोई प्रावधान नहीं है।

समय पर नहीं मिल पाती ...

जा रहा है, तथा भुईयां से किसानों को नक्शा खसरा व बी-1 की प्रति भी ऑनलाइन प्राप्त हो रही है. विक्रेता के स्वामित्व के वेरिफिकेशन हेतु पंजीयन साफ्टवेयर का भुईया के साथ इंटीग्रेशन किया गया है, जिससे पंजीयन के समय दस्तावेज में वर्णित तथ्यों का राजस्व विभाग के डाटा से ऑनलाइन मिलान होने पर पंजीयन की कार्रवाई की जाती है।

सोना पहली बार ...

को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,69,230 रुपए प्रति किलो हो गई है।

नये शिखर पर ...

अंक के ऊपर गया है। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 124.55 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त में 25,709.85 अंक पर बंद हुआ जो इसका नया रिकॉर्ड है। दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.58 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.05 फीसदी टूट गया।

रेवेन्यू कलेक्शन में रायपुर...

सिर्फ अंबिकापुर नगर निगम की परफार्मेंस ही ठीक बताई गई है। एक अप्रैल से प्रारंभ वित्तीय वर्ष के प्रारंभिक 6 महीने के दौरान अंबिकापुर नगर निगम ने 51.43 प्रतिशत राजस्व वसूल कर लिया है। रायपुर नगर निगम राज्य में सबसे फिसड्डी साबित हुआ है।

प्रदेश के सबसे बड़े बजट वाले राजधानी रायपुर में नगर निगम के अमले ने कुल टार्गेट का सिर्फ 16.28 प्रतिशत राजस्व वसूली की है। चिरमिरी नगर निगम भी राजस्व वसूली के मामले में काफी पिछड़ गया है। यहां 6 माह में केवल 17.64 प्रतिशत राजस्व वसूल किया जा सका है। इसके अलावा भिलाई-चरौदा में केवल 20.18 प्रतिशत, जगदलपुर में 20.68 प्रतिशत, दुर्ग नगर निगम में 24.39 प्रतिशत राजस्व वसूली हो पाई है।

6 नगर निगम ऐसे हैं जहां 30 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व वसूल किया गया है। इनमें बिलासपुर 31.35 प्रतिशत, धमतरी 31.65 प्रतिशत, भिलाई 33.34 प्रतिशत, राजनांदगांव 34.90 प्रतिशत, कोरबा 36.55 प्रतिशत और बीरगांव में 39.73 प्रतिशत राजस्व वसूल किया गया। प्रदेश के दो नगर निगमों में 40 फीसदी से ज्यादा राजस्व वसूली की गई है। नगर निगम रिसाली में 42.88 प्रतिशत और रायगढ़ 46.04 प्रतिशत राजस्व वसूली हो पाई है। सिर्फ अंबिकापुर ही 50 फीसदी से ज्यादा राजस्व वसूल करने में सफ्ल रहा है।

बता दें कि नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और विभाग के सेक्रेटरी व संचालक ने नगर निगमों में राजस्व वसूली की लगातार समीक्षा करते हुए राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश दे चुके हैं। हर माह समीक्षा की जा रही है। लेकिन, नगर निगम के आयुक्त समेत राजस्व अमला रेवेन्यू कलेक्शन बेहतर कर पाने में नाकाम हैं। हाल ही में हुई बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के सेक्रेटरी ने इस मामले को लेकर सभी निकायों की जमकर खिंचाई भी की।

मामूली मरम्मत के कार्य भी नहीं हो पाते : आर्थिक हालत इतनी खस्ताहाल है कि सड़क, नाली की मरम्मत और स्ट्रीट लाइट बदलने जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भी निगम के खजाने में पैसा नहीं है। नगरीय निकाय विभाग से मरम्मत के लिये राशि मिलने पर ही रिपेयरिंग आदि के कार्य हो पाते हैं। हर साल अरबों का बजट पास करने वाले नगर निगमों की माली हालत इतनी बदतर है कि खुद के संसाधन से मामूली काम कराने भी राशि नहीं होती। चालू वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल 2025 से 30 सितंबर तक 2025 तक राजस्व वसूली का प्रतिशत।

न्यूज गैलरी

मुख्य सचिव ने ली 7 जिलों की वर्चुअल बैठक

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में 7 जिलों में राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएइआर) द्वारा संपादित सर्वे के दौरान प्राप्त तथ्यों पर प्रदेश के मुख्य सचिव विकास शील द्वारा वर्चुअल बैठक ली गई। इन 7 जिलों में बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर,नारायणपुर, तथा मोहला- मानपुर-अंबागढ़ चौकी शामिल रहे। बैठक के दौरान राज्य और केंद्र शासन की व्यक्तिगत आधारित योजना तथा सामुदायिक योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति पर विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि केंद्र और राज्य शासन की मंशानुसार (एनसीएइआर) द्वारा संपादित सर्वे के दौरान प्राप्त तथ्यों को प्रमुखता में रखते हुए सभी जिले शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सामाजिक सुरक्षा, कृषि ऊर्जा, कौशल विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, राजस्व तथा अन्य मूलभूत सेवाओं का संबंधित हितग्राहियों का शत प्रतिशत संतृप्ति करना सुनिश्चित करें और इसके सुचारू क्रियान्वयन हेतु प्रभावी रणनीति बनाये। बैठक के दौरान उपरोक्त सभी जिलों के सर्वे सूचकांक आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए। जिसके संबंध में मुख्य सचिव ने आगामी बैठक में पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता जताई। वर्चुअल बैठक में अन्य जिलों के कलेक्टरों के साथ-साथ जिले के कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने भी दंतेवाड़ा जिले से संबंधित सर्वे सूचकांकों के संबंध में जानकारी दी।

किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। विगत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, दंतेवाड़ा में ÷किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम÷ के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन श्री पंकज बर्मन (प्रोग्राम ऑफिसर, बस्तर संभाग) द्वारा किया गया।कार्यशाला के दौरान आगामी एक वर्ष के लिए जिला एक्शन प्लान तैयार किया गया। इस अवसर पर आरसीएच नोडल अधिकारी, जिला डाटा मैनेजर, डीपीएचएनओ, बीईटीओ, ब्लॉक डेटा मैनेजर, ब्लॉक मितानिन समन्वयक तथा परिवार नियोजन परामर्शदाता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में डॉ प्रियंका सक्सेना जिला नोडल अधिकारी एवं मैटरनल हेल्थ के द्वारा शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने हेतु आवश्यक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

हितग्राहियों को शीघ्र आवास बनाने के लिए किया गया प्रोत्साहित

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। विगत दिवस कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार रजत जयंती कार्यक्रम के तहत जिला दंतेवाड़ा जनपद गीदम ग्राम पंचायत बींजाम में आवास पखवाड़ा कार्यक्रम कर प्रथम किश्त प्राप्त व द्वितीय किस्त प्राप्त हितग्राहियों को जल्द से जल्द आवास समय सीमा में पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया साथ ही स्व सहायता समूह की दीदियों को आवास पूर्णता के लिए सीएलएफसे लोन लेकर सेंट्रिंग प्लेट किराये पर देने व ईट निर्माण कार्य के लिए बढ़ावा दिया गया ताकि उनके द्वारा निर्मित सामग्रियों से हितग्राहियों के आवास शीघ्र बन सके। इस दौरान मनरेगा योजना के क्यूआर कोड एवं जन मनरेगा एप की भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री पवन कर्मा ग्राम पंचायत सरपंच श्री महादेव नेताम व एपीओ सुश्री क्रांति ध्रुव उपस्थित थे।

स्थानीय अवकाश में आंशिक संशोधन

बलरामपुर / नवप्रदेश। कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा स्थानीय अवकाश में आंशिक संशोधन किया गया है। पूर्व में 21 नवम्बर को दीपावली का दूसरा दिन गोवर्धन पूजा के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। चूंकि राज्य शासन ने 21 नवम्बर 2025 को गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में राज्य के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। घोषित स्थानीय अवकाश के स्थान पर अब कलेक्टर द्वारा 23 अक्टूबर 2025 को भाई दूज के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

शासन की हर योजना का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे

- जनहित के कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश कहा,
- कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

एमसीबी/ नवप्रदेश। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने सभी विभागीय अधिकारियों को पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाममुखी कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की हर योजना का उद्देश्य जनता तक अधिकतम लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कलेक्टर कॉन्फ्रेंस से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा करते हुए डीएमएफमद से स्वीकृत कार्यों का नियमानुसार संधारण करने और भंडार क्रय नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने पीएम पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निराकरण प्राथमिकता से करने को कहा। तहसीलवार डीसीएम और गिरदावरी कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को तथ्यपरक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ई-ऑफिस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए भरतपुर और खड़गवां में विशेष प्रशिक्षण आयोजित करने तथा सभी फाइलों को केवल ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित करने पर बल दिया गया।

इसके साथ ही जैम पोर्टल से जुड़ी खामियों को सुधारने, स्थानीय सप्लायरों को जोड़ने और कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए गए। सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवास, उज्जवला और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। राजस्व विभाग को लंबित प्रकरण शीघ्र निपटाने, डीसीएस समितियों में सुधार लाने, पंजीकृत किसानों की स्थिति स्पष्ट करने तथा जहां डीसीएस लागू नहीं है वहां तत्काल क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को ई-केवाईसी, आधार सेंडिंग और कृषि आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने फर्जी पीएम किसान निधि मामलों की जांच और रोकथाम के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग को आरोग्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में बीपी और शुगर की नियमित जांच अनिवार्य करने, एनसीडी स्क्रीनिंग पर फोकस बढ़ाने तथा कुपोषण उन्मूलन हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, मीजल्स-रुबेला उन्मूलन, एनीमिया और मलेरिया जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने तथा एनआरसी-एमआईसी पोर्टल में समय पर अपडेट सुनिश्चित करने को कहा गया। आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा में कलेक्टर ने बच्चों का मापन सही रखने, रिक्त पदों की जानकारी समय पर भेजने और सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मितानिनों को 13 प्रकार की आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने को कहा। शिक्षा विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, बालवाड़ी, बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, बहुभाषा शिक्षा और पीएम ई-विद्या के प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल आधार सत्यापित बच्चों को ही जूते, किताबें और साइकिल जैसी सामग्री वितरित की जाए तथा विद्यार्थियों को केवल शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों में ही शामिल किया जाए।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुत बिजली योजना से अरुण को मिली बिजली के बोझ से मुक्ति

- सौर पैनल लगाकर करें बिजली बचत, बने ऊर्जादाता

बलरामपुर / नवप्रदेश। शासन की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। सौर ऊर्जा न केवल पर्यावरण हितैषी है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ ऊर्जा-दाता भी बन रहे हैं। विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पस्ता निवासी श्री अरूण कुमार गुप्ता ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर माह उनका बिजली बिल अधिक आता था, परन्तु सौल पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। साथ ही इसके अलावा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पडने पर भविष्य में किया जा सकता है। श्री अरूण कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने बताया कि अब छत्तीसगढ़ सरकार ने भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने पर 15 से 30 हजार रूपए तक का अतिरिक्त अनुदान देने की घोषणा की है, जिससे उपभोक्ताओं को अब दोहरा लाभ मिलेगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें। श्री गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घर की छत पर ही ऊर्जा का उत्पादन करने की यह पहल बिजली के बिल से मुक्ति दिलाने तथा ऊर्जा संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है।

योजना का लाभ लेने कैसे करे आवेदन

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट पीएमसूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट ईन या पीएम सूर्यघर मोबाईल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है। इस दौरान यदि उपभोक्ता इच्छुक हो तो शेष राशि का प्रकरण 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण हेतु बैंकों को जनसमर्थन पोर्टल द्वारा ऑनलाईन प्रेषित किया जाता है।

जिला पंचायत सीईओ ने किया शंकरगढ़ का सघन दौरा

- निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास, महतारी सदन एवं आंगनबाड़ी का किया निरीक्षण

बलरामपुर / नवप्रदेश। शासन की योजनाओं का बेहतर एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा विकासखंड शंकरगढ़ क्षेत्र का भ्रमण किया गया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने विकासखंड शंकरगढ़ के विभिन्न ग्राम पंचायतों का सघन दौरा कर विभिन्न विकास कार्य एवं निर्माणाधीन कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास, महतारी सदन, आंगनबाड़ी, अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के लिए निर्मित हो रहे भवनों को समय-सीमा में गुणवतापूर्ण निर्माण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।सीईओ श्रीमती तोमर विकासखण्ड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत आमगांव, खरखोना एवं डीपाडीह पहुंची। उन्होंने पीएम-जनमन आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर पीएम-जनमन के सभी स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने हेतु संबंधित तकनीकी सहायकों, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्रों कों निर्देशित किया। श्रीमती तोमर ने महतारी सदन, आंगनबाड़ी, अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के लिए निर्मित हो रहे भवनों का भी अवलोकन किया।

रजत जयंती वर्ष पर होगा तीन दिवसीय राज्योत्सव

बलरामपुर / नवप्रदेश। रजत जयंती पर तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन जिला मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा इन्हीं तैयारियों के लिए कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल की उपस्थिति में आयोजित बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। राज्योत्सव का कार्यक्रम हाई स्कूल ग्राउंड बलरामपुर में आयोजित किया जायेगा। जहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होगी। कार्यक्रम में स्टॉल के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओ की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही जिला बनने के यात्रा की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएगी। स्कूली बच्चों के साथ स्थानीय कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को कार्यक्रम का सुचारू एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संबंधित सभी अधिकारी उपस्थित थे।

सेजेस हिन्दी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में किया गया विज्ञान मेले का आयोजन

बलरामपुर / नवप्रदेश। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव के मार्गदर्शन में सेजस हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में जिला स्तरीय विज्ञान मेला संपन्न हुआ। कार्यक्रम विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के सभी उप कथानक पर केंद्रित रहा। मुख्य अतिथि के आसंदी पर प्रोफेसर अगस्टिन कुजूर प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय बलरामपुर ने स्कूली बच्चों के द्वारा बनाए गए मॉडल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिला बलरामपुर जैसे ग्रामीण और दूरस्थ अंचल के छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक चेतना विकसित करने का यह कार्यक्रम एक ठोस प्रयास है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डीएमसी श्री चंद्रभूषण गुप्ता जिला शिक्षा कार्यालय समग्र शिक्षा बलरामपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम में बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होता है, सभी छात्र छात्राएं वैज्ञानिक विचारों का अनुसरण करते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़े। विज्ञान नाटिका में प्रथम स्थान कुमारी सोनाली मानिकपुरी एवं साथी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय राजपुर, द्वितीय स्थान कुमारी कनक एवं साथी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरदर, बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पवन पाठक सेजस अंग्रेजी माध्यम बलरामपुर द्वितीय स्थान शिवकुमारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सामरी तृतीय स्थान कुमारी मुस्कान शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय धंधापुर, विज्ञान मेला व्यक्तिगत प्रोजेक्ट में प्रथम स्थान बसंत पैकरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीपाडीह, द्वितीय स्थान कृष रवि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंदीकला, प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आलिया आफरीन एवं समीक्षा तिवारी सेजस अंग्रेजी माध्यम रामानुजगंज, द्वितीय स्थान मनीषा कुमारी एवं अरविंद यादव सेजस हिंदी माध्यम बलरामपुर ने प्राप्त किया। जिला नोडल अधिकारी श्री रविशंकर श्रीवास के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन शिक्षकों की सक्रिय सहयोग से जिला में प्रतिवर्ष विज्ञान मेला, प्रदर्शनी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में मार्गदर्शन शिक्षक निर्णायक प्रतिभागी दर्शक सहित कुल 130 लोगों ने अपनी सहभागिता दी। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी 30 अक्टूबर को जोन स्तर पर आयोजित होने वाली जोन स्तरीय प्रतियोगिता शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर में सम्मिलित होकर जिला का नेतृत्व करेंगे। कार्यक्रम में श्री आनंद प्रकाश गुप्ता एपीसी समग्र शिक्षा बलरामपुर, श्री संजू कनौजिया बीईओ बलरामपुर, जिला ग्रंथालय प्रभारी श्री राजकुमार शर्मा ने बच्चों के कार्यक्रम की सराहना की।

खरीफ-2025 की समीक्षा और रबी 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु संभाग स्तरीय बैठक सूरजपुर में

- सरगुजा संभाग में 28 अक्टूबर को जिला पंचायत सभाकक्ष सूरजपुर में होगी बैठक

एमसीबी/ नवप्रदेश। कृषि उत्पादन आयुक्त, छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2025 की प्रगति की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु संभाग स्तरीय बैठक आयोजित की जा रही है। सरगुजा संभाग की बैठक 28 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक जिला पंचायत सभाकक्ष सूरजपुर में संपन्न होगी। इस बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन, बीज निगम, बीज प्रमाणीकरण संस्था, सहकारी एवं ग्रामीण बैंक तथा कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी शामिल होंगे। शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक विभाग बैठक की निर्धारित तिथि के तीन दिवस पूर्व संबंधित संचालनालय के माध्यम से अपने विभागीय अद्यतन आंकड़े एवं जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित रहें।

राज्य स्तरीय अधिकारियों के प्रस्तुतीकरण में योजनाओं की प्रगति पर होगा फोकस-बैठक में विभागाध्यक्षों एवं राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा अधिकतम 10 मिनट के प्रस्तुतीकरण दिए जाएंगे। संचालक कृषि द्वारा केंद्र एवं राज्य योजनाओं के अंतर्गत सामान्य बीज वितरण, प्रदर्शन हेतु प्रयुक्त बीजों की फसलवार दरें एवं ÷साथी पोर्टल÷ के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

खरीफ में फसल विविधीकरण की होगी समीक्षा, रबी के विस्तार पर होगा फोकस

बैठक में जिला कलेक्टरों द्वारा अधिकतम 15 मिनट के प्रस्तुतीकरण में खरीफवर्ष 2025 की प्रगति, धान के रकबे में कमी, फसल विविधीकरण की स्थिति तथा रबी 2024-25 की तुलना में क्षेत्राच्छादन में वृद्धि की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। साथ ही रबी व ग्रीष्म (जायद) अल्पकालीन फसल ऋण वितरण में वृद्धि हेतु ठोस कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अपात्र, पीवीटीजी एवं अन्य संदिग्ध लाभार्थियों के सत्यापन की स्थिति तथा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही रबी 2026-27 की संभावित बीज मांग को ध्यान में रखते हुए रबी 2025-26 में फसलवार बीज उत्पादन कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी। जिलों में ऑयल पाम के क्षेत्र विस्तार की दिशा में भी कार्ययोजना प्रस्तुत की जाएगी।

अब हर गरीब का सपना होगा अपना पक्का मकान, शुरू हुई नई उम्मीदों की पहल

पीएम आवास योजना-शहरी 2.0:

एमसीबी/ नवप्रदेश। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 1 सितम्बर 2024 को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 का शुभारंभ किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (श्वड्ढस्), निम्न आय वर्ग (स्ढ्ढत्र) और मध्यम आय वर्ग (स्ढ्ढत्र) के हितग्राहियों को बुनियादी सुविधाओं सहित पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत नगर पालिक निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद् मनेंद्रगढ़, नगर पंचायत नई लेदरी, नगर पंचायत झगराखांड, नगर पंचायत खोंगापानी और नगर पंचायत जनकपुर के लाभार्थियों को स्वयं की भूमि पर नया पक्का मकान निर्माण करने के लिए अनुदान दिया जाएगा। पात्र हितग्राही अपनी स्वामित्व भूमि, स्थायी पट्टा या आबादी भूमि पर 30 से 45 वर्गमीटर के कारपेट क्षेत्रफल वाले पक्के मकान का निर्माण कर सकेंगे, जिसमें कम से कम दो कमरे, एक रसोई और शौचालय-बाथरूम का समुचित संयोजन अनिवार्य होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत आवास का स्वामित्व हितग्राही के पास ही रहेगा। इसके लिए आवेदक के पास अपने नाम से भूमि का स्वामित्व या पट्टा दस्तावेज होना आवश्यक है। आवेदन के साथ खसरा, पांचशाला नक्शा, पट्टा दस्तावेज और पात्र हितग्राही प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। साथ ही हितग्राही की पारिवारिक वार्षिक आय 3 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। नगर निगम चिरमिरी क्षेत्रान्तर्गत ऐसे हितग्राही जिन्हें वर्ष 2002 या 2019 में राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत पट्टा प्राप्त हुआ था, अब प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के माध्यम से स्वयं का पक्का मकान बनाने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। जिन हितग्राहियों के पास निगम क्षेत्र में स्वयं अथवा पत्नी के नाम पर भूमि है लेकिन अब तक पक्का मकान नहीं बना सके हैं, या जिनका मकान आबादी भूमि पर निर्मित है, ऐसे सभी पात्र लाभार्थी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी में रोबोट का चलित मॉडल, मल्टीपर्पज हेल्थ किट का प्रदर्शन

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में किया गया। इस वर्ष का मुख्य विषय 'विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत' अंतर्गत उप विषय सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती हुई प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडल, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण और प्रबंधन रहा। बच्चों ने एआई रोबोट का चलित मॉडल, आंगनबाड़ी के लिए मल्टीपर्पज हेल्थ किट का प्रदर्शन किया। जिला नोडल अधिकारी जगदीश सिन्हा ने बताया कि जिला स्तर से चयनित कुल 39 बाल वैज्ञानिक जोन स्तर पर 30 अक्टूबर को शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर रायपुर में प्रदर्शन करेंगे। राज्य समग्र शिक्षा कार्यालय के उपसंचालक डीके कौशिक, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, डीएमसी रेखराज शर्मा ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। आयोजक संस्था के नोडल अधिकारी हेमेंद्र आचार्य ने परिणाम की घोषणा की । सतत कृषि में प्रथम यासमीन यादव 11वीं होलीफेथ महासमुंद, द्वितीय डिंपल डड़सेना 9वीं रामदर्शन पब्लिक स्कूल जंघोरा, तृतीय काम्या साहू 12वीं शाउमावि भीथीडीह, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प में प्रथम टाकेश्वर डड़सेना 12वीं सेजेस पटेवा, द्वितीय पारुल रात्रे 11 वीं कन्या शाला पिथौरा, तृतीय हर्ष पटेल 10वीं रामदर्शन पब्लिक स्कूल जंघोरा, हरित ऊर्जा में प्रथम भरत पटेल 10वीं सेजेस भंवरपुर, द्वितीय पुष्पेंद्र साहू 9 वीं शाउमा भीथीडीह, तृतीय वंदना पंडा 8वीं रामदर्शन पब्लिक स्कूल जंघोरा, उभरती हुई प्रौद्योगिकियां में प्रथम सृष्टि यदु 12वीं पीएमश्री पिथौरा, द्वितीय जागृति सिन्हा 11वीं शा कन्या पिथौरा, तृतीय दुर्गेश साहू 11वीं आशीबाई गोलछा महासमुंद, मनोरंजक गणितीय माडल में प्रथम डिम्पल चंद्राकर 10वीं शाउमावि गाँजर, द्वितीय जिज्ञासा यादव 8वीं सेजेस नायपारा महासमुंद, तृतीय मोनिका साहू 10वीं रामदर्शन पब्लिक स्कूल जंघोरा, स्वास्थ्य और स्वक्षता में प्रथम प्रतिभा साहू 12वीं शाउमावि नर्रा, द्वितीय आस्था प्रधान 11वीं शा कन्या पिथौरा, तृतीय भावना बंजारा 10वीं रामदर्शन पब्लिक स्कूल जंघोरा, जल संरक्षण और प्रबंधन में प्रथम सतीश कुमार मन्नाडे 12वीं सेजेस अंग्रेजी पटेवा, द्वितीय जान्हवीं रात्रे 10वीं रामदर्शन पब्लिक स्कूल जंघोरा, तृतीय नीता सिन्हा 12 वीं शाउमा भिथीडीह, विज्ञान नाटिका में प्रथम नीरज ध्रुव व साथी 7वीं सेजेस नयापारा महासमुंद, चित्रलेखा सिन्हा, अवनी दीवान, प्रज्ञा साहू, तान्या चंद्राकर,गुलाम मोहम्मद, वार्य चंद्राकर, युक्ति साहू, विज्ञान सेमिनार में प्रथम यामिनी साहू 10वीं शाउमा गांजर, द्वितीय साक्षी चंद्राकार 10वीं आशी बाई गोलछा महासमुंद, 10 प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम ओजस्वी, क्षितिज 12वीं सेजेस नयापारा महासमुंद, द्वितीय हितेश, पीयूष 10वीं सेजेस बसना बसना, विज्ञान संगोष्ठी में प्रथम अजय कुमार भोई व्याख्याता सेजेस बसना, द्वितीय प्रदीप बारीक व्याख्याता सेजेस भंवरपुर बसना, व्यक्तिगत प्रोजेक्ट में प्रथम हिमांशु यादव 12 वीं शाउमा खल्लारी, द्वितीय रागनी साहू 11वीं आशीबाई गोलछा महासमुंद, टीम प्रोजेक्ट में प्रथम हंसिका, खुशी 12वीं आशीबाई गोलछा महासमुंद, द्वितीय योगेश्वरी, पूजा 12वीं शाउमा देवरी बागबाहरा, दिव्यांग वर्ग में प्रथम लोकेश्वरी साहू 11वीं शा कन्या पिथौरा शामिल है। आयोजन में शिक्षक ज्योति चंद्राकर, विकास यादव, गुणमणि साहू, विजय सिन्हा, परस सिन्हा का सहयोग रहा।

छात्राओं को दी गई साइबर ठगी की जानकारी

महासमुंद/नवप्रदेश। शासकीय आशीबाई गोलछा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आईडीबीआई बैंक के असिस्टेंट मैनेजर एस के अजहर, अनूप बिस्वास तथा सुशांत कुमार ने प्रार्थना सभा में विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अधिकांश व्यक्ति आनलाइन बैंकिंग का कार्य करते हैं। इसी बात का फायदा उठाकर अपराधी अक्सर लोगों से ठगी कर जाते हैं और भोलेभाले लोग उनके जाल में फंस जाते हैं। इसलिए आनलाइन बैंकिंग का कार्य करते समय पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए। किसी अनजान लिंक को टच करना, किसी को ओटीपी आदि बताना जोखिम भरा काम होता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए व्याख्याता तोषण गिरि गोस्वामी ने कहा कि आमतौर पर लोग लालच में आकर ऐसे जालसाजों की बातों में आ जाते हैं और अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं, इसलिए किसी प्रलोभन में नहीं फंसना चाहिए।

न्यूज़ गैलरी

30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण संपन्न

धमतरी/नवप्रदेश। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत धमतरी सुश्री रोमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा बड़ौदा आरसेटी संस्था के सहयोग से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम पंचायत सिहावा में आयोजित 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम आज दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण का यंक्रम 16 सितम्बर 2025 से प्रारंभ हुआ था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को भवन निर्माण से संबंधित तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना था। समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों की दक्षता का मूल्यांकन लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से किया गया।एक माह की इस प्रशिक्षण अवधि में प्रतिभागियों को भवन निर्माण से संबंधित विभिन्न विषयों - जैसे ईंट-गारा कार्य, प्लास्टर, ढलाई, नाप-जोख एवं संरचनात्मक तकनीक की गहन जानकारी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण ने उनके आत्मविश्वास और कौशल दोनों को निखारा है, जिससे वे अब स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

खैरागढ़ में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

खैरागढ़/नवप्रदेश। हमर खैरागढ़ आत्मनिर्भर खैरागढ़ अभियान अंतर्गत संगीत नगरी में स्वच्छता को जनआंदोलन में बदलने श्रमदान अपनी मातृभूमि के नाम अभियान का शुभारंभ अमलीडीखुर्द वार्ड प्राथमिक शाला के खेल मैदान परिसर में कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, सीईओ जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष गिरिजा चंद्राकर, अब्दुल रज्जाक खान, पार्षदों की जनप्रतिनिधियों एवं सेवाभावी संस्थाओं से जुड़े स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर किया । श्रमदान के बाद विद्यालय परिसर को आत्मनिर्भर अभियान और नगर पालिका द्वारा गोद लिया गया । परिसर में गुलमोहर, बादाम और करंज सहित छायादार पौधे रोपे गए।

विधानसभा अध्यक्ष ने दिव्यांगजनों को 143 सहायक उपकरण का किया वितरण

दिव्यांगजन के दैनिक जीवन को सरल बनाने के लिए सहायक उपकरण होंगे उपयोगी : रमन सिंह

राजनांदगांव/नवप्रदेश। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के जन्म दिवस पर स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में जिला प्रशासन एवं समेकित क्षेत्रीय केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्राईसायकल, ट्राईसायकल, बैसाखी, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, स्वेज थ्रेडी, एमआर किट, सपोर्ट बैड सहित अन्य उपकरणों का वितरण किया। इसके साथ ही 20 विधवा महिलाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा योजना के तहत 20-20 हजार रूपए की सहायता प्रदान की गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि जिले में दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के

लिए छत्तीसगढ़ का एकमात्र समग्र क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाने के लिए सहायक उपकरण का वितरण किया गया है। जिसका दिव्यांगजन दैनिक जीवन में उपयोग जरूर करें। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को सभी जनप्रतिनधियों, वरिष्ठजनों एवं नागरिकों का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहेगा।

कार्यक्रम को पद्मश्री पुखराज बाफ्ना ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, उपाध्यक्ष जिला

दिव्यांगजनों को 143 सहायक उपकरणों का वितरण

सेवा पखवाड़ा के तहत जिला एवं विकासखंड स्तर पर 514 से ज्यादा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण किया गया और शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने दिव्यांगजनों को 143 सहायक उपकरणों का वितरण किया।

पंचायत श्रीमती किरण साहू, पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी, श्री कोमल सिंह राजपूत, श्री खूबचंद पारख, श्री संतोष अग्रवाल, श्री सौरभ कोठारी, भावेश बैद, श्रीमती रेखा मेश्राम, सुमीत उपाध्याय, कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार, निदेशक सीआरसी श्रीमती स्मीता महोबिया, अभिलाषा, उद्याचल, आस्था के सभी पदाधिकारीगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, दिव्यांगजन उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण के साथ छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा देने पर चर्चा

❒ महाविद्यालय में हुई आइक्यूएसी समिति की प्रथम सामान्य बैठक

महासमुंद/नवप्रदेश। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आइक्यूएसी समिति की प्रथम सामान्य बैठक हुई। बैठक में जनभागीदारी समिति के सदस्य महेश मक्कड़, पारस चोपड़ा ,मचेवा सरपंच प्रमिला ध्रुव, छात्र पालक प्रतिनिधि शशि कुमार सोनी , उदयन भारती , प्रीति मांझी, अंजलि अग्रवाल उपस्थित रहे। साथ ही आईक्यूएसी के इंटरनल मेंबर्स एसआर रात्रे लाइब्रेरियन, डॉ रीता पांडे विभाग अध्यक्ष इतिहास, डॉ नीलम अग्रवाल विभाग अध्यक्ष इकोनॉमिक्स, मनीराम धीवर विभाग अध्यक्ष फिजिक्स, अजय कुमार राजा विभाग अध्यक्ष वाणिज्य एवं डॉ अजय कुमार देवांगन विभाग अध्यक्ष कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं कुंदन देवांगन आईक्यूएसी समिति सदस्य बैठक में उपस्थित रहे। आइक्यूएसी डॉ मालती तिवारी ने स्वागत भाषण व बैठक के एजेंडा पर चर्चा की। आशुतोष पुरी गोस्वामी ने बैठक में एक्सटर्नल मेंबर्स को महाविद्यालय द्वारा पूर्व में प्राप्त किए गए नेक ग्रेडिंग की जानकारी देते हुए नेक फ्रेमवर्क में हुए महत्वपूर्ण बदलाव के बारे में जानकारी दी। बैठक में तय किया गया कि अगले असेसमेंट में महाविद्यालय मैच्योरिटी बेस्ड ग्रेडिंग एक्रीडिटेशन पद्धति से एसेसमेंट के लिए प्रयास करेगा। नेक प्रभारी डॉ नीलम अग्रवाल ने नेक में हुए संशोधन एवं दस एंट्रीब्यूट्स के बारे में सभी मेंबर्स को विस्तार से जानकारी दी। तय एजेंडा अनुसार बैठक में महाविद्यालय द्वारा अपनाए जाने वाले बेस्ट प्रैक्टिस तय किए गए। जिसमें पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चलाया जांच अभियान,लिए नमूने

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशन में अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय सोनी द्वारा गुरुवार को दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए जिले के कई प्रतिष्ठानो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान गुलाब जामुन सेव पापड़ी का कुल 95 नमूना लेकर मौके पर परीक्षण किया गया एवं दुर्गा स्वीट्स बलौदाबाजार में अमानक पाये गये 2 किलो ग्राम मिल्क केक को मौके पर नष्ट कराया गया। निरीक्षण टीम द्वारा आशु किराना स्टोर्स कसडोल, जायसवाल किराना कटगी, शिवांश मार्केटिंग कसडोल, प्रेम प्रकाश फूड्स भाटापारा, दुर्गा पल्सेंस भाटापारा से गुलाब जामुन मिक्स, मैदा, चना बेसन, सूजी, खाद्य तेल, घी, दाल, पोहा का नमूना संकलन कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला,

कालीबाड़ी रायपुर परीक्षण हेतु भेजा गया है। इसी तरह चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से मनमीत स्वीट्स बलौदाबाजार, दुर्गा स्वीट्स बलौदाबाजार, नीलकमल स्वीट्स बलौदाबाजार, रूपड़ा स्वीटस बलौदाबाजार, यादव होटल भाटापारा, साहू होटल भाटापारा, शहजादा डेली निड्स भाटापारा, शिफा बिरयानी सेंटर भाटापारा फर्मों का निरीक्षण कर बेसन लडडू, बुन्दी लड्डू, बादाम पेड़ा, कलाकंद, मिल्क केक, काजू कतली, गुलाब जामुन सेव पापड़ी का कुल 95 नमूना लेकर मौके पर परीक्षण किया गया एवं दुर्गा स्वीट्स बलौदाबाजार में अमानक पाये गये 2 किलो ग्राम मिल्क केक को मौके पर नष्ट कराया गया। निरीक्षण के दौरान होटल व रेस्टोरेंट, मिष्ठान्न भंडारो के खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सामग्रियों को ढ़ककर रखने, खाद्य परिसरों एवं खाद्य पदार्थों के निर्मित किये जाने वाले जगहों की सफाई व्यवस्था ठीक रखने, गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों का उपयोग मिठाईयों एवं नमकीन बनाने में प्रयोग करने, किसी भी निर्मित मिठाईयों या खाद्य पदार्थों में अखाद्य रंगों का का उपयोग नहीं करने साथ ही साथ किराना दुकानों में बिना बैच नम्बर, ऐसे खाद्य पदार्थों जिसमें निर्माण तिथि एवं अवसान तिथि अंकित नहीं हो विक्रय नहीं करने, अखबारी स्याही युक्त कागज में खाद्य पदार्थ नही परोसने हेतु निर्देशित किया गया है।

29 छात्राओं को सरस्वती साइकिल वितरित

खैरागढ़/नवप्रदेश। वनांचल ग्राम गातापार जंगल स्थित शाउमाशा मे निशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम क्षेत्रीय जिपं सदस्य अरूणा सिंह के मुख्यआतिथ्य मे संपन्न हूआ । कार्यक्रम में कक्षा 9 में अध्यनरत 29 बालिकाओं को राज्य सरकार के द्वारा निशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरण किया ।

आयुष्मान और वय वंदना कार्ड पंजीयन हेतु घर-घर पहुंच रही टीम

बलोदाबाजार/नवप्रदेश। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले के नगरीय निकायों में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा घर-घर जाकर आयुष्मान और वय वंदना कार्ड पंजीयन किया जा रहा है।टीमें घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क कर रही हैं तथा उनसे आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, आदि लेकर ऑन द स्पॉट पंजीयन किया जा रहा है। यह अभियान उन नागरिकों के लिए

विशेष रूप से उपयोगी है जो स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच नहीं बना पाते।

जिले में शासन की महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना और वय वंदना योजना के तहत घर-घर जाकर पंजीयन कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को पंजीकृत अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। यह सुविधा पात्र नागरिकों को उनके आयुष्मान और वय वंदना कार्ड के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

ग्रामीण आजीविका मिशन और यूको बैंक में ऋण को लेकर समझौता

बिलासपुर/नवप्रदेश। छ. ग. -राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग ने एसएचजी के लिए ऋण की सुविधा के लिए यूको बैंक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि छ. ग. -राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग और यूको बैंक ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ राज्य के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए

उद्यम वित्तपोषण की सुविधा के लिए एक समझौता ज्ञापनक्क (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। समझौता ज्ञापन पर श्री अश्विनी देवांगन (आईएएस), मिशन निदेशक सीजीएस आरएलएम एवम सुश्री वीणा कुमारी, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर, यूको बैंक ने हस्ताक्षर किए। यूको बैंक ने एक विशेष वित्तीय उत्पाद यूको नारी समृद्धि योजना शुरू की, विशेष रूप से एसएचजी महिला उद्यमियों के लिए तैयार की गयी है। यह पहल बैंक ऋण आवेदनों के लिए व्यापक प्रलेखन आवश्यकताओं से जुड़ी चुनौतियों को कम करने और टर्नअराउंड समय को कम करने के लिए डिज़ाइन की गई है। यह बहुत आसान और आकर्षक शर्तों पर राज्य भर में एसएचजी और महिला उद्यमियों के वित्तपोषण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

शैक्षणिक कार्यशैली ...

शिक्षा सुधार के प्रति दिखाया सख्त रुख और संवेदनशील दृष्टिकोण

जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहरिया ने किया भिनोदा स्कूल का निरीक्षण

सरसींवा (सारंगढ़-बिलाईगढ़)/नवप्रदेश। शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को लेकर निरंतर सक्रिय जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहरिया ने आज ग्राम पंचायत भिनोदा के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। डहरिया सर अपने कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासनप्रिय और परिणाममुखी कार्यशैली के लिए पूरे जिले में जाने जाते हैं। वे बिना पूर्व सूचना के स्कूलों का दौरा कर शिक्षकों की कार्यशैली और विद्यार्थियों की पढ़ाई की स्थिति का वास्तविक मूल्यांकन करते हैं। भिनोदा पहुँचने पर उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों

से सीधे संवाद किया और उनकी शैक्षणिक समझ व पठन-पाठन स्तर की परख की। कमजोर छात्रों के लिए शिक्षकों को अतिरिक्त कक्षा लेने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी बच्चे की शिक्षा प्रभावित न हो।

निरीक्षण के दौरान जर्जर भवन की स्थिति देखकर उन्होंने तत्काल उन कक्षाओं में बच्चों को न बैठाने के निर्देश दिए और भवन मरम्मत की आवश्यकता पर जोर दिया। डहरिया सर ने मिडिल स्कूल में दो शिक्षकों के एक साथ अवकाश पर रहने एवं एक शिक्षक के देर से आने पर नाराजगी जताते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जो शिक्षक और शिक्षिकाएँ समर्पण के साथ उत्कृष्ट शिक्षण कार्य कर रहे थे, उनकी खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ÷अच्छे शिक्षक ही मजबूत समाज की नींव होते हैं।÷

निरीक्षण के दौरान उनके साथ ग्राम पंचायत भिनोदा के सरपंच ब्रिज किशोर अजगल्ले भी मौजूद थे। डहरिया सर ने सरपंच व ग्रामीणों द्वारा स्कूल में निजी शिक्षक की व्यवस्था करने की सराहना करते हुए कहा कि ÷भिनोदा ग्राम ने शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल की है।÷ अंत में उन्होंने सरपंच श्री ब्रिज किशोर अजगल्ले को निर्देशित किया कि विद्यालय की सतत निगरानी करें और यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई जाए तो तुरंत सूचना दें।डहरिया सर के इस निरीक्षण से एक बार फिर यह संदेश स्पष्ट हुआ कि वे जिले में शिक्षा के स्तर को ऊँचाई तक पहुँचाने के लिए न केवल कठोर अधिकारी हैं बल्कि संवेदनशील शिक्षा-सेवक भी हैं।

ग्राम भोथली में संकुल स्तरीयबाल क्रीड़ा प्रतियोगिता सत्र 2025-26का आयोजन

गंड़ई/पंडरिया/नवप्रदेश। संकुल केंद्र गातापार वि ख छुईखदान जिला के सी जी के तत्वाधान में संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम भोथली में किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि नीलांबर वर्मा,विकासखंड शिक्षा अधिकारी जी सुधाकर,विकासखंड स्रोत समन्वयक दुष्यंत शर्मा, संकुल समन्वयक दशरथ भारती,सरपंच देवलसिंग छेड़ैया, पूर्वसरपंच,पंचगण , संकुल के अधीनस्थ सभी शालाओं के शिक्षक एवं प्रतिभागी बच्चे, पालक गण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

न्यूज गैलरी

चकरभाठा शाला प्रांगण में 50 पौधे रोपे गए

मुंगेली/नवप्रदेश। इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी के 50 हजार पौधा रोपण के लक्ष्य की शुरुआत आज 16 अक्टूबर को शासकीय प्राथमिक शाला चकरभाठा के प्रांगण से 50 पौधे रोपण कर किया गया। जिसमें बिलासपुर संभाग के प्रतिनिधि तुषार रंहगडाले, मुंगेली संभाग के प्रतिनिधि देवीलाल साहू, शासकीय प्राथमिक शाला चकरभाठा के प्रधान पाठक रामकुमार पैकरा, शिक्षक रोहित साहू, दिलेश्वर टोण्डे एवं ग्रामवासी और स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कंपनी के इस योजना का सभी ग्रामवासी एवं शिक्षकों ने सराहना किया।

73 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल की गई वितरित

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना के तहत आज जिला मुख्यालय स्थित पीएमश्री बी.आर.साव शासकीय हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 73 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू सहित स्थानीय विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री साहू ने कहा कि साइकिल से शिक्षा की राह आसान बनेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का उद्देश्य हर विद्यार्थी तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई कर नाम रोशन करने प्रोत्साहित किया। विधायक श्री मोहले ने भी विद्यार्थियों को पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने प्रेरित किया। इस दौरान गणमान्य नागरिक दीनानाथ केशरवानी, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला एवं उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों की उपस्थिति में साइकिल वितरण से छात्राओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

कुंभकार मोहल्ले में दीपावली की तैयारी तेज़, हर साल बिकते हैं हजारों दीये

दीपावली की रौनक बढ़ाने जुटे कुम्हार, मिट्टी के दीयों की बिक्री जोरों पर

मुंगेली/नवप्रदेश। दीपावली पर्व नजदीक आते ही बाजारों में मिट्टी के दीये बिक्री के लिए पहुंचने लगे है। कुंभकार मोहल्ले में घरों को रोशन करने मिट्टी के दीये गढ़े जा रहे हैं।

गणेश एवं दुर्गा प्रतिमाओं के बाद अब कुंभकार मोहल्ले में दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए दीये बनाने का काम जोरों पर चल रहा है। कुम्हार परिवारों ने दीपावली के लिए दीये बनाने का काम पखवाड़ा भर पहले से शुरू कर दिए हैं। दिए बनाने नगर के कुम्हार मोहल्ले में कई परिवार लगे हुए हैं। मिट्टी लाने से लेकर पकाने तक का काम पूरा परिवार मिलकर करता है। कुम्हार मिट्टी के दीये के साथ-साथ नांदी व लक्ष्मी की मूर्ति भी बना रहे हैं। हिन्दुओं का सबसे बड़ा त्योहार होने के कारण लोगों के घरों में आज भी इन दीयों से घर रोशन होते हैं। मिट्टी से बने दीये दीवाली में खूब बिकते हैं। कुंभकार मोहल्ले में 6-7 परिवार मिट्टी के दीये गढ़ने का काम करते है। एक परिवार द्वारा दीपावली त्यौहार के समय लगभग 10 से 12 हजार दीये बनाकर बिक्री किया जाता है।

दीये 15-20 रूपए दर्जन के हिसाब से बिक रहा है। हरीश कुंभकार ने बताया कि प्रतिवर्ष 10 से 12 हजार दीये की बिक्री हो जाती है। उन्होंने बताया कि पकाने के लिए लगने वाला भट्ठा एक ही दिन में खुल जाता है। लकड़ी, कंडा व पैरा डालकर 5 हजार दीये एक भट्ठी में लगाई जाती है। संतोष कुंभकार ने बताया कि दीये बनाने का काम 15-20 दिन पहले ही शुरू कर देते हैं। उन्होंने बताया कि छोटा दीया 10 रुपए में 12 नग, बड़ा दीया 5 रुपए नग व दीया स्थापित करने के लिए कलश (पोरहा) 20 रुपए नग है। कुंभकार मोहल्ला में अन्य लोगों में प्रकाश, प्रमोद मिट्टी के दीये बनाने में व्यस्त हैं। प्रमोद ने बताया कि दीये सैकड़े में बेचते हैं।

15-20 रुपए दर्जन की दर से बेचा जा रहा है। लाईट झालर के उपयोग बढ़ जाने से भी दीये का महत्व कम नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि पहले जितनी मात्रा में दीया बिक जाती थी। उतनी ही मात्रा में अभी भी दीया बिक जाता है। दीये की बिक्री गोल बाजार, सदर बाजार, बलानी चौक, पड़ाव चौक में सड़क के किनारे मिट्टी के दीये की दुकाने नजर आ रही है।

शक्ति नगर कोतवाली में शांति समिति की बैठक

त्यौहार में असामाजिक तत्वों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

सक्ती/नवप्रदेश। स्थानीय नगर कोतवाली में 16 अक्टूबर की रात लगभग 9:00 बजे शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, व्यवसायियों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया और शहर की सुरक्षा एवं सौहार्दबनाए रखने की अपील सभा की प्रमुख बैठकस्थल शक्ति नगर कोतवाली रही, जहां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिश यादव और नगर निरीक्षक लखन पटेल ने कहा कि किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी या वाद-विवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस अत्यधिक सतर्क रहेगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि तीन सवारी मोटरसाइकिल चलाने वालों के विरुद्ध त्वरित कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।जन प्रतिनिधियों ने भी दीपावली के अवसर पर शांति बनाए रखने की अपील की

और आम नागरिकों से शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की विनम्रता से अपील की। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्थाओं को सुरक्षित रखने के लिए निर्देशित किया गया कि भीड़-भाड़ वाले इलाकों में गाड़ियाँ न रोकें ताकि आवागमन में बाधा न आए। नवयुवकों से विशेष तौर पर अनुरोध किया गया कि वे तीन सवारी वाहन नहीं चलाएं और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में गति धीमी रखें ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस महत्वपूर्ण अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल,ईश्वर लोधी शक्ति प्रेस क्लब शक्ति के अध्यक्ष,अशोक अग्रवाल (वरिष्ठ पत्रकार) कन्हैया गोयल,शम्स तबरेज खान (शक्ति प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष) सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश श्रॉफ,आलोक श्रॉफ राजीव लोचन (पत्रकार),मोहन देवांगन (पत्रकार) अनिल अग्रवाल (सत्य विद्या ज्वेलर्स), सुधीर शराफ, संदेश सराफ,मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष मनीष कथुरिया, चंद्र कुमार सोनी (सरपंच, टेमर),रथ राम पटेल अधिवक्ता और भारी संख्या में अन्य गणमान्य नागरिक भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान स्थानीय प्रशासन और शांति समिति ने दीपावली पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा और सुगम यातायात बनाये रखने के लिए ठोस मार्गदर्शक सिद्धांतों व कदमों पर सहमति व्यक्त की। आगे भी अपराध-रोधी एवं यातायात नियमों के कड़ाई से पालन के लिए समन्वित कार्ययोजना लागू की जाएगी।

तीन सवारी मोटरसाइकिल की सवारी ना करें; यदि आवश्यक हो तो वैकल्पिक सुरक्षित वाहनों का चयन करें। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में वाहन धीरे चलाएं और निर्धारित पार्किंग व्यवस्था का पालन करें। दीपावली उत्सव के दौरान शांति, भाईचारा और सावधानी का भाव बनाए रखें। यह बैठक शहर में शांतिपूर्ण दीपावली मनाने के लिए एक सकारात्मक कदम के रूप में देखी जा रही है, जिसमें पुलिस प्रशासन, नागरिक प्रतिनिधि और मीडिया सभी एकजुट होकर शहर की सुरक्षा व सौहार्द को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं।

जर्जर पाइप लाइन और अधूरी व्यवस्था से जूझ रहे ग्रामीण

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम पौनी में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत उत्पन्न समस्याओं के समाधान हेतु ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन दिया। ग्राम पंचायत पौनी में जल जीवन मिशन एवं नल-जल प्रदाय योजना के तहत पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। किंतु वर्तमान में इस योजना के संचालन में अनेक तकनीकी एवं संरचनात्मक समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं, जिसके कारण ग्रामवासियों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल प्राप्त नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मोटर पंप से लगभग 400 मीटर की दूरी पर स्थापित राइजिंग मेन पाइप लाइन पूरी तरह से जर्जर एवं क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे पानी टंकी तक नहीं पहुंच पा रहा है। उक्त पाइप लाइन को बदलना अत्यंत आवश्यक हो गया है ताकि टंकी में पर्याप्त मात्रा में पानी भरा जा सके। ग्राम में बिछाई गई पाइप लाइन जगह-जगह से लीकेज हो गई है, जिसके कारण पानी की सप्लाई लगातार बाधित हो रही है। ग्राम की कई गलियों में अब तक पाइप लाइन बिछाई ही नहीं गई, जिससे अनेक परिवार इस योजना के लाभ से वंचित हैं। जिन गलियों एवं घरों में अभी तक नल कनेक्शन नहीं पहुंचा है, वहां शीघ्र नया कनेक्शन प्रदान किया जाएं। ग्राम पौनी के सैकड़ों परिवार इस योजना पर निर्भर हैं। पाइप लाइन की खराबी एवं अधूरी व्यवस्था के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में जल जीवन मिशन की मूल भावना हर घर जल अधूरी साबित हो रही है। ग्रामीणों ने मांग किया है कि ग्राम पौनी की उपरोक्त समस्याओं को प्राथमिकता से संज्ञान में लेते हुए जर्जर पाइप लाइन का तत्काल नवीनीकरण कराया जाएं।

छत्तीसगढ़ शासन, जल ससांधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रायगढ़ जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

जल संसाधन संभाग अंतर्गत आमंत्रित निविदा में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है, विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

विज्ञापन क्रमांक	सिस्टम नं.	निविदा आमंत्रण नं. एवं दिनांक	संशोधन
(1) 252603978	177066, 177074, 177076	25,26,27/ SAC date 06.10.2025	1. Form B:- Page No. 29 & Prequalification Document Page No. 13 Annexure-I,1.1 physical Turnover: Should have executed minimum satisfactory quantum of work worked out as under in any one year during the last five year form 2019-2020 to 2023-2024 for similar nature and magnitude of main item of works involved in the contract 2. Prequalification document :- Page No.10, 3.6 The turnover of years prior to 2019-2020 to 2023-2024 shall be given weight-age ot 10% per year to bring them to price level of 2019-2020 to 2023-2024.
(2) 252604102	177398 177399 177400	28,29,30/ SAC Date 10.10.2025	

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग रायगढ़ (छ.ग.)
कृते- मुख्य अभियंता
हसदेव कछार
जल संसाधन विभाग बिलासपुर (छ.ग.)

जी-252604252

हज़ारों परिवारों को मिला नि:शुल्क उपचार का लाभ

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में संचालित आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना ने आमजनों को निःशुल्क उपचार का सशक्त अधिकार दिया है। जन-कल्याण के उद्देश्य से प्रारंभ आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत जिले में लगातार उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रतिवर्ष 05 लाख रूपए तक का निःशुल्क उपचार सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपलब्ध है। इस योजना से अब तक जिले के हजारों परिवार आर्थिक बोझ से मुक्त होकर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना केवल स्वास्थ्य सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा का भी सशक्त माध्यम है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का हर पात्र व्यक्ति इस योजना से जुड़कर निश्चिंत और सुरक्षित जीवन जी सके। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य अमले और पंचायत स्तर पर निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे प्रत्येक पात्र परिवार तक योजना का लाभ पहुँच सके। ''हर हाथ में आयुष्मान कार्ड'' का लक्ष्य साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य जारी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि जिले में अब तक 07 लाख 70 हजार 40 आयुष्मान भारत कार्ड बनाए जा चुके हैं, इनमें मुंगेली विकासखण्ड में 02 लाख 87 हजार 388 कार्ड, लोरमी विकासखण्ड में 02 लाख 90 हजार 854 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं पथरिया विकासखण्ड में 01 लाख 91 हजार 798 आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है, जो कि पात्र परिवारों का 92.63 प्रतिशत है। इस उपलब्धि के साथ आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में मुंगेली जिला ने राज्य में 23वें से 8वें स्थान पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे ने बताया कि कलेक्टर कुन्दन कुमार ने योजना की सफलता को जनभागीदारी से जोड़ते हुए हर ग्राम पंचायत में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित कराए। स्वास्थ्य विभाग, पंचायत प्रतिनिधियों, मितानिनों और आयुष्मान मित्रों के सहयोग से यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे। जिले में शतप्रतिशत लोगों को आच्छादित आयुष्मान सप्ताह मनाया गया, इस महाभियान के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पूरी तत्परता से घर-घर जाकर, शिविर व स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

कार्यालय अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडेमिक इंचार्ज
डी.के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्युट एवं रिसर्च सेन्टर रायपुर (छ.ग.)
(वेबसाईट-www.pgiraipur.org ई-मेल dkspgi@gmail.com)
क्रमांक 5650/ डी.के.एस.रा./ स्टोर (उपकरण)/2025 रायपुर, दिनांक 15/10/2025

ऑनलाईन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

दाऊ कल्याण सिंह स्नातकोत्तर संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, रायपुर छ.ग. के विभिन्न वार्डों मे स्थापित 18 नग हेमिलटन वेन्टीलेटर मॉडल C2 एवं C3 मशीनो के मरम्मत कार्य हेतु ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रित की जाती है। हेमिलटन वेन्टीलेटर मशीनो को अभ्यर्थी द्वारा कार्यालीन समय सुबह 10:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक निरीक्षण किया जा सकता है। उक्त निविदा ऑनलाईन द्वारा दिनांक 17.10.2025 से आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध मे विस्तृत विवरण छ.ग. शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल व विभागीय वेबसाइट www.dkspgi.in मे देखा व डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

निविदा की प्रारंभिक तिथी - 17/10/2025 से प्रारंभ
प्री बिड मिटिंग तिथी - 28/10/2025 दोपहर 01.00 बजे
ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि- 06/11/2025 दोप. 2.00 बजे तक
भौतिक दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि-06/11/2025 शाम 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथी -07/11/2025 दोपहर 01.00 बजे
निविदा खोलने का स्थान - कार्यालय, अस्पताल अधीक्षक, डी.के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर, घड़ी चौक, रायपुर (छ0ग0)

अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडमिक इंचार्ज
डी. के. एस. पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट एवं रिसर्च सेंटर
रायपुर (छ. ग.)

जी- 252604241/2

जोन स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का हुआ आयोजन

लखनपुर/नवप्रदेश। शासन प्रशासन के मंशानुरूप खेल विधा को आगे बढ़ाने के मकसद से जोन स्तरीय सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन हाई स्कूल साक्षरता मिनी स्टेडियम लखनपुर में 16 अक्टूबर दिन गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। जिसमे विभिन्न सकूलो के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतो के 15 से 29 वर्ष के बालक बालिकाओं का रस्सी कूद,पिठुल, गेड़ी दौड रस्साकसी , वालीवाल कबड्डी,फूटबाल, दौड 100 मीटर एवं 200 मीटर गोला-फेंक,का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जोन स्तरीय खेल प्रभारी मनोज तिवारी, (सहायक खंड शिक्षा अधिकारी) नोडल अधिकारी अरविंद गुप्ता, (मंडल संयोजक) समस्त सीएससी एवं पीटीआई का सराहनीय योगदान रहा।

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
प्लाट न. 15 ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075

संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को अध्येतावृत्ति (फेलोशिप) प्रदान करने की योजना वर्ष 2025-26

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, संस्कृति से संबंधित प्रदर्शनकारी, रूपंकर व साहित्यिक कलाओं तथा नए क्षेत्रों में शोध - उन्मुख परियोजनाओं के परिचालन हेतु कनिष्ठ एवं वरिष्ठ अध्येतावृत्ति के लिए **ऑफलाइन** आवेदन - पत्र आमंत्रित करता है।

आवेदन - पत्र वर्ष 2025-26 के लिए आमंत्रित किए जा रहे हैं, जो दिनांक **18 अक्टूबर, 2025** से प्रभावी होंगे। इस वर्ष में दी जाने वाली कनिष्ठ अध्येतावृत्ति की संख्या क्रमशः 200 एवं वरिष्ठ अध्येतावृत्ति की संख्या भी 200 है। योजना का विवरण, आवेदकों हेतु निर्देश, योग्यता एवं शर्तें तथा आवेदन पत्र का स्वरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र की निम्न वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं -

www.indiaculture.gov.in
www.ccrtindia.gov.in

आवेदन - पत्र सिर्फ **ऑफ-लाइन** माध्यम द्वारा ही स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन पत्र पूरी तरह से भर कर डाक अथवा दस्ती आदि द्वारा उपर दिये गये सीसीआरटी, नई दिल्ली के पते पर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **01 दिसम्बर, 2025** है।

cbc 09127/12/0003/2526

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
Pho no.0771-2535780,90, Fax. 077172227395, Email- dc rmc@rediffmail.com

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक/262/का.अ./फि.प्लांट/न.नि./25 रायपुर, दिनांक 17/10/2025

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा नगर निगम एवं अन्य शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विभागों में कार्य के अनुभवी एवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्म से निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित समयावधि में सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सभी सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट/ पंजीकृत डाक से कार्यपालन अभियंत, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर को प्रेषित की जावेगी। निविदा खोलने के समय ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। विवरण निम्नानुसार है :-

1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय - 31/10/2025 सायंकाल 5.00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा जारी करने की अंतिम तिथि - 03/11/2025 सायंकाल 2.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 04/11/2025 सायंकाल 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 07/11/2025 सायंकाल 4.00 बजे तक

क्र.	विवरण	प्राक्कलन राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	प्रपत्र का प्रकार
1	फिल्टर प्लांट में स्थापित क्लोरिनेटर्स के स्पेयर पार्टस क्रय करने बाबत्।	8,53,494.00	30,000.00	750.00	03 माह	''B''

निविदा की शर्तें :-

1. निविदा से संबंधित अन्य शर्तें एवं जानकारी कार्यालीयन तिथि/समय में फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर रावणभाठा से प्राप्त की जा सकती है।
2. अमानती राशि (FDR) आयुक्त महोदय, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।
3. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त न.पा.नि. रायपुर को होगा।
4. निविदाकारों को लिफाफा ''अ'' में अमानत राशि का FDR निविदा प्रपत्र के मूल्य का DD एवं Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/3 year tax return इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना होगा तथा लिफाफा ''ब'' में निविदा दर, डाउनलोड किए गए निविदा प्रपत्र में अंकों एवं शब्दों में स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। निविदा दर में कांट-छांट नहीं होना चाहिए। दोनों लिफाफा को एक अलग से बड़े लिफाफा में भरकर सीलबंद कर जमा करना होगा।
5. निविदाकारों को लिफाफा ''अ'' में अमानती राशि का FDR निविदा प्रपत्र के मूल्य का DD एवं Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/3 year tax return इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि सही पाये जाने के उपरांत ही लिफाफा ''ब'' खोला जावेगा।
6. इसके अलावा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट http://nagarnigamraipur.nic.in से भी डाउनलोड कर निविदा डाल सकते हैं। डाउनलोड करने में निविदा की राशि निविदा के साथ डी.डी. के रूप में जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र कार्यपालन अभियंता, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर रावणभाठा को प्रेषित करना होगा।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
फिल्टर प्लांट
नगर पालिक निगम, रायपुर

धनतेरस आज, सुख-समृद्धि की कामना के लिए मुहूर्त का रखें ध्यान

आज होगी धनवंतरि देवी की पूजा, धनतेरस पर नई चीजें खरीदना शुभ, सोना-चांदी खरीदना धन-समृद्धि का प्रतीक

बिलासपुर/नवप्रदेश। दीपावली महापर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है, जिसे धन त्रयोदशी भी कहा जाता है। यह दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा के लिए माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिन किए गए धार्मिक कर्म, पूजा और खरीदारी अत्यंत शुभ और फलदायी माने जाते हैं। इस वर्ष धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। बाजार में धनतेरस को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरुआत धनतेरस के साथ शुरु हो जाती है। इस साल यह पर्व 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। पंडित जागेश्वर अवस्थी ने बताया कि धनतेरस पर नई चीजें खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। इससे धन में 13 गुना वृद्धि होती है सोना और चाँदी धन-समृद्धि का प्रतीक। चांदी के सिक्के या बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। नए बर्तन पीतल, तांबे या कांसे के बर्तन खरीदना शुभ होता है। ध्यान दें कि बर्तन खाली न लाएँ, घर में प्रवेश से पहले उसमें अनाज या पानी भर लें। झाड़ू झाड़ू को माँ लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसे खरीदने से घर की दरिद्रता दूर होती है और नकारात्मकता बाहर जाती है। धनिया (साबुत) धन में वृद्धि का संकेत माना जाता है। पूजा में चढ़ाकर कुछ दाने गमले में बोना शुभ होता है। लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति दिवाली पूजा के लिए मिट्टी या धातु की नई मूर्तियाँ खरीदना शुभ होता है। कुबेर यंत्र श्री यंत्र इसे घर की तिजोरी या धन स्थान पर रखने से धन-वैभव की प्राप्ति होती है। गौमती चक्र कौड़ी इन्हें खरीदकर पूजा करने और तिजोरी में रखने से धन की कमी नहीं होती। धनतेरस पर मुख्य रूप से भगवान धन्वंतरि, माँ लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा की जाती है।

घर की अच्छे से सफाई करें। मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएँ और दीप जलाएँ। पूजा की तैयारी घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में एक चौकी पर लाल पीला वस्त्र बिछाएँ। भगवान धन्वंतरि, माँ लक्ष्मी, कुबेर देव और गणेश जी की प्रतिमा चित्र स्थापित करें। सबसे पहले गणेश जी की पूजा करें फिर सभी देवी-देवताओं को फल, फूल, मिठाई, हल्दी, कुमकुम और अक्षत अर्पित करें। इस दिन खरीदी गई नई वस्तुओं को भी पूजा में रखें।

श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पूरय पूरय नमः का जाप करें। यम दीप दान (संध्या काल में धनतेरस की शाम को घर के मुख्य द्वार पर, दक्षिण दिशा की ओर मुख करके, सरसों के तेल का चार मुख वाला यम दीपक जलाया जाता है। यह यमराज के लिए होता है, जिससे अकाल मृत्यु का भय दूर होता है।

लक्ष्मी पूजा में शुभ मुहूर्त

रतनपुर भैरव बाबा मंदिर के पंडित जागेश्वर अवस्थी ने बताया कि दीपावली (लक्ष्मी पूजा) का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर, सोमवार को रहेगा। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी पूजा के लिए प्रदोष काल सबसे शुभ माना जाता है। मुहूर्त समय (20 अक्टूबर , सोमवार) अवधि लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 07.08 बजे से रात्रि 08.18 बजे तक 1 घंटा 11 मिनट, प्रदोष काल शाम 05.46 बजे से रात्रि 08.18 बजे तक, वृषभ काल (स्थिर लग्न) शाम 07.08 बजे से रात्रि 09.03 बजे तक निशिता काल (महानिशीथ काल) रात्रि 11.41 बजे से 21 अक्टूबर को 12.31 बजे तक धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर, शनिवार को मनाया जाएगा। यह दिन धन, समृद्धि और आरोग्य के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

न्यूज गैलरी

स्काउट्स व गाइड्स का दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू के निर्देशानुसार, राज्य स्तरीय लीडर ट्रेनर, सहायक लीडर ट्रेनर, जिला सचिव, जिला प्रशिक्षण आयुक्त एवं जिला संगठन आयुक्त (स्काउट-गाइड) हेतु दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला राज्य प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, शंकर नगर, रायपुर में 15 से 16 अक्टूबर तक संपन्न हुई। कार्यशाला में जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त स्काउट विजय कुमार टांडे के मार्गदर्शन में जिले से प्रतिनिधिगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विजय कुमार यादव से एसओसी, एलटी स्काउट, मानू राम रजक एएलटी स्काउट, देवब्रत मिश्रा एएलटी स्काउट, संतोष कुमार त्रिपाठी डीटीसी स्काउट, महेन्द्र बाबू टंडन डीटीसी स्काउट, लता यादव जिला सचिव, माधुरी यादव डीटीसी गाइड, बीना यादव एएलटी गाइड, कल्पना सिंह एएलटी फ्लॉक, लक्ष्मी बृजवासी एएलटी फ्लॉक डॉ. पूनम सिंह डीओसी गाइड मौजूद थे। कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण, अनुभव साझा करने तथा संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर विशेष चर्चा की गई।

पीड़ित बोला- सरकारी क्वार्टर में बुलाकर डराया-धमकाया, मुख्यमंत्री व गृहमंत्री से शिकायत

एक लाख रुपए रिश्वत लेते आरक्षक का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

बिलासपुर/नवप्रदेश। रिश्वत लेते हुए आरक्षक का वीडियो वायरल हुआ है। बदमाश के परिजनों से आरक्षक रिश्वत लेते दिख रहा है । जेल नहीं भेजने के एवज में आरक्षक पर रिश्वत लेने का आरोप लगा है। पुलिस अधिकारियों के द्वारा मामले में जांच की बात कही गई है।

मिली जानकारी के अनुसार आरक्षक पचपेड़ी थाना में पदस्थ है। आरक्षक का नाम गजपाल जांगड़े है। उसने बदमाश के परिजनों से रिश्वत ली थी। आरोप है कि गुंडा बदमाश लिस्ट में नाम होने का दावा कर आरक्षक बदमाश के परिजनों पर जेल भेज देने का दबाव बनाकर रकम की मांग कर रहा था। जिससे डरे हुए परिजनों ने रुपए देना स्वीकार कर लिया। आरक्षक पैसे लेने के लिए आरोपी के घर मानिकचौरी पहुंचा था। यहां घर में ही आरक्षक ने रिश्वत की रकम ली। जिसका बदमाश के परिजनों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में साफ़ देखा जा सकता है कि आरक्षक किस तरह कैश गिन रहा है। पैसे कम ना हो इसके लिए आरक्षक बार-बार नोट गिनते दिख रहा है। वीडियो में पैसा गिनते हुए दिखने वाले आरक्षक का नाम गजपाल जांगड़े बताया जा रहा है,जो पचपेड़ी थाना में पदस्थ हैं। सोशल मीडिया में रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल होने पर अधिकारियों ने इसे संज्ञान में लिया है। हालांकि राज्यपाल के बिलासपुर दौरे की वजह से पुलिस विभाग के अधिकारी प्रोटोकॉल ड्यूटी में व्यस्त थे। इस मामले में एडिशनल एसपी ग्रामीण अर्चना झा ने कहा कि वायरल वीडियो जानकारी में आया है। इसके लिए जांच करवाई जाएगी। मामले की सत्यता पाई जाती है तो निश्चित तौर पर विभाग सख्त से सख्त कार्यवाही करेगा। पीड़ित जोगी नायक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर शिकायत की है। आरक्षक गजपाल जांगड़े, अजय मधुकर, मुरीत बघेल और हरवेंद्र खुंटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जमीन गिरवी रखकर पत्नी ने दिए पैसे

पीड़ित जोगी नायक ने बताया कि मेरो को चारों पुलिसकर्मियों ने डरा-धमकाकर थाना परिसर में बंद कर दिया। मुझसे जबरन 2 लाख रुपए की मांग की। मुझे छुड़ाने के लिए मेरी पत्नी कामिनी नायक ने जेवरात और जमीन गिरवी रखकर कैश 1 लाख 5000 रुपए दिए। पीड़ित ने बताया कि पुलिसवालों को पैसे देते वक्त वीडियो भी बनाया गया था। इसी के आधार पर पीड़ित नायक ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद भी धमकी देने का आरोप है।

देवराज का युवा विजन इंडिया में राज्य समन्वयक के रूप में चयन

बिलासपुर/नवप्रदेश। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर (इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर) के बी.एससी. कृषि तृतीय वर्ष के मेधावी छात्र देवराज का चयन प्रतिष्ठित संस्था युवा विजन इंडिया के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य समन्वयक के रूप में किया गया है। युवा विजन इंडिया के भर्ती निदेशालय द्वारा जारी सूचना 17 अक्तूबर के अनुसार, देशभर से चयनित ग्यारह उत्कृष्ट उम्मीदवारों में से देवराज का नाम छत्तीसगढ़ से एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में शामिल है। इस नियुक्ति के अंतर्गत देवराज को छत्तीसगढ़ राज्य में युवा विजन इंडिया की विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता अभियानों के संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष की लहर दौड़ गई है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एन. के. चौरे ने देवराज को बधाई देते हुए कहा कि

यह सफलता न केवल विद्यार्थी की प्रतिभा और समर्पण का परिणाम है, बल्कि हमारे संस्थान के शैक्षणिक एवं नैतिक मूल्यों की भी झलक प्रस्तुत करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देवराज अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, वैज्ञानिक, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं ने भी देवराज की इस उपलब्धि पर अपार हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। संस्था के बारे में युवा विजन इंडिया एक राष्ट्रीय स्तर की युवा संगठनात्मक संस्था है जो देशभर में युवाओं को सामाजिक नेतृत्व, जन-जागरूकता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और कौशल विकास के क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है।

निष्क्रिय बैंक खातों की 133 खातेदारों की 1.40 करोड़ राशि लौटाई गई

बिलासपुर/नवप्रदेश। वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार आपकी पूंजी आपका अधिकार के अंतर्गत वित्तीय विभागों में 10 वर्षों से अधिक निष्क्रिय एवं दावा रहित डिफ खातों के सक्रिय एवं त्वरित निपटान हेतु जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभा भवन में वृहत कैंप का आयोजन लीड बैंक कार्यालय भारतीय स्टेट बैंक बिलासपुर के द्वारा किया गया। शिविर में विभिन्न बैंकों द्वारा निष्क्रिय खातीदारों से संपर्क करते हुए कुल 133 निष्क्रिय खातों में राशि रु 1.40 करोड़ का निपटारा किया गया। कैम्प में विशेष रूप से सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल ने कहा कि आपकी पूँजी आपका अधिकार भारत सरकार के इस अभिनव पहल के तहत बैंकों के द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय है। उन्होंने बैंकों से इस मुहीम को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक खातेदार हैं, जिन्हें ज्ञात भी नहीं है कि उनकी राशि बैंकों में वर्षों से जमा है। बैंकों के लिए निसंदेह उन खातेदारों को पता लगाना कठिन अवश्य है, परन्तु ऐसे कार्य से बैंक अनेक खातेदारों को लाभान्वित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक की कलेक्टोरेट शाखा ने जिला पंचायत बिलासपुर के तीन खातों में रु.31 लाख से अधिक रकम लौटाया । साथ ही निष्क्रिय खातेदार दुलारिन बाई को रु.7.49 लाख वापस करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बैंक से जारी प्रमाण पत्र वितरण किया। कैम्प में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूको बैंक, युनियन बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, आईडीबीआई, यस बैंक, बंधन बैंक, जीवन बीमा निगम, एसबीआईलाइफ आदि विभिन्न शाखाओं के अधिकारीगण उपस्थित होकर अपने अपने सम्बंधित निष्क्रिय खातीदारों से संपर्क करते हुए कुल 133 निष्क्रिय खातों में राशि रु.140.01 लाख का निपटान किया।

लाभान्वित करने हो प्रयास: सोनी

भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय प्रबंधक क्षेत्र- एक बिलासपुर के अविनाश सोनी ने अपने उद्बोधन में इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक निष्क्रिय खातों के निपटान कर खातेदारों को लाभान्वित करते हुए इस हेतु निरंतर प्रयास करने को कहा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बिलासपुर को तीन खातों के रकम वापसी का प्रमाण पत्र सुपुर्द किया। कैंप में नाबार्ड के सहायक महाप्रबंधक अशोक साहू भी उपस्थित थे।

---

10 दिसम्बर को स्थानीय अवकाश घोषित

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान दिवस 10 दिसम्बर को जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। पूर्व में 21 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा के अवसर पर घोषित स्थानीय अवकाश के दिन को राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। इसलिए 21 अक्टूबर को घोषित अवकाश को जिला प्रशासन ने निरस्त कर दिया है। इसके बदले में 10 दिसम्बर शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान दिवस को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

विप्र कॉलेज ने मंत्री तोखन साहू को दी जन्मदिन की बधाई

बिलासपुर /नवप्रदेश। अट्ठारहवीं लोकसभा बिलासपुर के सांसद वर्तमान में प्रधानमंत्री के मंत्री मंडल में आवास एवं शहरी कार्य मंत्री है के जन्म दिन पर डी.पी. विप्र महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी है। जन्मदिन के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन सी.एन.डी. ग्राउण्ड में किया गया। उक्त कार्यक्रम में मंत्री तोखन साहू का डी.पी. विप्र महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. एमएस तम्बोली ने बुके से स्वागत किया। कॉलेज के रासेयो के छात्र-छात्राओं द्वारा मराठी, राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुती दी गई। तोखन साहू का जन्म 15 अक्टूबर 1969 को ग्राम डिंडोरी, जिला मुंगेली में हुआ। 2013 में प्रथम बार विधानसभा चुनाव में निर्वाचित हुए 2014-15 में महिला एवं बालकों के कल्याण समिति के सदस्य बनाये गये साथ-साथ प्रत्यायुक्त विधान समिति छत्तीसगढ़ विधान सभा भी नियुक्त किये गये। 2015 में छत्तीसगढ़ शासन के संसदीय सचिव के रूप में कार्य किया। 2005 में जनपद सदस्य चुने गये थे, 2012 में आप जिल सहकारी बैंक के प्रतिनिधि चुने गये थे। 2013 के छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनाव में लोरमी विधान सभा के सीट से विधायक चुने गये। 2024 के लोकसभा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और बिलासपुर के सांसद चुने गये। उनके जन्मदिन के अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, प्रशासन समिति के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. अंजू शुक्ला, रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष तिवारी, डॉ. निधीष चौबे, डॉ. ए. श्रीराम, एस.आर. चन्द्रवंशी, तोरण यादव सहित महाविद्यालय के पूरे परिवार द्वारा जन्मदिन की शुभकामनायें दी गई।

पार्टी संगठन को मजबूत बनाना व नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना उद्देश्य: चंद्राकर

'आप' की लोकसभा, विधानसभा और जिलेवार कार्यकर्ता बैठक आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष ईश्वर चंदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि आम आदमी पार्टी द्वारा लगातार पिछले 4 से 5 महीना में संगठन विस्तार पूरे प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। उसी कड़ी में पिछले 15 दिनों में लोकसभा, विधानसभा और जिले वार पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक प्रदेश के हर जिले में संपन्न हुई है। इसी क्रम में आज बिलासपुर में भी कार्यकर्ता बैठक संपन्न हुई। इस कार्यकर्ता बैठक से निश्चित ही छत्तीसगढ़ में पार्टी मजबूत हो रही और आने वाले चुनौती के लिए तैयार भी हो रही है।

आम आदमी पार्टी द्वारा दीपावली/छठ त्यौहार मनाने के बाद प्रदेश नेतृत्व के साथ छत्तीसगढ़ के जिलों में फिजिकल मीटिंग साथी बैठक की जाएगी। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष बिलासपुर खगेश चंद्राकर ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य हर जिले में पार्टी संगठन को मजबूत करना और नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना रहा। प्रदेश के हर जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की समस्याओं पर मंथन किया जिसमें यही बात निकलकर आयी कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा स्वास्थ्य सड़क बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं और कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति है जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति तो बेहद चिंताजनक है। आने वाले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी प्रदेशभर में आम जनता से जुड़े बिजली दर वृद्धि और ख़राब स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा आंदोलन जनता के साथ मिलकर करेगी।

सिद्ध बाबा आश्रम के भक्तों ने अरुण साव से की सड़क की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। श्री सिद्ध बाबा अद्वैत परमहंस आश्रम बेलगहना में जहां लाखों की तदाद में श्रद्धालु भक्तो का पूरे वर्ष में आना जाना लगा रहता है एवं सभी श्रद्धालु भक्तों का अस्था का केंद्र बना हुआ है। जहां की मुख्य वाहन मार्ग जर्ज़र हो चुका है, इस सन्दर्भ में आश्रम के शिष्य लोग उपमुख्यमंत्री से मिलकर जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग किए,उपमुख्यमंत्री जी ने कहा की आश्रम एवं स्वामी से मेरा गहरा लगाव है, साथ ही बहुत जल्द पूज्य स्वामीजी की दर्शन के लिए आने की इच्छा जताई और कहा पूज्य स्वामी जी महाराज का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद मिलता रहा है। उपमुख्यमंत्री ने अश्वासन देते हुए कहा की बहुत जल्द ही आप लोगो की मांग को पुरा किया जायेगा।

खेल

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के दूसरे दिन किया शानदार प्रदर्शन

बेसबॉल व कबड्डी में बिलासपुर, तो कराते में रायपुर संभाग का दबदबा

बिलासपुर/नवप्रदेश। 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर में 15 से 18 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी एवं बेस बॉल में बिलासपुर संभाग ने बाजी मारी वहीं कराते में रायपुर संभाग का दबदबा रहा।

खेल प्रतियोगिता के परिणाम में कबड्डी - 14 वर्ष बालिका- सरगुजा जोन विरुद्ध रायपुर जोन, सरगुजा- 9अंको से विजयी, कब्बडी-14 वर्ष बालक- बस्तर जोन विरुद्ध दुर्ग जोन बस्तर- 2 को मे विजयी , रायपुर विरुद्ध सरगुजा - रायपुर 46 अंको से विजयी, कबड्डी -17 वर्ष बालिका दुर्ग विरुद्ध रायपुर- दुर्ग 19 अंक से विजयी, बस्तर विरुद्ध सरगुजा - बस्तर 58 अंको से विजयी, बिलासपुर विरुद्ध रायपुर- बिलासपुर 55अंको से विजयी, कबड्डी 17 वर्ष बालक, बिलासपुर विरुद्ध सरगुजा - बिलासपुर 64 अंको से विजयी, दुर्ग विरुद्ध रायपुर ,रायपुर-1अंको से विजयी, 14 वर्ष बालिका, दुर्ग विरुद्ध रायपुर दुर्ग 32 अंको से विजयी, बस्तर विरुद्ध सरगुजा - बस्तर 38 अंको से विजयी, 17 वर्ष बालक, बिलासपुर विरुद्ध बस्तर - बिलासपुर 53 अंको से विजयी, रायपुर विरुद्ध सरगुजा - रायपुर 13अंको से विजयी, दुर्ग विरुद्ध बस्तर - दुर्ग 17 अंको से विजयी, बेस बॉल- परिणाम 19 वर्ष बालक, दुर्ग विरुद्ध सरगुजा, विजेता- दुर्ग, बिलासपुर विरुद्ध रायपुर - बिलासपुर विजेता, परिणाम 19 वर्ष बालिका बस्तर विरुद्ध सरगुजा - बस्तर विजेता, बिलासपुर विरुद्ध रामपुर - बिलास पुर विजेता, दुर्ग विरुद्ध सरगुजा - दुर्ग विजेता, बालिका 17 वर्ष, सरगुजा विरुद्ध रायपुर, विजेता सरगुजा, दुर्ग विरुद्ध बस्तर, विजेता बस्तर, बालिका 14 वर्ष बस्तर विरुद्ध रायपुर, विजेता बस्तर दुर्ग विरुद्ध रायपुर, विजेता दुर्ग बालक 14 वर्ष, बस्तर विरुद्ध रायपुर, बिलासपुर विरुद्ध बस्तर विजेता बिलासपुर रहा।

भोजन, पेयजल सहित मिल रही सभी सुविधाएं

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 5 संभाग के विभिन्न जिलों से आए 1060 खिलाड़ियों एवं 100 कोचों ने भाग लिया है। बेसबाल, कबड्डी एवं कराते जैसे खेल विधाओं में 14 से 19 वर्ष के खिलाड़ी अपना दमखम दिखा रहे है। जिला प्रशासन, शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों के लिए रहने, खाने, आवागमन सहित अन्य सभी समुचित व्यवस्थाएं की गई है।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल ने दीपावली पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर/ नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका ने दीपों के पंचपर्व, धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के अवसर पर प्रदेश एवं

देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल श्री डेका ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पर्व हमारी समृद्ध और वैभवशाली भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। यह त्यौहार समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि दीपों की उज्ज्वल ज्योति हमारे जीवन से अज्ञान और नकारात्मकता का अंधकार मिटाकर ज्ञान, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करे। राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि इस पर्व पर हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लें। उन्होंने कामना की कि दीपों के पर्व का यह त्यौहार सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

मनरेगा से साकार हुआ सपनों का आंगनबाड़ी केंद्र

रायपुर/ नवप्रदेश। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल रोजगार का साधन ही नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बन गई है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरीपानी में नया आंगनबाड़ी केंद्र भवन बनकर तैयार हुआ है। इस भवन के निर्माण से न केवल नौनिहालों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिला है, बल्कि ग्रामवासियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।आंगनबाड़ी केंद्र पूर्व में एक छोटे किराए के भवन में संचालित होता था, जहां सीमित स्थान के कारण बच्चों को पढ़ाई और खेल-कूद में कठिनाई होती थी। अब 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह नया आंगनबाड़ी भवन बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। निर्माण कार्य के दौरान 494 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

स्व-सहायता समूहों की मेहनत में रंग भर रहा है बिहान बाजार

रायपुर/ नवप्रदेश। दीपावली का त्यौहार नजदीक आते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मिट्टी के दिए बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। साथ ही समूह की महिलाएं आजिविका के लिए विभिन्न उत्पादों जैसे रंगोली, बांस से निर्मित सामग्रियां सहित अन्य हस्त निर्मित उत्पाद तैयार कर आजार में बेचने ला रही हैं। प्रशासन की पहल से रजत जयंती के अवसर पर इन उत्पादों को स्थानीय बाजार उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। बलरामपुर जिले के जिगड़ी ग्राम पंचायत में सक्रिय महिला स्व-सहायता समूह ने इस बार लगभग 5500 से अधिक मिट्टी के दिए तैयार किए हैं। पहले ये महिलाएं केवल घरेलू उपयोग के लिए दिए बनाती थीं, लेकिन अब जिला प्रशासन और ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से इन्हें व्यावसायिक रूप दिया गया है। राजपुर की जय मां अम्बे स्व-सहायता समूह और बलरामपुर की ज्योति समूह की दीदियां दिन-रात लगन से दिए तैयार कर रही हैं। इन दोनों समूह में 10-10 दीदियां शामिल हैं। समूह की अध्यक्ष श्रीमती सलिता गुप्ता बताती हैं कि पहले दीपावली पर बाहर से दिए खरीदते थे, अब हम खुद बना रहे हैं और बेच भी रहे हैं, ये हमारे लिए आत्मनिर्भर बनने का नया रास्ता मिला है।

153 हथियारों के साथ 210 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

बंदूक छोड़ संविधान अपनाने वालों का स्वागत : साय

बस्तर में रचा गया इतिहास, वंदे मातरम की गूंज से शांति

- पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन: दण्डकारण्य के 210 माओवादी कैडर लौटे समाज की मुख्यधारा में
- एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, चार डीकेएसजेडसी सदस्य, 21 डिविजनल कमेटी सदस्य सहित अनेक वरिष्ठ माओवादी नेता का आत्मसमर्पण

दंडकारण्य आत्मसमर्पण : कुल कैडर विवरण

1. सीसीएम 01 कैडर, 2. डीकेएसजेडसी 04 कैडर, 3. क्षेत्रीय समिति सदस्य 01 कैडर, 4. डीवीसीएम 21 कैडर, 5. एसीएम स्तर 61 कैडर, 6. पार्टी सदस्य 98 कैडर, 7. पीएलजीए सदस्य/आरपीसी सदस्य/अन्य 22 संख्या, कुल 208 कैडर, कुल 110 महिलाएँ 98 पुरुष।

दंडकारण्य आत्मसमर्पण : कुल हथियार विवरण

1. एके 47 राइफल 19 संख्या, 2. एसएलआर राइफल 17 संख्या, 3. इंसास राइफल 23 संख्या, 4. इंसास एलएमजी 01 संख्या, 5. 303 राइफल 36 संख्या, 6. कार्बाइन 04 संख्या, 7. बीजीएल लॉन्चर 11 संख्या, 8. 12 बोर/सिंगल शॉट 41 संख्या, 9. पिस्तौल 01 संख्या, कुल 153 हथियार।

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर में 210 माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण को राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जो युवा कभी माओवाद के झूठे विचारधारा के जाल में फंसे थे, उन्होंने आज संविधान, लोकतंत्र और विकास की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज का दिन केवल बस्तर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए ऐतिहासिक है। जिन युवाओं ने वर्षों तक अंधेरी राहों पर भटककर हिंसा का मार्ग चुना, उन्होंने आज अपने कंधों से बंदूक उतारकर संविधान को थामा है। यह न केवल आत्मसमर्पण का क्षण है, बल्कि विश्वास, परिवर्तन और नये जीवन की शुरुआत है।

योजनाएं विश्वास और परिवर्तन का आह्वान: साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में बंदूकें छोड़कर सुशासन पर विश्वास जताने वाले इन युवाओं से मेरी मुलाकात मेरे जीवन के सबसे भावनात्मक और संतोष देने वाले पलों में से एक रही। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि बदलाव नीतियों और विश्वास से आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025, नियद नेल्ला नार योजना और पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन जैसी योजनाएँ विश्वास और परिवर्तन का आह्वान हैं। इन्हीं नीतियों के प्रभाव से नक्सल प्रभावित इलाकों में बंदूक छोड़कर लोग शासन की विश्वास और विकास की प्रतिज्ञा को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का यह दृश्य केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के शांतिपूर्ण भविष्य का शिलान्यास है। हमारी सरकार आत्मसमर्पितों के पुनर्वास और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद को खत्म करेंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की प्रतिज्ञा है कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में यह प्रतिज्ञा पूर्ण हो रही है। छत्तीसगढ़ अब शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर अग्रसर है। राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और शांति, संवाद एवं विकास पर केंद्रित सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप बस्तर संभाग में आज नक्सल विरोधी मुहिम को ऐतिहासिक सफलता मिली है। 'पूना मारगेम दू पुनर्वास से पुनर्जीवन' कार्यक्रम के अंतर्गत दण्डकारण्य क्षेत्र के 210 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है।

मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख माओवादी नेता

मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख माओवादी नेताओं में सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी सदस्य भास्कर उर्फ राजमन मांडवी, रनीता, राजू सलाम, धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम सहित कई वांछित और इनामी कैडर शामिल हैं। इन सभी ने संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया।

मांझी-चालकी विधि से हुआ स्वागत

यह ऐतिहासिक आयोजन जगदलपुर पुलिस लाइन परिसर में हुआ, जहाँ आत्मसमर्पित कैडरों का स्वागत पारंपरिक मांझी-चालकी विधि से किया गया। उन्हें संविधान की प्रति और शांति, प्रेम एवं नए जीवन का प्रतीक लाल गुलाब भेंट कर सम्मानित किया गया। मांझी-चालकी प्रतिनिधियों ने कहा कि बस्तर की परंपरा सदैव प्रेम, सहअस्तित्व और शांति का संदेश देती रही है। जो साथी अब लौटे हैं, वे इस परंपरा को नई शक्ति देंगे और समाज में विश्वास की नींव को और मजबूत करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी आत्मसमर्पित कैडरों ने संविधान की शपथ लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वे अब हिंसा के बजाय विकास और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में योगदान देंगे। 'वंदे मातरम' की गूंज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह क्षण केवल 210 माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण का नहीं, बल्कि बस्तर में विश्वास, विकास और शांति के नए युग की शुरुआत का प्रतीक बन गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों को पुनर्वास सहायता राशि, आवास और आजीविका योजनाओं की जानकारी दी गई। राज्य शासन इन युवाओं को स्वरोजगार, कौशल विकास और शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

विकास की दिशा में होगी बस्तर की नई सुबह

यह आत्मसमर्पण विश्वास, सुरक्षा और विकास की दिशा में बस्तर की नई सुबह का संकेत है। लंबे समय से नक्सली गतिविधियों से प्रभावित अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर क्षेत्र में यह ऐतिहासिक घटनाक्रम नक्सल उन्मूलन अभियान के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव रखी है। पुलिस, सुरक्षा बलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और सजग नागरिकों के समन्वित प्रयासों से हिंसा की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में परिवर्तित किया जा सका है।

153 अत्याधुनिक हत्यारों के साथ आत्मसमर्पण

यह पहली बार है जब नक्सल विरोधी अभियान के इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में वरिष्ठ माओवादी कैडरों ने एक साथ आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, चार डीकेएसजेडसी सदस्य, 21 डिविजनल कमेटी सदस्य सहित अनेक वरिष्ठ माओवादी नेता शामिल हैं। इन कैडरों ने कुल 153 अत्याधुनिक हथियार जिनमें् च/47 स्स्क्र इइस्न रायफल और स्स्न शामिल हैं, समर्पित किए हैं। यह केवल हथियारों का समर्पण नहीं, बल्कि हिंसा और भय के युग का प्रतीकात्मक अंत है। एक ऐसी घोषणा, जो बस्तर में शांति और भरोसे के युग की शुरुआत का संकेत देती है।

एलआईसी की नई जन सुरक्षा और बीमा लक्ष्मी का शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जीवन बीमा निगम के सी.ई. ओ. एवं एम.डी., आर. दुरैस्वामि ने दो नई योजनाएँ, एलआईसी की जन सुरक्षा और एलआईसी की बीमा लक्ष्मी (यूआईएन: 512एन 389वी 01) शुरू कीं। ये नई अगली पीढ़ी जी.एस.टी. व्यवस्था में एलआईसी द्वारा पेश किए गए पहले दो उत्पाद हैं। वर्तमान परिवेश में, जब ब्याज दरें अत्यधिक अस्थिर हैं, ये दोनों योजनाएँ पॉलिसी अवधि के दौरान गारंटीड ॲडीशन्स प्रदान करती हैं। दोनों योजनाओं के तहत तीन वर्षों के प्रीमियम का भुगतान करने के बाद ऑटो कवर सुविधा उपलब्ध है।

एलआईसी की जन सुरक्षा एक जीवन सूक्ष्म बीमा योजना है। इस योजना का उद्देश्य कम आय वर्ग के लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना है। इसमें ऑटो कवर सुविधा और गारंटीड ॲडीशन्स शामिल हैं। ये गारंटीड ॲडीशन्स, पॉलिसी अवधि के दौरान प्रत्येक पॉलिसी वर्ष के अंत में वार्षिक प्रीमियम के 4त्र की दर से अर्जित होते हैं। यह योजना पॉलिसी अवधि के दौरान पॉलिसीधारक की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करती है और परिपक्वता के समय जीवित पॉलिसीधारक को एकमुश्त राशि प्रदान करती है। यह योजना बिना किसी चिकित्सीय जाँच के केवल सामान्य स्वस्थ जीवन के लिए उपलब्ध है।

प्रवेश के समय न्यूनतम और अधिकतम आयु की मर्यादा 18 वर्ष (पूर्ण) और 55 वर्ष है। न्यूनतम मूल बीमित राशि 1,00,000/- है, जबकि प्रति व्यक्ति अधिकतम मूल बीमित राशि 2,00,000/- है (मूल बीमित राशि का गुणज 5,000/- होगा)। पॉलिसी अवधि 12 से 20 वर्ष है और प्रीमियम भुगतान अवधि की गणना पॉलिसी अवधि में से 5 वर्ष घटाकर की जाएगी। यह योजना एक नॉन- पार, नॉन- लिंक्ड व्यक्तिगत बचत बीमा योजना है।

एलआईसी की बीमा लक्ष्मी विशेष रूप से महिलाओं के लिए परिकल्पित की गई एक बीमा योजना है जो जीवन बीमा, बीमित व्यक्ति की पसंद के अनुसार हर 2 वर्ष अथवा 4 वर्ष बाद या प्रीमियम भुगतान बंद होने के बाद आवधिक निश्चित धन-वापसी, सीमित बीमारियों को कवर और आकर्षक गारंटीकृत परिपक्वता लाभ प्रदान करती है। चालू पॉलिसियों के लिए हर साल कुल सारणीबद्ध वार्षिक प्रीमियम के 7% की दर से गारंटीड ॲडीशन्स अर्जित होती है और चुकता पॉलिसियों के लिए, गारंटीड ॲडीशन्स लागू होने पर आनुपातिक दर से अर्जित होगी। प्रवेश के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष (अंतिम जन्मदिन) है। प्रवेश के समय अधिकतम आयु 50 वर्ष (निकटतम जन्मदिन) है। पॉलिसी अवधि 25 वर्ष है। प्रीमियम भुगतान अवधि 7 वर्ष से 15 वर्ष है।

दीवाली पर 'महिला उद्यमिता स्टॉल' में झलकी बिहान की चमक

रायपुर/ नवप्रदेश। दीपावली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान के अंतर्गत महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ÷महिला उद्यमिता स्टॉल÷ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत मुंगेली (छत्तीसगढ़) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न महिला स्व-सहायता

समूहों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। स्टॉल में पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुएं जैसे दीये, मिठाई, पूजा-पाठ की सामग्री, अगरबत्ती, धूप, कलश, ग्वालिन दीया-गुल्लक, झूमर मिरर, साड़ी, स्कार्फ, थैले आदि आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय ने स्टॉल का अवलोकन किया और समूह की महिलाओं की सराहना करते हुए आर्थिक रूप से आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के मौके पर लगाई गई यह प्रदर्शनी न केवल उत्सव की रौनक बढ़ा रही है।

आज धन्वन्तरि जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

रायपुर/ नवप्रदेश। धन्वन्तरि जयंती के पावन अवसर पर विश्व आयुर्वेद परिषद, छत्तीसगढ़ इकाई व छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य परिषद रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कल 18 अक्टूबर को शाम 6 से 8 बजे तक जागृति मंडल पंडरी में यह आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर आयुर्वेद, स्वदेशी चिकित्सा पद्धति एवं आत्मनिर्भर भारत के संदर्भ में संवाद और विचार-विमर्श होगा। इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से संत युधिष्ठिर लाल.आध्यात्मिक विचारक,टोपलाल वर्मा, प्रांत संचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,बीएल जांगड़े पूर्व सांसद, सुनील दास ,संयुक्त संचालक, आयुष विभाग,श्रीचंद सुन्दरानी - पूर्व विधायक उपस्थित रहेंगे।

आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी।

वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यतः पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था। विगत 25

वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है, जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है।

महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम

रायपुर/ नवप्रदेश। ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राष्ट्रीय आजीविका मिशन (बिहान) एवं पशुधन विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से अम्बिकापुर जिले के अंतर्गत ग्राम पंचायत सकालो में साप्ताहिक बकरी मंडी का शुभारंभ किया गया है। बकरी पालन से रोजगार के अवसर, आय में वृद्धि होती है और स्वास्थ्य लाभ मिलतरा है। यह आय का एक स्थायी स्त्रोत प्रदान करता है, क्योंकि बकरियों से दूध और मांस दोनों प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, बकरी पालन पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि बकरियां कम जगह लेती हैं और उनकी खाद मिट्टी को उपजाऊ बनाती है।

सकालो बाजार के पास संचालित इस मंडी का संचालन मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है। इससे ग्रामीण पशुपालकों के लिए व्यापार के लिए नई मंडी मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर बकरी पालन से जुड़ी महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनेगा। अब ग्रामीण महिलाएं अपनी बकरियां सीधे मंडी में बेच सकती हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों पर निर्भरता समाप्त होगी।

सकालो की बकरी पालक मानमति मरावी ने बताया कि पहले व्यापारी बकरियाँ मनमाने दामों पर खरीद लेते थे, जिससे हमें सही लाभ नहीं मिल पाता था। अब मंडी खुलने से अपने ही पंचायत में बकरियों का अच्छा दाम मिल रहा है। इससे आमदनी बढ़ेगी और बकरी पालन में रुचि भी बढ़ी है।

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने भाजपा नेता को रोका

छत्तीसगढ़ में भाजपा नेता को किया गया नजर बंद

गरियाबंद /नवप्रदेश। देवभोग के इतिहास में पहली बार ऐसे हुआ कि भाजपा के किसी प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने भाजपा नेता को रोका गया। विधानसभा स्तरीय आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय समेत कई दिग्गज नेताओं के सामने जिला संगठन की नियुक्ति में विसंगतियों को गिनाने की तैयारी थी। सम्मेलन शुरू होने से पहले ही देवभोग में भाजपा नेता चमार सिंह पात्र नजर बंद किए गए। इसकी जानकारी मिलते ही माली समाज ने विरोध किया तो उन्हें छोड़ दिया गया।

आज प्रदेश स्तरीय आत्म निर्भर भारत का विधानसभा स्तरीय आयोजन देवभोग में हो रहा है। आयोजन ढाई बजे शुरू हुआ, लेकिन इससे पहले भाजपा नेता पूर्व जिला मंत्री एवं माली समाज के सक्रिय नेता चमार सिंह पात्र को नजर बंद कराने की जरूरत पड़ गई। आयोजन शुरू होने से पहले यह बात भाजपा मंच के इर्द गिर्द घूम रही थी कि आज चमार सिंह भाजपा जिला संगठन नियुक्ति में अनियमितता का गंभीर आरोप लगाने वाले थे।

समाज के हल्ला बोल के बाद भाजपा नेता को छोड़ा गया

आयोजन में पवन साय, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त चंदूलाल साहू समेत संगठन के कई बड़े नेता मौजूद थे। इन्हीं की मौजूदगी में चमार सिंह भड़ास निकालने वाले थे, पर कार्यक्रम शांति ढंग से सम्पन्न हो। कोई शिकवा शिकायत न हो, इसके लिए आयोजन शुरू होने से पहले चमार सिंह को पुलिस ने थाने में बिठाकर नजर बंद कर दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र के पंडरा माली समाज में आक्रोश है। हालांकि समाज के हल्ला बोल के बाद चमार सिंह को छोड़ा गया और मंच में वापस आने दिया गया।

नियुक्ति में गड़बड़ी को नेताओं के सामने रखना चाहता था : चमार सिंह

नजर बंद हुए भाजपा नेता चमार सिंह पात्र ने कहा कि मैंने क्या गुनाह किया, मेरा कसूर बस इतना है कि संगठन की नियुक्ति में हुए गड़बड़ी को मैं अपने ही नेता के सामने रखना चाहता हूं। पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन में स्थान न देना, फिर आवाज उठाने से पहले पुलिस कस्टडी में भेज देना कितना उचित है।

(ग्राहक हित में जारी)

जागो ग्राहक जागो

ज्वेलर्स एवं उपभोक्ता जागरूकता अभियान

आज के समय में सोना सस्ता देने के नाम पर उपभोक्ताओं के साथ तरह-तरह की धोखाधड़ी की जा रही है। सस्ते रेट का झांसा देकर ग्राहकों को दुकान तक बुलाना, पुराने यूजड रत्न एवं कुंदन ज्वेलरी थमाना या रत्न जड़ित ज्वेलरी बेचना-से सब छल-कपट की रणनीतियां है।

"सोने की कीमत कभी भी बाजार भाव से कम नहीं हो सकती"

जिस प्रकार दूध का सस्ता होना उसमें मिलावट का संकेत देता है,
उसी प्रकार सोने का सस्ता होना उसकी शुद्धता और गुणवत्ता पर संदेह प्रकट करता है।

"सोने में छूट मतलब किसी न किसी तरीके से लूट।"

"0% मेकिंग चार्ज या कम बनवाई का झाँसा, चाहे वह ब्रांडेड शोरुम से मिले या किसी होलसेलर से—यह सिर्फ़ एक छलावा है। जो उपभोक्ता जागरुक हैं, वे इन चालों को समझ जाते हैं, लेकिन जो नहीं, वे अपनी मेहनत की कमाई और पूँजी खो बैठते हैं।"

इसलिए जागरूक बनिए और सही-सही जाँच करके ही गहने खरीदिए।

सोचिए, समझिए... फिर ही गहना खरीदिए!

- हमेशा प्रमाणित और विश्वसनीय ज्वेलर से ही खरीदारी करें।
- हॉलमार्क, शुद्धता (कैरेट), वजन, मेकिंग चार्ज और टैक्स की स्पष्ट जानकारी बिल में जरूर लें।
- केवल ऑफर्स और भारी छूट के लालच में न आएं।

ब्रांड्स के 100% बायबैक जैसे वादों की सच्चाई:

- जब आप उनसे सोने का सिक्का (coin) माँगते हैं, तो या तो वो देने से मना कर देते हैं या फिर उस पर बहुत ज्यादा मेकिंग चार्ज वसूलते हैं।
- बायबैक के वक्त Terms & Conditions बताकर या processing delay के बहाने बना कर ग्राहक को भ्रमित किया जाता है।
- कई ब्रांड्स कम मेकिंग चार्ज का प्रचार कर ग्राहक को बुलाते हैं, लेकिन पसंदीदा डिज़ाइन पर ज़्यादा मेकिंग चार्ज लगाकर भ्रम फैलाते हैं।

स्थानीय ज्वेलर आपके भरोसे का साथी होता है:

- पारदर्शी दाम
- वाजिब मेकिंग चार्ज
- तुरंत सेवा और समाधान आपके हर सुख-दुख में साथ

सस्ता सोना बेचने वाले से सिर्फ सोना खरीदे गहना नहीं आपका भ्रम दूर हो जायेगा।

गहनों की खरीददारी में दिखाएं समझदारी, प्रमाण, पारदर्शिता और सेवा-यही हैं पहचान हमारी स्थानीय ज्वेलर्स।

"आपकी सतर्कता ही आपके निवेश की सुरक्षा है।"

"यदि आम नागरिक या उपभोक्ता किसी भी भ्रामक प्रचार या 'सस्ते सोने' जैसे प्रलोभनों के कारण ठगी या धोखाधड़ी का शिकार होते हैं, तो वे बेहिचक हमारे एसोसिएशन से संपर्क कर सकते हैं। आपकी लिखित शिकायत पर हम आवश्यक कार्यवाई करेंगे। न्याय दिलाना एसोसिएशन का दायित्व है।"

सोना खुद ही एक ब्रांड है किसी और नाम का मोहताज नहीं

-कमल सोनी प्रदेश अध्यक्ष- छ.ग. सराफा एसोसिएशन

बालाजी एण्ड बालाजी ज्वेलर्स, सदर बाजार, बिलासपुर (छ.ग.) | श्री खाटू श्याम ज्वेलर्स, मारवाड़ी लाईन, बिलासपुर मो. 9300311212 | श्री Ram JEWELLERS, Madhyanagri Chowk, Bilaspur | बलौदा वाले राकेश ज्वेलर्स, करोना चौक सदर बाजार बिलासपुर मो. 9907981343 | श्री माखन ज्वेलर्स GOLD | SILVER | बलौदा वाले तुलाराम ज्वेलर्स, मेन रोड सदर बाजार, बिलासपुर मो. 9893622289 | बलौदा वाले महेश ज्वेलर्स, करोना चौक सदर बाजार बिलासपुर मो. 9827172386

गुलाब सिंह जितेन्द्र सिंह ज्वेलर्स, मंगला चौक, बिलासपुर | रौनक जेम्स एंड ज्वेलरी मो. 9617755555 | GULAB SINGH JEWELLERS — सोने-चाँदी की सबसे विश्वनीय प्रतिष्ठान गुलाब सिंह ज्वेलर्स Since-1964, प्रो. कल्याण सिंह हुरा, गगनदीप सिंह हुरा, 9907913847, 7049430000, उस्लापुर ओवरब्रिज, स्टेट बैंक के बाजू में बिलासपुर | अनमोल ज्वेलर्स, करोना चौक, सदर बाजार, बिलासपुर मो. 9827924898 | सती श्री ज्वेलर्स DIAMOND | GOLD | SILVER | GEMSTONES, बिलासपुर-उस्लापुर

माँ Santoshi JEWELLERS, मारवाड़ी लाईन, सदर बाजार, बिलासपुर मो. 9893135961 | GJ GORAKHNATH JEWELLERS, सदर बाजार, बिलासपुर | बालाजी ज्वेलर्स | RJ रितेश ज्वेलर्स, करोना चौक, सदर बाजार, बिलासपुर मो. 9827469493

संतोष कुमार सतीश कुमार शाह ज्वेलर्स (मेन रोड तिलकनगर/सीपत रोड सरकंडा) ★ छेदीलाल मोतीलाल सराफ ज्वेलर्स (गोल बाजार) ★ मंगलम् ज्वेलर्स (सदर बाजार) ★ शुभ्रमुग्धा ज्वेलर्स (जूना बिलासपुर) ★ शुभांक ज्वेलर्स (मायादी मंदिर रोड, विद्या नगर) ★ श्री जगदम्बा ज्वेलर्स (करोना चौक, सदर बाजार) ★ श्री सावित्री ज्वेलर्स (श्रीराम मार्केट के सामने अग्रसेन चौक) ★ शीतला ज्वेलर्स (सदर बाजार) ★ भीम ज्वेलर्स (मारवाड़ी लाईन)

*बिल्हा-बिलासपुर ज्वेलर्स, शिव शंकर ज्वेलर्स, जेवर वाले, महामाया ज्वेलर्स, *चकरभाठा- हरिओम ज्वेलर्स, आर.के. ज्वेलर्स, श्री आर.के. ज्वेलर्स, ओम साईराम ज्वेलर्स, ममता ज्वेलर्स, राम जी ज्वेलर्स, महादेव ज्वेलर्स, संजय ज्वेलर्स, रूपचंद जयरामदास ज्वेलर्स, शानवी ज्वेलर्स, ओम साईनाथ ज्वेलर्स, ओम ज्वेलर्स *तिफरा-साईं कृपा ज्वेलर्स, *सदर बाजार- मायाश्री ज्वेलर्स, जानकी ज्वेलर्स *उस्लापुर- सती श्री ज्वेलर्स *मंगला चौक- माही ज्वेलर्स, *तोरवा-स्वर्ण मंदिर ज्वेलर्स *सरकंडा व चिंगराजपारा-संतोष कुमार सतीश कुमार शाह ज्वेलर्स, सिद्धी ज्वेलर्स, गीता ज्वेलर्स, स्वर्णकार ज्वेलर्स, *राजकिशोर नगर-महालक्ष्मी ज्वेलर्स, संतोष ज्वेलर्स रितेश ज्वेलर्स *पुराना बस स्टैण्ड-श्री नन्दजी ज्वेलर्स एवं राशि रत्न *टिकरापारा- ज्वेल ज्वेलर्स *सेमरताल-तनीषा ज्वेलर्स

|| जय श्री राम || || जय श्री श्याम || जय माता दी

बिलासपुर सराफा एसोसिएशन (कार्यकाल - 2025-2028)

कमल सोनी — प्रदेश अध्यक्ष- छ.ग. सराफा एसोसिएशन, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष छ. ग. चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज

विशेष आमंत्रित सदस्य **श्री विनोद सोनी** सभापति नगर निगम बिलासपुर (छ.ग.)

संरक्षकगण — सर्वश्री बृजमोहन सोनी, महेन्द्र शाह, छेदीलाल सराफ, विजय गुप्ता, भीम सोनी, रमेश सोनी कल्याण सिंह, सुभाष अग्रवाल, दिलीप खण्डेलवाल, अशोक सोनी, संतोष शाह

वरिष्ठ सलाहकार — चंद्रीराम बलेचा, सुरेश कुमार सोनी, हरेश सोनी, अनिल सेठ, अनिल गुप्ता, विवेक अग्रवाल, जितेन्द्र पवार, सुशील सराफ, प्रमोद वर्मा, संतोष शाह, योगेन्द्र कुमार वर्मा

उपाध्यक्ष - जितेन्द्र सिंह, प्रवीण सलूजा, महेश स्वर्णकार, संतोष तिवारी, राजीव पारेख, श्याम गुप्ता, महितोष सराफ, सन्नी सलूजा, रामअवतार वर्मा, शिवा सूर्यवंशी, राजू सोनी (चकरभांठा)

सहसचिव — हितेश साहू, विकास सोनी (बिल्हा), आलोक सोनी, किशन सोनी, ललित वासवानी

मिडिया एवं सोशल मिडिया प्रभारी — विवेक तिवारी, देवेश सोनी, विकास सोनी (विक्की), रितेश सलूजा

विधि सलाहकार — अमित सोनी

संचालन प्रमुख (प्रशासनिक कार्य प्रमुख) - राजेश शाह, पंकज पारेख, जितेन्द्र सोनी

अध्यक्ष	महासचिव	कोषाध्यक्ष	कार्यकारी अध्यक्ष
कमल सोनी	श्रीकांत पाण्डेय	रौनक साव	अजय सराफ

अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं विशेष कार्य समिति - मोतीलाल सोनी (मन्नू), नवनाथ एवले, सुरज सोनी, शशांक स्वर्णकार

संगठन कार्य एवं कार्यक्रम आयोजन समिति- सज्जन सोनी, राजेश सोनी, प्रकाश सोनी, रवि प्रकाश सोनी, विक्रम बलेचा, दीपक सोनी

युवा साथी एवं कार्यकारिणी - रवि सलूजा, राकेश स्वर्णकार, रोहन शाह, सौरभ अग्रवाल, शिवम सोनी, सौरभकेशरवानी, रतनदीप सराफ, दीप सोनी, देवेन्द्र सोनी (लालू), रवि सोनी (तोरवा), रवि सोनी (माखन ज्वेलर्स), राज सोनी, अतुल सोनी (सकरी), प्रांशु सोनी, राजेश पवार

सम्माननीय महिला सदस्य - श्रीमती प्रमिला गुप्ता, श्रीमती सावित्री जाजोदिया

निवेदक: छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन

"बस्तर से अंबिकापुर एवं रायगढ़ से राजनांदगांव विकास एवं विस्तार के लिए समर्पित"

कमल सोनी (प्रदेश अध्यक्ष) ✆ 9200000064

पता : शॉप नं. 12, गिरधर भवन, सदर बाजार, रायपुर (छ.ग.) 9302920005

प्रकाश गोलछा (महा-सचिव) ✆ 9302920005 | हर्षवर्धन जैन (कोषाध्यक्ष) ✆ 7879878787 | प्रदिप मारुति घोरपड़े (चेयर पर्सन, अध्यक्ष प्रतिनिधि) ✆ 9584460707 | पवन अग्रवाल (संभाग प्रभारी कार्यकारी अध्यक्ष) ✆ 9425254000

J.J.Ad

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com